दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   संपादक - डा.के.के.संधू   प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227   वर्ष 8   अंक 253   शनिवार 13 सितम्बर, 2025   Saturday 13 September , 2025   मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12   मोब :9416406615,7404278000,9215537704

महाराष्ट्र में पिकअप-कार की टक्कर में तीन की मौत, 12 घायल

नासिक 12 सितम्बर (निस): महाराष्ट्र के नासिक में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हुए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना गुरुवार रात को नासिक जिले के सटाना तालुका में ताहराबाद-मुल्हेर मार्ग पर अंतापुर शिवारा के पास हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 20 मजदूर खोडबेल (शेष पृष्ठ दो पर)

सीपी राधाकृष्णन बने देश के नए उपराष्ट्रपति,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई, पीएम मोदी और धनखड़ भी रहे मौजूद

नई दिल्ली,12 सितम्बर (निस) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कैबिनेट मंत्रियों व विपक्षी नेताओं सहित कई अन्य शीर्ष राजनीतिक नेता इस समारोह में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ पहली बार सार्वजनिक रूप से इस समारोह में शामिल हुए ।इससे पहले 9 सितंबर को, एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें 452 वोट मिले थे, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले थे। तत्कालीन निवर्तमान राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से गहरी जड़ें रखने वाले तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने 452 वोट हासिल करके उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीता। उनके प्रतिद्वंद्वी, विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले ।भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के संख्यात्मक बल को देखते हुए, राधाकृष्णन की जीत अपेक्षित थी। एनडीए के पास कागजों पर 427 सांसद थे और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों और कई छोटे दलों का अतिरिक्त समर्थन प्राप्त था, जिससे वह 377 के आधे से भी अधिक बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर गया था। उनके पक्ष में क्रॉस-वोटिंग के संकेत भी मिले थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था ।अपनी जीत के बाद, राधाकृष्णन ने गुरुवार (शेष पृष्ठ दो पर)

पीएम मोदी ने लॉन्च किया ज्ञान भारतम पोर्टल

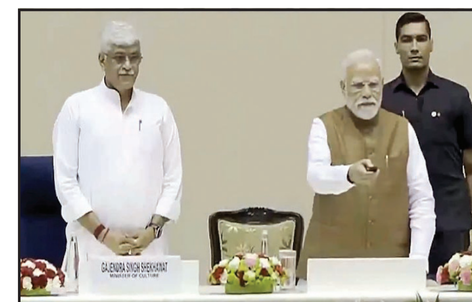

नई दिल्ली,12 सितम्बर (निस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ज्ञान भारतम पोर्टल का शुभारंभ किया, जो एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच में तेजी लाना है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले ज्ञान भारतम मिशन की घोषणा की थी और आज हम ज्ञान भारतम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई सरकारी या अकादमिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष है। मैं ज्ञान भारतम मिशन के शुभारंभ के लिए देश के सभी नागरिकों को बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि आज विज्ञान भवन, भारत के स्वर्णिम अतीत के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। कुछ ही दिन पहले मैंने ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा की थी, और इतने कम समय में आज हम ज्ञान भारतम् इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर रहे हैं। इससे जुड़ा पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि ये एक सरकारी या एकेडेमिक इवेंट नहीं है। ज्ञान भारतम् मिशन, भारत की संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष बनने जा रहा है ।प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारों पीढ़ियों का चिंतन मनन, भारत के महान आचार्यों और विद्वानों का बोध और शोध, हमारी ज्ञान परंपराएं, हमारे वैज्ञानिक धरोहरें— ज्ञान भारतम् मिशन के जरिए हम उन्हें डिजिटाइज्ड करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा हस्तलिपि संग्रह है। करीब 1 करोड़ हस्तलिपि हमारे पास हैं। इतिहास के क्रूर थपेड़ों में (शेष पृष्ठ दो पर)

हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और समावेशी भविष्य की नींव का पत्थर साबित होगी - मुख्यमंत्री

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा,हिसार से अयोध्या,दिल्ली और चंडीगढ़ के बाद अब जयपुर के लिए भी हवाई सेवा शुरु

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया हवाई सेवाओं का शुभारंभ

चंडीगढ़, 12 सितम्बर (अमृतपाल सिंह) : हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा, हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज यह नई उड़ान की शुरुआत नहीं, बल्कि हरियाणा के विकास, क्षेत्रीय समावेशन और आधुनिक कनेक्टिविटी की दिशा में एक अहम कदम है। हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और समावेशी भविष्य की नींव का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ अब हरियाणा ने नागरिक उड्डयन का विकास करके एयर कनेक्टिविटी में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार बनने के समय से ही नागरिक उड्डयन का विकास सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि इसी साल 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या में स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ किया था। उन्होंने उसी दिन इस एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी किया था। गत 9 जून 2025 को हिसार-चंडीगढ़-हिसार हवाई सेवाओं का शुभारंभ भी किया गया।

जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का होगा शुभारंभ-नायब सिंह सैनी

जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

हिसार हवाई अड्डे को आधुनिक तकनीकों से किया गया सुसज्जित - मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार हवाई अड्डे को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आधुनिक(शेष पृष्ठ दो पर)

जनता में अविश्वास पैदा करना कांग्रेस की आदत बन गयी है-पूनावाला

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (निस) उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को चुनाव संपन्न हो गया। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने जीत हासिल की हैं, उन्हें 452 वोट मिले। विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले थे। इसके बाद कांग्रेस, बीजेपी के सांसदों की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। बता दें बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव, बिहार चुनाव पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बाद, कांग्रेस पार्टी के राहुल गांधी ने उपराष्ट्रपति चुनाव पर भी सवाल उठा दिए हैं। इसके बाद वोट चोरी का भी आरोप लगाया। यहां तक की टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सांसदों को 15-20 करोड़ रुपये खर्च करके खरीदा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहजाद पूनावाला (शेष पृष्ठ दो पर)

देश में मुख्य मुद्दा वोट चोरी का,अब पीएम मोदी जा रहे मणिपुर - राहुल गांधी

नई दिल्ली,12 सितम्बर (निस) :लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी के मणिपुर दौरे की संभावना पर राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर का मुद्दा लंबे समय से चल रहा है। यह अच्छी बात है कि पीएम मोदी अब वहां जा रहे हैं, लेकिन देश में मुख्य मुद्दा वोट चोरी का है। हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनावी जनादेश चुराए गए... हर जगह लोग वोट चोर कह रहे हैं। बता दें पीएम मोदी 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। पीएम मोदी 71,850 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए

नई दिल्ली,12 सितम्बर (निस) : भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए हैं, जिससे इस एक हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। नए नियमों के तहत, सुप्रीम कोर्ट परिसर में कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। हाई सिक्योरिटी ज़ोन में मोबाइल फोन का उपयोग करके तस्वीरें खींचने या वीडियो बनाने पर पूरी तरह से रोक है। इसके अलावा, आधिकारिक उपयोग को छोड़कर, कैमरा, ट्राइपॉड और सेल्फी स्टिक जैसे उपकरणो(शेष पृष्ठ दो पर)

नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की होंगी अंतरिम प्रधानमंत्री,संसद भंग, तनावपूर्ण स्थिति जारी, सेना मुस्तैद

काठमांडू 12 सितम्बर (निस)नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की अंतरिम प्रधानमंत्री होंगी। सुशीला कार्की अंतरिम प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगी। नेपाल की संसद भंग कर दी गई है। जेन-जी के भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बाद के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। नेपाल में वर्षों में सबसे भीषण उथल-पुथल सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण शुरू हुई थी और ओली के इस्तीफे के बाद ही हिंसा थमी। हिंसक प्रदर्शन में इस हफ्ते 51 लोग मारे गए और 1,300 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल की ओर से परामर्श पाए एक संवैधानिक विशेषज्ञ ने कहा था, सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। सूत्र ने ये भी बताया था, वे (जनरेशन जेड) उसे चाहते हैं। यह आज ही हो जाएगा। उनका इशारा जनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों की ओर था। इससे पहले खबर मिली थी कि नेपाल में जारी जेन-जेड आंदोलन अब नए मोड़ पर पहुंच गया है ।(शेष पृष्ठ दो पर)

आप विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को 12 साल पुराने केस में चार साल की सजा

मोहाली 12 सितम्बर (निस) आम आदमी पार्टी के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा की आज कोर्ट में सुनवाई थी। इस दौरान कोर्ट ने 12 साल पुराने मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए विधायक को 4 सजा की सुनाई है। गौरतलब है कि विधायक मनजिंदर सिंह की आज तरनतारन कोर्ट में पेशी हुई जिस दौरान कोर्ट विधायक को दोषी ठहराते हुए 4 साल की सजा का फैसला सुनाया है। आपको बता दें कि, विधायक मनजिंदर सिंह को 12 साल पहले युवती से छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में 10 सितंबर को दो गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। मनजिंदर सिंह लालपुरा विधानसभा हलका खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी के विधायक है। जानकारी के अनुसार मार्च 2013 में एक पीड़िता द्वारा बदसलूकी के आरोप लगाए जाने पर मनजिंदर सिंह लालपुरा सहित 11 लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मनजिंदर सिंह सहित 9 आरोपी जब कोर्ट पहुंचे थे, तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। आपको बता दें कि घटना के दौरान विधायक टेक्सी(शेष पृष्ठ दो पर)

बाढ़ पीड़ितों को दिवाली से पहले हर हाल में मिलेगा मुआवजा-सीएम मान का वादा

चंडीगढ़ 12 सितम्बर(निस) मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्पेशल गिरदावरी के निर्देश भी दिए। पत्रकारों से बातचीत कहते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट पहले ही फसल के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने का फैसला कर चुकी है। उन्होंने कहा कि जहां पर 100 फीसदी फसल खराब हुई हैं, वहां पर तो एक माह के भीतर ही मुआवजा दे दिया जाएगा। बाकी विशेष गिरदावरी होने के उपरांत दीपावली से पहले किसानों को चैक दिया जाएगा। विशेष गिरदावरी को 40 से 45 दिन लग सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन इस दौरान न तो मैं चैन से सोऊंगा और न ही किसी अधिकारी को सोने दूंगा। वहीं, मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन किसानों के खेतों में रेत और मिट्टी आ गई है, उसे हटाने के लिए सरकार जेसीबी खरीदेगी। अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरदावरी के उपरांत (शेष पृष्ठ दो पर)

बॉम्बे को मुंबई कहने की मनसे की चेतावनी पर कपिल शर्मा को मिली धमकी

मुंबई 12 सितम्बर (निस) मनसे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना) के नेता अमय खोपकर ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को उनके शो में मुंबई को बॉम्बे या बम्बई कहने के लिए चेतावनी दी है। खोपकर ने कहा है कि अगर कपिल अपनी इस आदत को नहीं सुधारते हैं, तब मनसे उनके खिलाफ कड़ा आंदोलन शुरू करेगी। मनसे नेता ने कहा कि मुंबई शहर का नाम मुंबई ही है और अगर कपिल शर्मा दूसरे शहरों जैसे चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता को उनके सही नामों से बुला सकते हैं, तब मुंबई का अपमान (शेष पृष्ठ दो पर)

लोकतंत्र में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस जनता का विश्वास मजबूत करते हैं – लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली,12 सितम्बर (निस) : बेंगलुरु के विधान सौध की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ/कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन भारत क्षेत्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास तभी मज़बूत होगा जब संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस की परंपरा को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की संस्कृति हजारों वर्षों से हमारी परंपरा का हिस्सा रही है, जिसे हमारे संविधान ने और अधिक मज़बूती प्रदान की। उन्होंने संविधान सभा की बहसों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हर शब्द और अनुच्छेद पर गहन चर्चा हुई थी, उसी कारण हमारा संविधान समावेशी और दूरदर्शी बन सका। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत और सबसे जीवंत संविधान; भारत का संविधान है। हमारे संविधान निर्माताओं के प्रयासों से भारत अनेक विविधताओं के बावजूद एकजुट है। लोक सभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सदन में अपने आचरण से गरिमा और मर्यादा बनाए रखें। हंगामे, गतिरोध और बार-बार स्थगन से लोकतंत्र को केवल आघात पहुँचता है और जनता का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि बहस और संवाद से ही समाधान निकलता है। विधानमंडलों में सत्रों की घटती संख्या, चर्चा का सीमित समय और लगातार व्यवधान पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपनी बहस की संस्कृति को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की जनता हमसे शोर नहीं, समाधान चाहती है। यदि हमारी बहस रचनात्मक होगी तो हमारे कानून बेहतर होंगे, हमारे कानून बेहतर होंगे तो शासन सशक्त होगा, और यदि शासन सशक्त होगा तो जनता का विश्वास अटूट रहेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) लगभग 180 राष्ट्रमंडल सांसदों/विधान मंडलों का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सीपीए भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। भारत सीपीए का 9वां क्षेत्र है, तथा देश के सभी 31 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखाएं भारत क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं। कर्नाटक, बेंगलुरू में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का मुख्य विषय विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा – जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम रखा गया है। इस अवसर पर कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैय्या, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष, राज्य सभा के उपसभापति(शेष पृष्ठ दो पर)

पटाखा बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, दिल्ली के लिए अलग नियम नहीं

नई दिल्ली 12 सितम्बर (निस) दिल्ली में प्रदूषण के कारण पटाखों पर बैन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि दिल्ली के लिए विशेष नियम नहीं बनाए जा सकते। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार यदि पटाखे बैन करने हैं तो यह निर्णय पूरे देश के लिए होना चाहिए। अदालत ने दिल्ली-विशेष प्रतिबंध लगाने से इनकार किया है। दिल्ली में प्रदूषण के चलते बीते कई साल से दिवाली पर पटाखे बैन के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि दिल्ली के लिए विशेष नियम नहीं हो सकते। दिल्ली में पटाखा बैन पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पटाखा बैन नहीं कर सकते। अगर पटाखे बैन हों तो पूरे देश में हों। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कहा कि प्रदूषण खत्म करने के लिए कोई भी नीति सिर्फ दिल्ली के लिए लागू नहीं रह सकती क्योंकि यहां पर देश के एलीट लोग रहते हैं। अगर एनसीआर के लोगों को साफ हवा का अधिकार है तो देश के अन्य शहरों के नागरिकों को क्यों नहीं? चीफ जस्टिस बीआर गवई ने अपनी टिप्पणी में कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए जो भी नीति हो वो पूरे देश में लागू होनी चाहिए। हम कोई भी पॉलिसी सिर्फ दिल्ली के लिए नहीं बना सकते(शेष पृष्ठ दो पर)

पृष्ठ एक का शेष...

पीएम मोदी और धनखड़ की मौजूदगी में सीपी राधाकृष्णन ...

को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने नई नियुक्ति होने तक गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। कोयंबटूर से दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राधाकृष्णन का दशकों लंबा करियर जनसंघ से शुरू हुआ और फिर भाजपा में शामिल हो गए।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य परिसर के भीतर सख्त ....

का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं परिसर के अंदर रील्स या इसी तरह के वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध है। यदि कोई पत्रकार इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, तब उस पत्रकार को एक महीने के लिए हाई सिक्योरिटी ज़ोन में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। अगर इनमें से कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है, तब संबंधित बार एसोसिएशन या राज्य बार काउंसिल अपने नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकती है। अन्य कर्मचारियों या व्यक्तियों द्वारा नियमों के उल्लंघन पर उनके विभागाध्यक्ष द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों को यह अधिकार दिया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी या वकील को हाई सिक्योरिटी ज़ोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोक सकते हैं।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया ज्ञान ...

लाखों हस्तलिपि जल गईं, लुप्त हो गईं, लेकिन जो बची हैं, वे इसका साक्षी हैं कि ज्ञान और विज्ञान पठन पाठन के लिए हमारे पूर्वजों की निष्ठा कितनी गहरी और व्यापक थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा आज तक इतनी समृद्ध है, क्योंकि इसकी नींव 4 मुख्य पिलर्स पर आधारित हैं। ये हैं संरक्षण, नवाचार, परिवर्धन और अनुकूलन। उन्होंने कहा कि भारत स्वयं में एक जीवंत प्रवाह है, जिसका निर्माण उसके विचारों, आदर्शों और मूल्यों से हुआ है। भारत की प्राचीन पांडुलिपियों में हमें भारत के निरंतर प्रवाह की रेखाएं देखने को मिलती हैं। ये पांडुलिपियां हमारी विविधता में एकता का घोषणा पत्र भी हैं।

नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की होंगी अंतरिक...

अंतरिम प्रधानमंत्री के नाम पर सहमति न बन पाने की वजह से आंदोलनकारियों में आपसी फूट पड़ गई है। गुरुवार को सेना मुख्यालय के बाहर दो गुट आमने-सामने आ गए और लात-घूंसे चलने लगे। इस झड़प में कई युवक घायल हो गए। नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे 'जेन जी समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद को भंग किया जाना चाहिए और लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार और मंगलवार को हुए जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के अस्पतालों में 1,338 लोग भर्ती हैं, जबकि 949 को पहले ही छुट्टी दे दी गई है।

कार्की को भारत समर्थक बताकर विरोध-प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा हिस्सा पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम पीएम बनाने के पक्ष में था। लेकिन दूसरे गुट ने आरोप लगाया कि कार्की भारत समर्थक हैं और उनका नाम नेपाल की स्वतंत्र विदेश नीति के लिए ठीक नहीं है। यही वजह रही कि कार्की का नाम विरोध की भेंट चढ़ गया। जेन जी समूह के प्रतिनिधि दिवाकर दंगल, अमित बनिया और जुनल दंगल ने पुराने राजनीतिक दलों को चेताया कि वे अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका इस्तेमाल न करें। एक कार्यकर्ता ने कहा, यह पूरी तरह से नागरिक आंदोलन है, इसलिए इसमें राजनीति करने की कोशिश न करें। दंगल ने कहा, हमारे सामने राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता की रक्षा और आत्म-सम्मान बनाए रखने की चुनौती है। हम सभी नेपालियों को इस कठिन परिस्थिति में नेपाली जनता के कल्याण और हितों की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। बालेन शाह को बढ़त- काठमांडू के मेयर और लोकप्रिय युवा चेहरा बालेन शाह को अब Gen-Z का बड़ा गुट समर्थन दे रहा है। शाह का भारत विरोधी रुख और चीन-झुकाव वाली सोच नेपाल के भीतर अलग-अलग समीकरण बना रही है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।

नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

सभी सेवाएं निशुल्क है।

E-mail chardikla.hr@gmail.com

Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें। कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।

मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु, सम्पादक, पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए, माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

लोकतंत्र में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस जनता ...

हरिवंश, तथा सीपीए इंडिया रीजन की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया। कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और सीपीए कर्नाटक शाखा के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महाराष्ट्र में पिकअप-कार की टक्कर में तीन ...

इलाके में दिन का काम खत्म करने के बाद एक पिकअप गाड़ी से गांव लौट रहे थे। जब यह दुर्घटना हुई, तब विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने पिकअप गाड़ी को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को रास्ते से हटाकर यातायात बहाल कराया। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल सटाना तालुका के बोरदैवत और हनुमंतपाडा के रहने वाले थे। इस संबंध में जयखेड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाढ़ पीड़ितों को दिवाली से पहले हर हाल में मिलेगा ...

किसानों को एक सप्ताह का समय आपत्तियों के लिए भी दिया जाएगा। क्योंकि अक्सर यह देखने को मिलता हैं कि जो प्रभावशाली लोग होते हैं उनके फार्म तो भर जाते हैं लेकिन छोटे किसानों को फार्म नहीं भरे जाते। इसलिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी शिकायत आने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बाढ़ को लेकर उन्होंने कहा कि अब केवल घग्गर नदी ही चढ़ी हुई हैं लेकिन उसका नुकसान पंजाब में नहीं है। इसके बावजूद एक लाख बोरी मिट्टी भरकर रखी गई हैं। 2 लाख बोरियों में मिट्टी भरने का काम जारी है। ड्रोन के जरिए सरकार मैपिंग कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सारा मुआवजा दिया जाएगा। वह मुआवजा राशी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के पास भी जा रहे हैं। इस संबंध में 31 अगस्त को पहले ही प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि केंद्र की चालू स्कीमों के तहत घर निर्माण या स्कूलों की मरम्मत करवाई जाएगी। लेकिन हकीकत यह हैं कि इस योजनों के तहत पंजाब के घर आ ही नहीं सकते। क्योंकि इस योजनाओं में जो शर्तें हैं, वह हमारे यहां फिट ही नहीं बैठती। इसी लिए वह प्रधानमंत्री या गृह मंत्री से मिल कर नियमों में छूट की मांग करेंगे। भाजपा के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ द्वारा हरदीप मुंडियां को नहीं पहचानने के बयान पर कमेंट्स कहते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के प्रधान को मंत्रियों को पहचानना चाहिए। यह उनकी समस्या हैं। प्रधानमंत्री जब गुरदासपुर में आए थे तब कांग्रेस से माइग्रेट होकर भाजपा में गए नेता आगे थे, असली भाजपाई तो पीछे थे।

आप विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को 12 साल पुराने ...

ड्राइवर था और इस दौरान उनके साथ 5 पुलिस कर्मी दविंदर कुमार, अश्वनी कुमार, तरसेम सिंह, हरजिंदर सिंह और सारज सिंह को भी दोषी ठहराया गया है। हालांकि, कोर्ट ने गगनदीप सिंह और पुलिसकर्मी नरिंदरजीत सिंह और गुरदीप राज को ज्यूडिशियल हिरासत में नहीं भेजा है।

जनता में अविश्वास पैदा करना कांग्रेस की ...

ने कहा कि विपक्ष बीजेपी गठबंधन के सांसदों की विश्वसनीयता और ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। जनता में अविश्वास पैदा करना उनकी आदत बन गई है। टीएमसी के अभिषेक बनर्जी ने भी कहा है कि सांसदों को खरीदा गया है। बता दें राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजों का ऐलान किया था। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत 760 से ज्यादा सांसदों ने मतदान में भागा लिया था।

बॉम्बे को मुंबई कहने की मनसे की चेतावनी ...

क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कपिल शर्मा को यह भी याद दिलाया कि मुंबई उनकी कर्मभूमि है और यहां के लोग उन्हें पसंद करते हैं। मनसे नेता खोपकर ने कहा कि कपिल शर्मा के शो में बार-बार मुंबई को बॉम्बे या बम्बई कहा जाता है, जो कि शहर का अपमान है। खोपकर ने जोर देकर कहा कि इस शहर का सही नाम मुंबई है और सभी को इसी नाम का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कपिल शर्मा से कहा कि वह अपने शो में आने वाले सभी लोगों को भी मुंबई को उसके सही नाम से बुलाने की सलाह दें। अगर कपिल शर्मा इस चेतावनी को अनदेखा करते हैं, तो मनसे उनके खिलाफ एक कड़ा आंदोलन शुरू करेगी। यह चेतावनी तब आई है जब शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की है, जिससे स्थानीय निकाय चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही हैं।

पटाखा बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, ...

क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणियां 3 अप्रैल के अपने उस आदेश के खिलाफ डाली गई याचिका पर की जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, जमाखोरी, ट्रांसपोर्टेशन और बनाने पर रोक लगा दी थी।

हिंदी पखवाड़ा समारोह में रचनात्मकता और संस्कृति का संगम

विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने जीता सबका दिल, अतिथियों ने हिंदी के महत्व पर डाला प्रकाश

रायपुररानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुड़ में हिंदी पखवाड़े के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार एस. के. जैन ने हिंदी भाषा के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए एस. के. जैन ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। अगर हम अपने देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो हिंदी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी मातृभाषा हिंदी को सशक्त बनाने के लिए कार्य करें और इसके माध्यम से भारतीयता की नींव को मजबूत करें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें कविता, भाषण और हिंदी लेखन शामिल थे। जबकि विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता मलिक ने अपने संदेश में कहा कि हिंदी हमारी धरोहर है और हमें इसे सहेजकर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं सभी छात्रों और शिक्षकों से आग्रह करती हूँ कि वे हिंदी की सेवा में हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने विशेष रूप से हिंदी के उत्थान में डॉ. विनोद शर्मा द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। वहीं, प्राध्यापक विजय कुमार ने तकनीकी हिंदी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में, हिंदी को तकनीकी दृष्टिकोण से भी सशक्त करना ज़रूरी है, ताकि हम विज्ञान, गणित और तकनीकी क्षेत्रों में भी अपनी भाषा का प्रभाव बढ़ा सकें। इस मौके पर प्रदीप, मनोज, कमलदीप, योगेश, मनीषा, यादराम, संदीप और शिवांगी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

मां अन्नपूर्णा धाम में भगवान श्रीराम कथा 22 सितम्बर से :संजय सिंगला

श्री हनुमान सेवा समिति तरावड़ी के उप-प्रधान ने दिया शहरवासियों को निमंत्रण

तरावड़ी, 12 सितम्बर (छाया शर्मा): श्री हनुमान सेवा समिति तरावड़ी के उप-प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि तरावड़ी स्थित मां अन्नपूर्णा धाम में 22 सितम्बर से 30 सितम्बर तक नौ दिवसीय भगवान श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जाऐगा। 1 अक्तूबर को हनुमान चालीसा पाठ, हवन-यज्ञ और विशाल भंडारा होगा। श्रीराम कथा में श्रद्धेय श्री प्रहलाद मिश्रा जी रामायणी प्रवचन करेंगे। श्री हनुमान सेवा समिति तरावड़ी के उप-प्रधान संजय सिंगला शहरवासियों को निमंत्रण दे रहे थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि नगरपालिका चेयरमैन विरेंद्र बंसल विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। इसके अलावा 22 सितम्बर को गलैकसी बासमती राईस के सी.एम.डी. विनोद गोयल, 23 सितम्बर को श्रीराम राईस यूनिट के सी.एम.डी. रविंद्र सिंगला, 24 सितम्बर को महेश राईस मिल के सी.एम.डी. मुकेश गोयल, 25 सितम्बर को बी.डी. ओवरसीस के सी.एम.डी. प्रवीण गर्ग, 26 सितम्बर को महावीर सोलवेंट के सी.एम.डी. नंद किशोर खुराना, 27 सितम्बर को न्यू कैम ऑयल प्रा.लि. के सी.एम.डी. राजकुमार तॉयल, 28 सितम्बर को एन.एम.फूडस के सी.एम.डी. रमेश गोयल, 29 सितम्बर को दिल्ली से समाजसेवी नरेश अरोड़ा, 30 सितम्बर को डबल चाबी बासमती राईस से सी.एम.डी. ऊषा गोयल दीप प्रज्जवलित कर कथा का शुभारंभ करेंगे। श्रीराम राईस ग्रुप के सी.एम.डी. साधुराम सिंगला कार्यक्रम अध्यक्ष रहेंगे। संजय सिंगला ने कहा हम सभी मिलकर इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से तैयार हैं। अधिक से अधिक लोग आएं और इस धार्मिक उत्सव का हिस्सा बनें।

गुप्त सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग ने बरवाला अनाज मंडी में की ट्रकों में लोड सरसों के तेल की जांच

बरवाला, 12 सितम्बर (प्रवीन कुमार): बरवाला अनाज मंडी में सीएम फ़्लाइंग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर वंहा खडे तीन ट्रकों की जांच की है। प्राप्त जानकारी अनुसार, तीन ट्रकों में हैफेड का सरसों तेल इधर से उधर लोड किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान टीम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया। जांच में सामने आया कि तीनों ट्रकों में कुल 1368 पेटियां सरसों के तेल की भरी हुई थीं। फिलहाल प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि हैफेड के पंचकूला सेक्टर-7 स्थित गोदाम में बारिश का पानी भर जाने के कारण बरवाला अनाज मंडी में अस्थायी रूप से दूसरी गाड़ियों में माल लोड किया जा रहा था। इस दौरान जाँच में सीएम फ़्लाइंग से जांच अधिकारी उप निरीक्षक हितेंद्र गौतम, उप निरीक्षक सुशील, मुख्य सिपाही प्रदीप कौशिक, मुख्य सिपाही राकेश कुमार, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से निरीक्षक राज कुमार, फील्ड निरीक्षक हैफेड अमित राणा ने संयुक्त रूप से मौजूद रहे।

श्याम भक्ति में रंगा रायपुररानी, निकली भव्य निशान यात्रा

रायपुररानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी में शुक्रवार को श्री खाटू श्याम जी की भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धा और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में निशान लिए कीर्तन की धुनों पर नाचते-गाते चल रहे थे। पूरा कस्बा श्याम भक्ति में सराबोर नज़र आया। यात्रा की शुरुआत श्री खाटू श्याम मंदिर से हुई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई कीर्तन स्थल तक पहुँची। रास्ते में शिव मंदिर, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एम.जी. हाई स्कूल, मेन बाज़ार, खेड़ा मंदिर और थाना परिसर शामिल रहे। जबकि यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान डीजे की भक्ति-धुनों पर झूमते श्रद्धालुओं के साथ-साथ ढोल-नगाड़ों की गूंज ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। हालांकि, महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने एक साथ निशान लेकर खाटू श्याम के जयकारे लगाए, जिससे पूरे कस्बे में भक्ति की ऊर्जा फैल गई। वहीं, समापन के दौरान बाबा श्याम के भगतों ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया।

हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील...

तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह एयरपोर्ट आज क्षेत्रीय संपर्क के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। हिसार हवाई अड्डे पर डॉपलर वीओआर प्रणाली की स्थापना की है। इससे हवाई अड्डे पर उड़ानों के संचालन के लिए न्यूनतम दृश्यता 5,000 मीटर से घटकर 2800 मीटर हो गई है। यह एक अभूतपूर्व तकनीकी उपलब्धि है। इससे अब खराब मौसम में भी उड़ानों का संचालन सुगमता से हो सकेगा। साथ ही, इस हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है। इससे एयरपोर्ट पर रात के समय में भी हवाई जहाज लैंडिंग कर सकेंगे।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भविष्य की दृष्टि से सरकार महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार को एक पूर्ण, आधुनिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में यहां नये टर्मिनल भवन, आधुनिक एटीसी टावर, कार्गो कॉम्प्लेक्स, अग्निशमन केंद्र, प्रशासनिक भवन, पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आगामी कुछ वर्षों में हिसार को दिल्ली एयरपोर्ट के विकल्प के रूप में विकसित करेंगे। इससे हिसार एयरपोर्ट के विकास और विमान सेवा आरंभ होने से आम आदमी, छोटे व्यापारी और अन्य हितधारकों को बहुत अधिक लाभ होगा।

हिसार को हवाई सेवा, औद्योगिक, लॉजिस्टिक और निवेश केंद्र के रूप में करेंगे विकसित - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केवल हवाई सेवा ही नहीं, हिसार को एक औद्योगिक, लॉजिस्टिक और निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने का सरकार का सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि 28 अगस्त 2024 को हिसार को अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा बनाया गया। 20 अगस्त 2025 को इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर, हिसार के लिए स्टेट स्पोर्ट एग्रीमेंट और शेयरहोल्डर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना का क्षेत्र 2 हजार 988 एकड़ है, जिसकी अनुमानित लागत 4 हजार 680 करोड़ रुपये है और इससे 1 लाख 25 हजार रोजगार पैदा होंगे। यह परियोजना, पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़कर हरियाणा को उद्योगों का प्रवेश द्वार बनाएगी।इस अवसर पर लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, नागरिक उड्डयन विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के सलाहकार श्री नरहरि सिंह बांगड़, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन की दैनिक क्रियाओं में शामिल है विज्ञान, विद्यार्थी साइंस के प्रति रखें विशेष रुचि : नवीन जिंदल

टीकरी स्कूल से विज्ञान मोबाइल वैन एवं साइंस लैब विज्ञान का जंतर मंतर को सांसद ने किया रवाना

पिहोवा, 12 सितंबर (विवेक): विज्ञान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन इंडिया एसपीएसटीआई पंचकूला द्वारा संचालित मोबाइल साइंस लैब विज्ञान का जंतर मंतर शुक्रवार को गांव टीकरी में पहुंची। यहां बतौर मुख्यातिथि सांसद नवीन जिंदल ने मोबाइल वैन को झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि विज्ञान बेहद महत्वपूर्ण और रोचक विषय है। इसका संबंध केवल विद्यार्थी जीवन से ही नहीं, बल्कि एक साधारण व्यक्ति भी अपनी दिनचर्या में प्रतिदिन विज्ञान की तकनीक का प्रयोग करता है। किसान जो खेती के उपकरण प्रयोग करते हैं। वह कृषि विज्ञान की श्रेणी में ही आता है। चिकित्सक जिन दवाइयां और तकनीकों का प्रयोग करते हैं। वो भी मेडिकल साइंस है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को विज्ञान से जुड़ाव रखना चाहिए। संचालकों ने बताया कि वैन वर्ष 2016 से लगातार विद्यार्थियों को विज्ञान की प्रयोगात्मक शिक्षा दे रही है। जनवरी 2025 से यह वैन नवीन जिंदल फाउंडेशन के सहयोग से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में चलाई जा रही है। वैन के जरिए स्कूलों में बच्चों को न्यूटन के गति के नियमों का प्रयोग, विद्युत चुंबकीय प्रेरण, अम्ल क्षार अभिक्रिया, प्रकाश का परावर्तन एवं अपवर्तन, मानव अंगों के कार्यों का प्रदर्शन आदि की जानकारी दी जाती है। इन प्रयोगों का संचालन संस्था के प्रबंधक महिपाल शर्मा द्वारा किया गया। साथ ही अमन कुमार सहायक प्रबंधक, गुलशन कुमार परियोजना सहायक की भी विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, गुरिंदरजीत सिंह नत, भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष गीता शर्मा,मुख्य अध्यापक संजय काजल, राजस्व विभाग से राजकुमार, सरपंच तेजाराम, पूर्व सरपंच अमर गिर, पूर्व सरपंच रणजीत आदि मौजूद रहे।

हरियाणा विधानसभा विषय समिति ने दीन बंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल का किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय में चल रहे कोर्स, बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं व अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए विषय कमेटी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

सोनीपत, 12 सितंबर (विनोद): हरियाणा विधानसभा की स्वास्थ्य एवं शिक्षा विषय समिति ने शुक्रवार को दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। समिति के चेयरमैन रामकुमार कश्यप के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कोर्स, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान कमेटी ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा की गुणवत्ता, छात्रावास, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते

हुए सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। इस दौरान कमेटी के समक्ष आया कि विश्वविद्यालय में एक स्वीमिंग पुल बनाया गया था जो अब मरम्मत न होने के कारण बंद पड़ा है, जिसपर कमेटी ने वीसी को निर्देश दिए कि इसकी मरम्मत कार्य में जो भी अड़चन आ रही है उसे दूर करते हुए अगले एक महीने में इसे ठीक करवाना सुनिश्चित करें ताकि बच्चों को इसका लाभ मिल सके। इसके साथ ही कमेटी ने स्टॉफ के कर्मचारियों के साथ भी बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और कुलपति को निर्देश दिए कि इन सभी समस्याओं का तुरंत समाधान करवाना सुनिश्चित करें। मीटिंग में कमेटी के सदस्यों ने विद्यार्थियों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाए। कमेटी चेयरमैन रामकुमार कश्यप ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और कौशल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय में अनुसंधान आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। अनुसंधान कार्य से न केवल बच्चों का आत्मविश्वास और ज्ञान बढ़ेगा, बल्कि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी पूरी तरह तैयार हो सकेंगे। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट वर्क, प्रयोगात्मक गतिविधियों और नई तकनीकों से जोड़ा जाए। इसके साथ ही बच्चों को अनुसंधान में सक्रिय भागीदारी दिलाने के लिए विशेष वर्कशॉप, सेमिनार और इनोवेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कमेटी ने कुलपति को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए सब कमेटी का गठन कर विश्वविद्यालय में ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करवाएं ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही बच्चों को पौधारोपण कार्यक्रमों में शामिल कर उन्हें पौधारोपण करने के लिए प्रेरित करें। चेयरमैन ने कहा कि यहां से पास आउट होने वाले बच्चों को अच्छी कंपनियों में रोजगार मिले इसके लिए यहां प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित कर अच्छी-अच्छी कंपनियों को आमंत्रित करें। इसके बाद कमेटी के समक्ष आया कि विश्वविद्यालय की सडक् मरम्मत करवाने की हालत में है, जिसपर कुलपति ने बताया कि सडक़ों की मरम्मत के लिए कार्य अगले 15 दिन में शुरू हो जाएगा। इस दौरान कमेटी चेयरमैन ने कहा कि आज जो भी खामियां यहां सामने आई है उनको अगले दो माह में पूरा कर लिया जाए। कमेटी अगले दो महीने बाद दोबारा यहां निरीक्षण करेंगी। उस समय कोई भी खामियां मिली तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद कमेटी ने लड़कियों के हॉस्टल, लैब व स्कूल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान कमेटी चेयरमैन सहित सभी सदस्यों ने विश्वविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर समिति के सदस्य विधायक इंदुराज नरवाल, विधायक रणधीर पनिहार, विधायक हरिंदर सिंह, विधायक बलराम डांगी, विधायक देवेंद्र हंस, विधायक शीशपाल सिंह, हरियाणा विधानसभा के अतिरिक्त सचिव नरेन दत्त, तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक प्रभजोत सिंह, एसडीएम सुभाष चंद्र, डीसीआरयूएसटी मुरथल के कुलपति श्री प्रकाश सिंह सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

पैक्स के कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए पैक्स का डाटा किया जाए ऑनलाइन : डीसी

करनाल, 12 सितंबर (सोनी दुआ): डीसी उत्तम सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समितियां) के कम्प्यूटरीकरण के लिए बैठक आयोजित हुई। बैठक

में डीसी ने पैक्स के कम्प्यूटरीकरण और कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैक्स के कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी पैक्स डेटा को ऑनलाइन किया जाए। इस कार्य के लिए पैक्स सदस्यों की ट्रेनिंग करवाई जाए। डीसी ने निर्देश दिए कि पैक्स से संबंधित सभी मामलों पर चर्चा और प्रगति की समीक्षा के लिए उपमंडल स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाएं व प्रत्येक सप्ताह रिव्यू किया जाए। पैक्स के सभी सदस्यों और वित्तीय लेनदेन से संबंधित डेटा को तुरंत ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम हिमांशु खत्री ने बताया कि 15 अक्टूबर तक जिला में ई-पैक्स का कार्य पूरा किया जाना है। इसके तहत सभी पैक्स को ऑनलाइन किया जाएगा। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम हिमांशु खत्री, को ऑपरेटिव सोसायटी की जीएम शीतल पाहू को ऑपरेटिव सोसायटी के नोडल अधिकारी बलबीर सिंह सहित विभिन्न गांवों के पैक्स सदस्य मौजूद रहे।

डीसी उत्तम सिंह ने धान खरीद को लेकर ली बैठक, अधिकारियों को निर्देश- किसानों को न आए कोई परेशानी

लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी उत्तम सिंह ने ली अधिकारियों की बैठक

करनाल, 12 सितंबर (सोनी दुआ): करनाल के जिला सचिवालय में शुक्रवार को उपायुक्त उत्तम सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीद व मिलिंग प्रबंधों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने मंडी बोर्ड अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में बिजली-पानी, कैंटीन, शौचालय, पार्किंग, सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। धान की खरीद के दौरान मंडी सचिव, नीलामी रिकॉर्डर व मंडी सुपरवाइजर के अलावा अन्य कोई कर्मचारी अपनी ड्यूटी का निर्वहन सजगता व कर्मठता से करें। बैठक में बताया गया कि जिला में पिछले साल की तरह इस बार भी 15 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। सभी में सड़क, फड, पानी निकासी,

रिपेयर आदि का कार्य कराया जा चुका है। खरीफ सीजन 2024-25 में जिला के 226 राईस मिलरों द्वारा धान मिलिंग का कार्य किया गया। उपायुक्त ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि धान की खरीद मंडियों में ही हो। धान की बोगस खरीद में किसी कर्मचारी की संलिप्तता पाई गई तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मंडियों के प्रवेश व निकासी द्वार पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदे जाने वाले धान की सफाई के लिए, मंडी अथवा खरीद केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में इलेक्ट्रिक झरनों, नमी मापक यंत्रों, पावर मशीनों, पॉलिथीन कवर व क्रेटस की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी एक बार फिर इस बात की जांच कर लें कि उक्त मशीनरी चालू हालत में है या नहीं। उपायुक्त ने एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अगले सप्ताह मंडियों व खरीद केंद्रों का दौरा कर खरीद प्रबंधों की जांच करें। बैठक में बताया गया कि पिछले साल खाद्य एवं आपूर्ति, हैफेड, हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा 840448 मीट्रिक टन धान खरीदा गया। इस बार आवक दस प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। एजेंसियों के पास पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। उपायुक्त ने कहा कि लेबर, ट्रांसपोर्टेशन में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। उपायुक्त ने खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को मिलर्स की तरफ बकाया 8 करोड़ से अधिक की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम अनुभव मेहता, असंध के राहुल, घरौंडा के एसडीएम राजेश सोनी, डीएफएससी अनिल कुमार के अलावा हैफेड, वेयर हाउसिंग, एफसीआई, मंडी बोर्ड के अधिकारी मौजूद रहे।

मिलर्स के साथ की बैठक : इसके बाद डी.सी उत्तम सिंह ने मिलर्स के साथ बैठक की। इसमें मिलर्स ने उपायुक्त के समक्ष अपनी मांगे रखी। उन्होंने शनिवार-रविवार व सार्वजनिक अवकाश के दिन भी 30 सितंबर तक गोदाम खुले रखने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए और मिलर्स की मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया।

डीएलएसए द्वारा कुंजपुरा में जागरूकता शिविर आयोजित

जन साधारण को मुफ्त कानूनी सहायता, सरकार की योजनाओं व क्षतिपूर्ति पोर्टल के बारे दी जानकारी

करनाल, 12 सितंबर (परमजीत कौर): जिला व सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के

मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को कुंजपुरा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन द्वारा आपदाग्रस्त पीड़ितों को सहायता प्रदान करने हेतु एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमे सीजेएम डॉ. इरम हसन नोडल ऑफिसर व डी.एस.पी. मीना कुमारी, मेडिकल ऑफिसर डा. संजय व सिविल अस्पताल इंचार्ज, ब्रेकथ्रू एवं इंचार्ज एम.डी.डी आफ इंडिया (एन जी ओ) मुकेश कुमार, पैनल अधिवक्ता मोनिका शर्मा, पैनल अधिवक्ता अन्ना पाल, पैरा लिगल वालंटियर पूजा शर्मा, पैरा लिगल वालंटियर सदस्य है। सीजेएम ने बताया कि गठित टीम द्वारा जिला के विभिन्न स्थानों पर बाढ से पीड़ित व्यक्तियों व किसानों को बाढ पीड़ितों के लिए मुफ्त कानूनी सहायता व हरियाणा सरकार की योजनाओं बारे जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी मे आज पैरा लिगल वालंटियर पूजा ने गांव कुंजपुरा मे जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस दौरान जन साधारण को मुफ्त कानूनी सहायता व हरियाणा सरकार की योजनाओं बारे जागरूक किया। इसके अलावा उन्होंने जन साधारण को हरियाणा सरकार के पोर्टल क्षतिपूर्ति बारे भी जानकारी दी और फसल नष्ट होने पर मुआवजा के लिए आनलाइन पोर्टल पर आवेदन करने की प्रक्रिया से अवगत कराया।

हरियाणा के गांधी बाबू मूलचंद जैन के बताए रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी : लहरी सिंह

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला): राजकीय आईटीआई परिसर में स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा के गांधी कहे जाने वाले बाबू मूलचंद जैन की 28वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लहरी सिंह ने कहा कि बाबू मूलचंद जैन हरियाणा के संस्थापकों में से एक थे और उनके बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि बाबू जी उच्च कोटि के राजनेता, उसूलों के पक्के और महान स्वतंत्रता सेनानी थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि बाबू मूलचंद जैन को मरणोपरांत राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाए

और उनकी पुस्तकालय आंदोलन को ध्यान में रखते हुए सरकार उनके नाम पर गांव-गांव में मोबाइल पुस्तकालय योजना शुरू करे। आईटीआई संस्थान के प्राचार्य राकेश भाटिया ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि संस्थान का नामकरण बाबू मूलचंद जैन के नाम पर करने से छात्रों को प्रेरणा मिलेगी। समारोह का संचालन करते हुए बाबूजी के पुत्र अशोक जैन एडवोकेट ने बताया कि बाबूजी ने अपने पैतृक मकान में हरियाणा का पहला पुस्तकालय स्थापित किया था और जीवनभर मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। कार्यक्रम में स्वामी प्रेममूर्ति, दीपक चौधरी, तरुण चौहान, पत्रकार शैलेंद्र जैन, सतनारायण, रणबीर सिंह, एडवोकेट सुरेश खन्ना सहित आईटीआई के छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। अंत में इंस्ट्रक्टर ललित कुमार और एडवोकेट सुरेश चौधरी ने संस्थान व जिला बार एसोसिएशन की ओर से सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में कांग्रेस सेवा दल के अनिल शर्मा, बलजीत चौहान, पूर्व डीईओ सपना जैन, एडवोकेट महेंद्र मान, यशवंत चौधरी, यशपाल अरोड़ा, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के कुलबीर सिंह, मनोहर लाल, आशीष अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और छात्र मौजूद रहे।

कयाकिंग एंड कैनोइंग व कराटे खेल के ट्रायल का आयोजन 16 सितम्बर को

करनाल, 12 सितंबर (रविन्द्र मलिक): जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने बताया कि महानिदेशक खेल विभाग हरियाणा के आदेशानुसार खेल महाकुंभ 2025- क्याकिंग एंड कैनोईंग खेल के लिए जिला के खिलाड़ियों के चयन का ट्रायल का आयोजन पुनः जिला सोनीपत में भगत सिंह वॉटर स्पोर्ट्स क्लब गांव आहुलाना में 16 सितम्बर 2025 को प्रातः 9.00 बजे से करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में कराटे खेल को भी शामिल किया गया है। इसलिए कराटे खेल के ट्रायल का आयोजन कर्ण स्टेडियम करनाल में 16 सितम्बर 2025 को प्रातः 9.00 बजे से करवाया जाएगा। ट्रायल के लिए इच्छुक खिलाड़ी अपने साथ दो पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, हरियाणा निवासी प्रमाण पत्र/शिक्षण संस्था प्रमाण पत्र साथ अवश्य लेकर आएं।

निदेशालय टीम ने किया मोबाइल क्रेच सेंटर का निरीक्षण

करनाल, 12 सितंबर (रविन्द्र मलिक): जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा प्रसाद की अध्यक्षता में निदेशालय टीम के सदस्यों मनमीत कौर, अंश व दिया ने गत दिवस मोबाइल क्रेच सेंटर का निरीक्षण किया। इस मौके पर क्रेच कार्यकर्ता सीमा, सुपरवाइजर मनु, परियोजना अधिकारी डॉ राजबाला मोर तथा जिला समन्वयक अंजू उपस्थित रहे। इस दौरान निदेशालय टीम के सदस्यों ने परियोजना अधिकारी से क्रेच सेंटर के बारे में विस्तार से जानकारी ली, जिसमें क्रेच संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु किए जा रहे प्रयास, भविष्य में समुदाय को इसके लाभ और वर्तमान में मिल रहे लाभों के बारे में जाना। उन्होंने परियोजना अधिकारी से भविष्य की नीतियों और इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने स्तर पर किए जा रहे प्रावधानों के बारे में पूछा। परियोजना अधिकारी ने बताया कि क्रेच केंद्र में माता-पिता बढ़-चढ़कर भागीदारी कर रहे हैं जिसमें ज्यादातर संख्या पुरुष अभिभावकों की है। इसके बाद क्रैच वर्कर का इंटरव्यू लिया गया जिसमें कर्मी द्वारा बताया गया कि उनके पास 32 बच्चे क्रेच सेंटर में उपस्थित रहते हैं। 32 बच्चे पूरे हरियाणा में किसी क्रेच सेंटर में नहीं हैं। टीम द्वारा कर्मी की सराहना की गई। इस मौके पर बच्चों के माता-पिता उपस्थित रहे।

राष्ट्र व समाज के साथ मानवता की सेवा करने का संदेश देने वाला रहा संत बाबा मान सिंह का जीवन : नवीन जिंदल

पिहोवा, 12 सितंबर (विवेक): गुरुद्वारा सचखंड ईशर दरबार जुरासी में संत बाबा ईशर सिंह की 50वीं बरसी पर तीन दिवसीय सालाना धार्मिक समागम आज से शुरू हुआ। कार्यक्रम में सांसद नवीन जिंदल ने हिस्सा लेकर माथा टेका। उन्होंने कहा कि संत बाबा मान सिंह के जीवन से उन्हें बेहद प्रेरणा मिली। संत बाबा मान सिंह जो राह दिखा कर गए। वे उसका अनुसरण करके यहां के लोगों की सेवा करना चाहते हैं। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि जब भी देश में कोई प्राकृतिक आपदा आई। संत बाबा मान सिंह ने हमेशा कार सेवा के जरिए लंगर लगाकर पीड़ितों की मदद की। क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा के लिए अकेडमी की स्थापना, लड़कियों के लिए नर्सिंग कॉलेज, चैरिटेबल अस्पताल स्कूल आदि उनकी इस क्षेत्र को देन हैं। उन्होंने कहा कि बाबा मान सिंह देश और समाज के प्रति प्रोग्रेसिव सोच के संत थे। बाबा मणि सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन संत बाबा मान सिंह का जिंदल परिवार से बेहद लगाव रहा है। इस मौके पर उनके साथ भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, जगत सिंह चंडीगढ़ फॉर्म, गुरिंदरजीत सिंह नत,भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष गीता शर्मा, मन की बात प्रमुख हनु चक्रपाणि, बाबा मणि सिंह, राव वीरेंद्र सरपंच, विकास गर्ग,दीपक अत्री, सुशील बंसल, साधु सैनी, सिकंदर बाखली आदि मौजूद रहे।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध केंद्र सरकार की नई पहल

पानीपत 12 सितंबर (हरप्रीत छत्तवाल) डीसी डा. पंकज यादव ने बताया कि 'नशा मुक्त भारत 2047' अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्कोटिक्स तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एक अहम कदम उठाया गया है। इस दिशा में गृह मंत्रालय द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन - मानस - 19×× की शुरुआत की गई है। यह हेल्पलाइन नंबर 24×7 सक्रिय रहेगा और नागरिकों को किसी भी समय नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी साझा करने की सुविधा देगा।डीसी डा. पंकज यादव ने बताया कि विशेष बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी डर या संकोच के नशीली दवाओं के अवैध व्यापार से जुड़ी जानकारी साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल समाज में व्याप्त नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि इससे युवाओं को भी इस बुराई से बचाने में बल मिलेगा।

COURT NOTICE

In the Court of Sh. Sudhir Kumar Civil Judge (Senior Division), Karnal
CNR No. HRKR02-001171-2025
Next Date:- 04-10-2025
CS/889/2025
Mahender Kumar
Versus
The Registrar Birth and Death etc.
Notice to: General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 04.10.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Karnal
Dated this day of 10.09.2025
Sd/- Civil Judge (Sr. Divn), Karnal

In the Court of Ms. Neha Singh Civil Judge (Junior Division), Yamunanagar
CNR No. HRYN02-001356-2025
Next Date:- 24-10-2025
Punjab National Bank
Versus
Mohit Verma
Notice: Mohit Verma Son:- Tarsem 1216/Ward No. 18, Ganga Nagar Colony, Jagadhri, Distt. Yamunanagar
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 24.10.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Yamunanagar
Dated this day of 11.09.2025
Sd/- Civil Judge (Junior Division), Yamunanagar

In the Court of Dr. Gagandeep Kaur Singh Principal Judge, Family Court, Karnal
CNR No. HRKR01-002376-2024
Next Date:- 29-10-2025
HMA 262-2024
Robin Mehla
Versus
Sakshi
Notice to: Sakshi W/o Robin and D/o Ram Pal R/o Village Sanwat, Tehsil Nigdu, District Karnal.
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 29.10.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Karnal
Dated this day of 10.09.2025
Sd/- Dr. Gagandeep Kaur Singh Principal Judge, Family Court, Karnal

In the Court of Sh. Vikrant Additional Civil Judge (Senior Division), Kharkhoda
CNR No. HRSOC0-000441-2023
Next Date:- 20-10-2025
CS/313/2023
Canara Bank
Versus
Sunil
Civil Suit
Notice to: Defendant Sunil son of Rakesh Rana Village Sohati Tehsil Kharkhoda.
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 20.10.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Dated this day of 12.09.2025
Sd/- Additional Civil Judge (Sr. Division), Kharkhoda

In the Court of Sh. Vishwas Khatak Civil Judge (Junior Division), Rewari
CNR No. HRRE02-001617-2025
Next Date:- 17-10-2025
Yashpal
Versus
General Public
Notice to: General Public:- Rewari
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 17.10.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rewari
Dated this day of 05.09.2025
Sd/- Civil Judge (Junior Division), Rewari.

बेदखली सूचना

मैं विक्रम पुत्र श्री गणपत निवासी मकान नं. 215, रसूलपुर खुर्द करनाल सूचित करता हूं कि मेरा लड़का साहिल व इसकी पत्नी सुमन जोकि ये दोनों मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इन दोनों को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इन दोनों से लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। -शपथकर्ता

सम्पादकीय

दुनिया के देशों में कमजोर हो रहा है लोकतंत्र

पिछले 50 वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों में सबसे बड़ी गिरावट 2019 से 2024 के बीच में देखने को मिली है। लोकतांत्रिक देश जो पहले दुनिया में मीडिया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए जाने जाते थे पिछले 5 वर्षों में उनके ऊपर भी बड़ा शिकंजा कसा गया है। 2024 में 173 देश के लोकतांत्रिक प्रदर्शन का आकलन द ग्लोबल स्टेट ऑफ़ डेमोक्रेसी-2025 की रिपोर्ट में हुआ है, जिसने दुनिया के 173 देश में लोकतांत्रिक मूल्यों में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। प्रकाशित रिपोर्ट में संसदीय कार्यों में गिरावट देखने को मिल रही है। मीडिया को निष्पक्षता से काम नहीं करने दिया जा रहा है। न्यायपालिका में भी सरकारी हस्तक्षेप बढ़ता चला जा रहा है, जिसके कारण लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। लोगों का मीडिया और न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम हुआ है। राजनीतिक नेतृत्व को लेकर भी आम लोगों का विश्वास घटा है, जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं कमजोर होती चली जा रही हैं। पिछले 5 वर्षों में 43 देशों में लोकतंत्र के इंडेक्स में भारी कमी देखी गई है। इसमें अफ्रीका के साथ-साथ यूरोप के देश शामिल हैं। भारत और दक्षिण कोरिया के भी हालत तेजी के साथ बिगड़ रहे हैं। यहां मीडिया के पर कतरने के लिए पत्रकारों के खिलाफ मानहानि के मामले और आपराधिक मामलों की जैसे बाढ़ आ गई है। अमेरिका जैसे देश भी इससे अछूते नहीं रहे। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं उसके बाद से नियमों और संस्थाओं की परंपराओं को काफी हानि पहुंची है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता में भी ट्रंप प्रशासन की दखलंदाजी बढी है। भारत जो चुनाव की निष्पक्षता को लेकर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता था यहां पर भी पिछले 10 वर्षों से चुनाव की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भारत के मीडिया को गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। भारत का नेशनल मीडिया जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट दोनों ही शामिल हैं, यह सरकार के दबाव में ही काम कर रहे हैं, जिसके कारण जनता का उनके प्रति कोई विश्वास नहीं रहा। हाल ही के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर लोगों में अविश्वास बढ़ता जा रहा है। हाल ही में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भारत में जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं उसने सारी दुनिया के देशों को चिंता में डाल दिया है। यूरोप के देशों में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जिसके कारण अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और भारत जैसे देशों में जन समुदाय सड़कों पर आकर हिंसक प्रदर्शन करने लगा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में बार-बार बल प्रयोग करना पड़ रहा है। सारी दुनिया के देश अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं को लेकर उनका अनुसरण करते थे। वहीं अमेरिका अब सूची में 35 वें स्थान पर आकर खड़ा हो गया है। जिन देशों में पहले लोकतंत्र बहुत अच्छा था उनकी हालत निरंतर गिरती जा रही है। इसको लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। जर्मनी स्विट्जरलैंड नॉर्वे और लक्जमवर्ग और यूरोप के कुछ देशों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कोस्टा रिका चिल्ली और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश लोकतांत्रिक देश के हर मायने पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले देश हैं। दुनिया के वह लोकतांत्रिक देश जहां पहले मानव अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं सबसे बेहतर थीं वहां धार्मिक कट्टरता के माध्यम से सत्ता की सीढ़ी बनाकर सत्ता में पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके कारण धार्मिक आधार पर सत्ता पर पहुंचने के लिए जिस तरह से कट्टरता बढ़ रही है, मानव अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप कर शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अपनी सत्ता को स्थाई सत्ता में बदलने के लिए जिस तरह के उपाय कर रहे हैं, उससे दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है। लोकतांत्रिक संस्थाएं बहुत तेजी के साथ कमजोर की जा रही हैं। आर्थिक असमानता लगातार गरीब, मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग के बीच बढ़ती चली जा रही है। दुनिया के अधिकांश देशों में इन दिनों महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी जैसे संकट देखने को मिल रहे हैं, जिसके कारण अब जनविद्रोह सड़कों पर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की घटनाओं ने सारी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। जिस तरह से राजनीतिक नेतृत्व, न्यायपालिका, चुनाव की निष्पक्षता, मीडिया की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं उससे अब जनक्रांति के रूप में जो बदलाव देखने को मिल रहे हैं उससे स्पष्ट है, कि जब लोग हर तरह से हताश हो जाते हैं, जब उनकी समस्याओं और कठिनाइयों पर कोई सुनवाई नहीं होती है, ऐसी स्थिति में आम जनता सड़कों पर आकर मुख्य पद पर बैठे हुए लोगों के साथ हिंसक व्यवहार करने लग जाती है। संसद और न्यायपालिका जिनमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जैसे संस्थानो के भवनों को जलाया जा रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोगों को देश छोड़कर भागना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। रूस और यूक्रेन में वर्षों से युद्ध चल रहा है यही स्थिति इजराइल और गाजा के बीच बनी हुई है। लाखों लोगों की इसमें मृत्यु हो चुकी है। रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं अपना वजूद खो चुकी हैं। सुरक्षा परिषद जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थान शांति बहाल करने की दिशा में ठोस प्रयास नहीं कर पा रहे हैं।हाल ही में इजरायल ने 6 इस्लामिक देशों में एक साथ हमला करके धार्मिक उन्माद पैदा करने की कोशिश की है। वर्तमान स्थिति में यदि गंभीरता के साथ बदलाव नहीं किया गया तो यह कहने में कोई कोताही नहीं है जिस तरीके के हालात बन रहे हैं उसको देखते हुए कभी भी तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। यह विश्व युद्ध प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध की तुलना में ज्यादा खतरनाक होगा। इस समय दुनिया विकास के सर्वोच्च स्तर पर खड़ी हुई है। मशीनीकरण और घातक हथियारों का बड़ा जखीरा दुनिया के सभी देशों के पास है। इसको देखते हुए विध्वंस की केवल कल्पना ही की जा सकती है।

पंजाब में बाढ़ आपदा बांध मैनेजमेंट में लापरवाही का नतीजा ?

- राज कुमार सिन्हा

भारत में बांधों को सिंचाई, बिजली और बाढ़ नियंत्रण का जरिया माना जाता है, लेकिन हालिया अनुभवों ने उनकी सीमाएँ उजागर कर दी हैं। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर की बारिश से भाखड़ा, पौंग और रंजीत सागर बांधों से छोड़े गए पानी ने पंजाब को डुबो दिया। गलत संचालन और अनियोजित विकास ने बाढ़ आपदा को और गहरा कर दिया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बांध निर्माण करने वाला देश है, जिसमें 6000 से अधिक पूर्ण बड़े बांध हैं जो सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और मछली उत्पादन सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बांधों पर अत्यधिक निर्भर करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि बांधों ने भारतीय नदी घाटियों में बाढ़ को कम भी किया और शुरू भी किया है। लेकिन वर्तमान और भविष्य की जलवायु परिवर्तन के दौर में बाढ़ को कम करने में बांध कितना प्रभावी होगा यह संदिग्ध है।हर बांध निचले इलाकों में बाढ़ को कुछ हद तक कम करने में मददगार साबित हो सकता है। यह तभी संभव है जब बांध का संचालन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाए। हालांकि, जब बांध का संचालन इस उद्देश्य से नहीं किया जाता और पानी उपलब्ध होते ही उसे भर दिया जाता है, तो वही बांध निचले इलाकों में बाढ़ की ऐसी आपदा ला सकता है जिससे बचा जा सकता है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी मानसूनी बारिश ने रावी, सतलुज और ब्यास नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में पानी का सैलाब ला दिया। परिणामस्वरूप, रंजीत सागर, भाखड़ा और पोंग बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया, जिसने पंजाब के मैदानों को जलमग्न कर दिया। इन नदियों में आए उफान ने पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, कपूरथला और अन्य जिलों में तबाही मचाई। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांधों का अगस्तङ्कसितंबर 2025 के दौरान संचालन के विश्लेषण से पता चलता है कि गलत संचालन और इन बांधों से कम जल विद्युत उत्पादन ने पंजाब में बाढ़ आपदा को और गंभीर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। 2025 के दक्षिण-पश्चिमी मानसून के दौरान पंजाब में एक बार फिर यही हुआ है। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है, उदाहरण के लिए 1978, 1988 और 2023 में। साऊथ एशिया नेटवर्क ऑन डेम,रिवर एंड पीपुल्स के प्रमुख हिमांशु ठक्कर के विश्लेषण अनुसार 1 अगस्त तक, भाखड़ा बांध पहले से ही 53 प्रतिशत भरा हुआ था। 19 अगस्त तक बांध में जल स्तर पहले से ही 1666 फीट

पर था, जो पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) से सिर्फ 14 फीट दूर था और बांध पहले से ही 80त्न भर गया था। 3 सितम्बर की शाम तक 1678.45 फीट (बांध 93त्न भरा हुआ) तक पहुंच गया।1 अगस्त तक, पौंग बांध 60त्न से ज़्यादा भर चुका था और 18 अगस्त तक 85 प्रतिशत भर गया था। पौंग बांध के गेट 3 अगस्त को या उसके बाद खोले जा सकते थे, जब बांध में जल स्तर 1365 फीट को पार कर गया था। अंततः, 29 अगस्त से 1 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड्ना पड़ा, जिससे हिमाचल प्रदेश और पंजाब के निचले इलाकों में भारी बाढ़ आ गई, क्योंकि तब तक 26 अगस्त को जल स्तर 1393 फीट को पार कर चुका था, जो कि पूर्ण जलाशय जल स्तर 1390 फीट से अधिक था।

इस प्रकार पौंग बांध पंजाब में बाढ़ लेकर आया, जबकि पंजाब में भारी वर्षा हो रही थी। पंजाब में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है।1,948 गांव जलमग्न हैं, जिससे 3.84 लाख लोग प्रभावित हैं। इनमें से 21,929 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि 1.72 लाख हेक्टेयर (4.32 लाख एकड़) की फसलें नष्ट हो गई हैं। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966) की धाराएं (78, 79) गैर- रिपेरियन राज्यों जैसे हरियाणा और राजस्थान को भी पानी का हिस्सा देती हैं, जिससे भाखड़ा और पोंग बांधों में पानी पहले से ही जमा रहता है। इस वजह से ये बांध भारी बारिश आने पर फिर संतुलन खो देते हैं।

पंजाब के सिंचाई मंत्री ने 24 अगस्त से रंजीत सागर बांध के संचालन के बारे में कहा कि जो हुआ वह बिल्कुल अप्रत्याशित था। किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह ऐसा होगा। सारे आकलन उलट गए, हिमाचल की ऊपरी नदियों के साथ-साथ पठानकोट की ओर से भी पानी आ रहा था। इसलिए, जब ऊपरी इलाकों से बाढ़ का पानी नीचे आया, तो बांध से कम पानी छोड़े जाने पर भी, नीचे की ओर का सब कुछ वैसे भी डूब जाता। इसके अलावा, अगर बांध को कोई खतरा है, तो पानी छोड़ना ही होगा। बांध को खतरे में नहीं डाला जा सकता। यह पंजाब सरकार की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों और पंजाब के पठानकोट में पहले से हो रही बारिश को ध्यान में नहीं रखा, जिसके कारण 27 अगस्त को अचानक बांध के गेट खोलने पड़े, जिससे पंजाब में बड़ी बाढ़ आपदा आई। तकनीकी समिति के सभी सदस्य, जिनमें केंद्रीय जल आयोग और संबंधित राज्य पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश (कभी-कभी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और पंजाब कृषि विभाग के व्यक्ति भी आमंत्रित किए जाते हैं) शामिल हैं, जो भाखड़ा और पौंग बांधों से पानी छोड़ने के बारे में निर्णय ले रहे थे, स्पष्ट रूप से भाखड़ा और पौंग बांधों के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं। ये स्पष्ट है कि भारतीय मानसून असमान और अप्रत्याशित होता है। बांध प्रबंधन को यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कब पानी रोककर रखना है और कब छोड़ना है। गलत अनुमान बाढ़ का खतरा बढ़ा देता है।अगर मानसून की शुरुआत में जलाशय को पहले से लगभग भर दिया जाए, तो अचानक भारी बारिश के समय पानी रोकने की क्षमता नहीं बचती और ज़बरदस्ती बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना पड़ता है, जिससे नीचे के इलाकों में बाढ़ और भी बढ़ जाती है।जब कई बांध एक ही नदी प्रणाली पर हों (जैसे सतलुजङ्कब्यासङ्करावी में), तो उनके संचालन में बेहतर तालमेल की ज़रूरत होती है। अक्सर यह समन्वय ठीक से नहीं हो पाता है। जहां ङ्क जहां बांध के दरवाजे खोले जा रहे हैं या फिर ज्यादा पानी जमा करने के लालच में खोले नहीं जा रहे, वहां ङ्क वहां पानी बस्तियों में घुस रहा है। इससे हुई संपत्ति का नुक़सान और लोगों की मौत का आकलन करें तो पाएंगे कि बांध महंगा सौदा साबित हो रहा है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार भारत में प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ सबसे ज्यादा कहर बरपाती है। देश में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल नुकसान का 50 प्रतिशत केवल बाढ़ से होता है। मौजूदा हालात में बाढ़ महज़ एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है, बल्कि मानवजनित साधनों की त्रासदी बन गई है।

पंजाब में अचानक आई बाढ़ का मुख्य कारण हिमाचल प्रदेश और पंजाब दोनों में अनियोजित आर्थिक विकास है। आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस वृद्धि ने पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अंधाधुंध वनों की कटाई, नदियों पर बड़े बांधों का निर्माण, नदी तल, मौसमी नालों, जल निकासी चैनलों, तालाबों और अन्य जल निकायों पर अतिक्रमण और जल संसाधनों के रखरखाव में लापरवाही को बढ़ावा दिया है।

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं में आक्रोश

एडवोकेट किशन सनमुखदास

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दियाहै।भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेज़ी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो।नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-ज़ेड (गेन जेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है? साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब

पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है।

साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को सड़कों पर ला दिया था। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे।

साथियों बात अगर हम नेपाल ? इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्ज़री छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो- आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया। साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल-पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश, श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है।इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है।इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका, पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे। साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दर्शाता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

वेदान्त को समझे बिना क्रान्ति संभव नहीं-आचार्य विनोबा

निमिषा सिंह

1947 हमारा देश आजाद हुआ। अंग्रेज तो चले गए पर पीछे छोड़ गए एक ऐसा रूढ़िवादी भारतीय समाज जो अशिक्षा जाति व्यवस्था और भयंकर गरीबी के संकट से जूझ रहा था। यकीनन जिससे निजात पाने के लिए अभी एक और लंबी लड़ाई लड़नी थी। अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारो तरफ से कमजोर बनाकर गई। कई लोग तो इस तरह से गरीब हो गए थे कि उनके पास रहने तक के लिए जगह नही थी। वर्ष 1951, लोगों के बीच खासकर ग्रामीणों तक यह खबर फैल गयी थी कि कोई संत निकला है जो दान में भूमिहीनों के लिए जमीन मांगता है और कहता है कि हवा पानी और आसमान की तरह जमीन भी ईश्वर की बनाई हुई है जो सबके लिए है। आप मुझे अपना बेटा मानकर अपनी जमीन का छठा हिस्सा दे दीजिए। भूदान आंदोलन के जनक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं अहिंसा के प्रबल समर्थक आचार्य विनोबा भावे नवंबर1951 में पूरे उत्साह के साथ दिल्ली से उत्तर प्रदेश की ओर पद यात्रा पर निकल पड़े। पूरे देश की नजर विनोबा के भूदान यज्ञ की ओर टिक गयी। भूदान आंदोलन की शुरुआत ऐसे समय में की गई जब देश में जमीन को लेकर रक्तपात होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। तेलांगना और फिर उत्तर प्रदेश की भूदान यात्रा के तहत अप्रैल 1952 में सेवापुरी में हुए चौथे सर्वोदय समाज सम्मेलन में सर्व सेवा संघ ने अगले दो सालों में पूरे देश भर में 25 लाख एकड़ भूदान प्राप्त करने का संकल्प किया। इसी सम्मेलन में बिहार से कुछ अग्रणी समाज सेवक लक्ष्मी बाबू, ध्वजा बाबू रामदेव बाबू और वैद्यनाथ बाबू आये थे जिनका इरादा बिनोवा जी को बिहार लाना था। विनोबा ने इनसे बिहार में भूदान के तहत चार लाख एकड़ हासिल करने की बात कही। लक्ष्य काफी मुश्किल था बावजूद इसके इन नेताओं ने विनोबा की बात कबूल कर ली और इस तरह बिहार में विनोबा जी का आना तय हो गया। संयुक्त बिहार (झारखंड तब बिहार का अंग था) में भूदान और ग्रामदान अभियान के लिए विनोबा छह बार आए और गए। एक तरफ तो समाजवादी दल,सर्वोदयी नेताओं और रचनात्मक कार्यकर्ताओं और जनता के समर्थन तथा सहयोग से भूदान आंदोलन में तेजी आ रही थी वहीं दूसरी तरफ साम्यवादी कार्यकर्ताओं द्वारा इस आंदोलन का विरोध किया जा रहा था। विनोबा के बिहार में प्रवेश करते ही साम्यवादियों का विरोध और तेज हो गया। उनकी शिकायत थी कि भीख मांगने से क्रांति नहीं आ सकती है। विनोबा ने बिहार प्रवेश के पहले ही दिन दुर्गावती में कहा था कि मैं कम्युनिष्टो को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में क्रांति किस ढंग से हो सकती है यह मैं आपसे बेहतर जानता हूं। मैं वेदों से लेकर गांधी तक के सारे विचार घोलकर पी गया हूं। सब विचारों का अध्ययन किया है। वेदांत समझे बिना यहां कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। अगर आप आत्मा के टुकड़े करेंगे वर्ग बनाएंगे और कटुता तथा द्वेष फैलाएंगें तो उससे क्रांति नहीं होगी। मैं भूमिहीनों के लिए भीख नहीं उनका हक मांगने आया हूं। बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता और सरकार चला रहे श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह ने भूदान आंदोलन को अपना समर्थन दिया। महान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण भी भूदान आंदोलन में कूद पड़े। बिहार खादी समिति और बिहार गांधी स्मारक निधि ने भी भूदान कार्य में अपने को पूरा झोंक दिया। प्रांतीय भूदान आंदोलन समिति के लक्ष्मी बाबू सहित रामदेव बाबू, ध्वजा बाबू, रामाचरण बाबू, गजानंन दास, गोपाल झा शास्त्री, भवानी सिंह, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, रांची जिलें पूरी तरह से सक्रिय हो गए। इसके अलावा संथालपरगना में मोतीलाल केजरीवाल, शाहाबाद में प्रद्युम्न मिश्र, भागलपुर में बोधनारायण मिश्र, शुभकरण चुड़ीवाला, मानभूमि में लालबिहारी सिंह और शीतल प्रसाद तायल, सारण जिले में हीरालाल सर्राफ, पटना जिले में अवध बिहारी सिंह, पूर्णिया जिले में वैद्यनाथ प्रसाद चैधरी, चंपारण जिले में बिहार कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित प्रजापति मिश्र ने भूदान आंदोलन में खुद को झोंक दिया। मुंगेर जिले में खादीग्राम भूदान आंदोलन का केन्द्र बन गया। दादा धर्माधिकारी, विमला ठकार, शंकरराव देव और धीरेन्द्र भाई जगह- जगह सभाएं करने लगे जिससे भूदान आंदोलन के अनुकूल माहैाल बनने लगा। बोधगया में जिले के करीब पांच सौ कार्यकर्ता ने एक लाख एकड़ भूमि भूदान में प्राप्त करने का संकल्प लिया। गया के बाद पलामू और रांची की पदयात्रा के बाद विनोबा लोहरदग्गा गए। वहां से सिंहभूम जिले में पदयात्रा आरंभ हुई। उनकी यात्रा से भूदान प्राप्ति में अच्छी प्रगति होने लगी थी।चांडिल पहुंचते-पहुंचते विनोबा की तबियत बिगड़ने लगी। 106 डिग्री बुखार रहने लगा था। विनोबा जी ने अंग्रेजी दवा लेने से इनकार कर दिया आखिरकार डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद और बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू के आग्रह पर उन्होंने दवा ली। स्वास्थ्य में सुधार के बाद बिनोवा जी के चांडिल में रहते हुए सर्वोदय समाज का पांचवा वार्षिक सम्मेलन मार्च 1953 में हुआ। इसमें राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद और जयप्रकाश नारायण ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जलभराव से हुए नुकसान को लेकर गंभीर, किसानों को दिया जाएगा मुआवजा : नवीन जिंदल

सांसद नवीन जिंदल ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सुनीं किसानों की समस्याएं

पिहोवा, 12 सितंबर (विवेक): सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। मारकंडा का जलस्तर बढ़ने से किसानों की फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसके लिए ई-क्षति पूर्ति पोर्टल खोला गया है। किसान अपनी खराब हुई फसल का 15 सितंबर तक पंजीकरण करवाएं, ताकि जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। केंद्र व राज्य सरकार बाढ़ से प्रभावित हुए क्षेत्रों की पूरी निगरानी कर रही है और हर संभव मदद कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है। प्रत्येक नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। इसको लेकर अलग अलग कटेगरी बनाई गई है। सांसद नवीन जिंदल शुक्रवार को गांव जलबेहड़ा, नैसी व ठसका मीरा जी क्षेत्र में मारकंडा में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। उन्होंने जलबेहड़ा हैड पर किसानों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के बैठक करके भविष्य के लिए मारकंडा नदी में जलभराव से होने वाले नुकसान को रोकने पर भी मंथन किया। एक्सईएन मनीष बब्बर व जेई नवीन ने मैप के माध्यम से सांसद को पूरे क्षेत्र का मारकंडा का विवरण दिया। किसानों से बातचीत करने के बाद सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि मारकंडा के तटबंधों को मजबूत किया जाएगा। साथ ही जहां इसकी चौड़ाई कम है। वहां शीट पाइल रिटेनिंग वॉल लगाने की योजना भी अधिकारी तैयार करें ताकि मिट्टी के कटाव को रोका जा सके। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। किसानों ने बताया कि कई हजार हजार एकड़ फसल में जलभराव हुआ था। जिससे फसलें अब पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि किसानों के साथ बैठक करके समस्या का स्थाई समाधान करने का अध्ययन करें और मास्टर प्लान तैयार करें, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति इस क्षेत्र में उत्पन्न ना हो। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश व प्रदेश को विकसित राष्ट्र और विकसित राज्य बनाने की दिशा में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। हर वर्ग के कल्याण हेतु नित नई-नई योजनाओं को क्रियान्वयन कर रहे हैं। बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थिति के बाद पैदा हुए हालात से निपटने के लिए भी हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बारिश के बाद सडक़ों का निर्माण शुरू करवाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है, प्रदेश की हर सडक़ें चकाचक होंगी। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। खेलों में भाग लेने से युवाओं का ध्यान नशे की तरफ नहीं जाएगा और हम भारत के मजबूत नागरिक होंगे। जिम का सामान दिया गया है। स्टेडियमों की सुविधाओं में सुधार लाया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, महंत जगन्नाथ पुरी, गुरिंद्रजीत सिंह नत, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष गीता शर्मा, युवा नेता विकास गर्ग, राजेश शर्मा जलबेहड़ा, परमजीत चीमा नैसी, कर्ण चीमा, सिकंदर बाखली, सुशील बंसल, जगत सिंह चंडीगढ़, सुरेश बीबीपुर, सतीश मढ़ाढ़ों सरपंच आदि लोग मौजूद रहे।

पटवार खाने में सेंधमारी की साज़िश! ताले टूटे, दस्तावेज़ बिखरे!

रायपुररानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी से एक सनसनीखेज़

मामला सामने आया है, जिसमें अज्ञात चोरों ने पटवार खाने में घुसपैठ करने की नाकाम कोशिश की। जानकारी के अनुसार, पटवारी नरेन्द्र कुमार दबास रोज़ की तरह 12 सितंबर को सुबह 9 बजे जैसे ही अपने कार्यालय पहुंचे, तो उन्होंने जो दृश्य देखा, वह उन्हें हैरान कर देने वाला था। पटवार खाने के दोनों दरवाजे टूटे हुए थे और ताले गायब थे। कार्यालय परिसर का माहौल पूरी तरह अस्त-व्यस्त था। कागज़ात हर जगह बिखरे पड़े थे, टेबल पर पलाश रखा हुआ था, दराज खुले हुए थे और दान पात्र के पास कुछ पुराने पैसे पड़े हुए थे। इसके बाद पटवारी ने तुरंत डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही ईआरवी डायल-112 की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मुआयना करने के बाद मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू कर दी। इसके बाद नरेन्द्र कुमार ने रायपुररानी थाना में एक लिखित शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि चोरों का मकसद क्या था? क्या उनका उद्देश्य सिर्फ़ चोरी करना था या वे किसी खास दस्तावेज़ या जानकारी की तलाश में थे। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

रायपुररानी केमिस्ट एसोसिएशन को मिली नई कमान, संगठनात्मक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू

रायपुररानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी स्थित महादेव स्वीट्स परिसर में स्थानीय केमिस्टों की एक अहम बैठक आयोजित की

गई, जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के पूर्व प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने की। बैठक में क्षेत्र के अनेक प्रमुख केमिस्टों ने भाग लिया और संगठन की भविष्य की दिशा तय करने पर विचार-विमर्श किया। बैठक का मुख्य एजेंडा एसोसिएशन को औपचारिक रूप से पंजीकृत कराना रहा। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया। इसका उद्देश्य संगठन को कानूनी पहचान दिलाना और सदस्यों को सरकारी योजनाओं सहित विभिन्न सुविधाओं से जोड़ना है। इस अवसर पर एसोसिएशन की नई स्थायी कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। नई कार्यकारिणी में इशेन्द्र मोहन सिंगला को अध्यक्ष, कमल अग्रवाल और राकेश सैनी को उपाध्यक्ष, जितेन्द्र सैनी को सचिव और नीरज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा चरणजीत चौधरी उर्फ हैप्पी, ललित शर्मा और राकेश ढींगरा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। वहीं, अनिल कुमार गुप्ता, जयपाल गुप्ता और राकेश सिंगला को संगठन का संरक्षक नियुक्त किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष इशेन्द्र मोहन सिंगला ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसोसिएशन, केमिस्टों के हितों की रक्षा, समस्याओं के समाधान और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जाएगी और सभी दस्तावेजी औपचारिकताएं नियमानुसार पूरी की जाएंगी। बैठक के समापन पर सभी सदस्यों ने संगठन को एकजुट, पारदर्शी और सक्रिय बनाए रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर अनिल कुमार गुप्ता, कमल अग्रवाल, जय भगवान, संदीप सैनी, सौरव सैनी, कैलाश चौधरी प्यारेवाला, अंकुर बाजवा, हरनेक सिंह, अमन कुमार, राकेश सैनी, आसिफ खेड़ी समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में भाषण और काव्य उच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन

विद्यार्थियों ने हिंदी के महत्व को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया, विजेताओं को सम्मानित किया गया

रायपुररानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): राजकीय महाविद्यालय रायपुर रानी में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत भाषण और काव्य उच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान 15 विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता और 17 विद्यार्थियों ने काव्य उच्चारण प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुतियाँ दी। जबकि निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. रोहित भुल्लर, कविता और पूजा ने निभाई। उन्होंने प्रतियोगियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप, काव्य उच्चारण प्रतियोगिता में साक्षी बीए तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, अमनप्रीत को द्वितीय स्थान मिला और मुस्कान एवं खुशप्रीत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही भाषण प्रतियोगिता में पलक बीए तृतीय वर्ष ने प्रथम, एकता ने द्वितीय और निशु एवं जीवांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हालांकि, महाविद्यालय प्रबंधन कमेटी के द्वारा सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हिंदी विभाग की सहायक प्रवक्ता रितु ने बताया कि हिंदी को 14 सितंबर 1949 को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हुआ था और तभी से हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। वहीं, महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी विद्यार्थियों और प्रतियोगिता के आयोजकों को शुभकामनाएं दी और कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

रायपुर रानी में खण्ड ग्राम सचिव एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन, सुशील कुमार बने प्रधान

रायपुर रानी, 12 सितंबर (देवेन्द्र सिंह): रायपुर रानी स्थित खंड

विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय परिसर में खण्ड ग्राम सचिव एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी ग्राम सचिवों ने भाग लिया और बैठक की अध्यक्षता ग्राम सचिव जितेन्द्र नेहरा ने की। नई कार्यकारिणी के गठन में सर्वसम्मति से ग्राम सचिव सुशील कुमार को प्रधान चुना गया। इसके अतिरिक्त, प्रियंका जांगड़ा को उप प्रधान, कपिल को कोषाध्यक्ष, सोनिया को एसोसिएशन का सचिव और गोविन्द भाम्भू को सह सचिव के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर सभी सदस्यों ने क्षेत्र में विकास कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने और ग्राम सचिवों के अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। बैठक में उपस्थित सभी ने एकजुटता से कार्य करने का वादा किया, ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर विकास की गति को तेज किया जा सके।

अरुणा आसफ अली कॉलेज कालका में वायुसेना प्रदर्शनी का सफल आयोजन

कालका, 12 सितंबर (अख्तर फारूकी/अजीत सिंह): अरुणा आसफ अली राजकीय महाविद्यालय कालका में प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के मार्गदर्शन और भारतीय वायु सेना के सौजन्य से इंडक्शन पब्लिसिटी एग्जीबिशन व्हीकल (आईपीईवी) रोड ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विंग कमांडर विवेक जोशी, स्क्वाडन लीडर चक्रवर्ती लखावट, फ्लाइट लेफ्टिनेंट निखिल पाथर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट अरुण सीवी रहे। वायुसेना अधिकारियों ने विद्यार्थियों को करियर संभावनाओं, पात्रता और अवसरों के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए और सही उत्तर देने वालों को पुरस्कृत किया गया। आईपीईवी प्रदर्शनी में लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर की लघु प्रतिकृतियां दिखाई गईं तथा विद्यार्थियों को विमान उड़ाने का अनुभव भी कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज की प्लेसमेंट सेल और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कुरुक्षेत्र के सेक्टर 2 को बनाया जाएगा जीरो वेस्ट क्षेत्र : अमन कुमार

कुरुक्षेत्र, 12 सितंबर (सुदेश कुमार): जिला नगर आयुक्त अमन कुमार ने कहा कि कुरुक्षेत्र के सेक्टर 2 को जीरो वेस्ट क्षेत्र बनाया जाएगा। इस कार्य में सेक्टर 2 के आम नागरिक अपना सहयोग करेंगे। इन नागरिकों के सहयोग से सेक्टर 2 को मॉडल सेक्टर के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। डीएमसी अमन कुमार शुक्रवार को सेक्टर 2 में नागरिकों की तरफ से आयोजित स्वच्छता अभियान में बोल रहे थे। इससे पहले डीएमसी अमन कुमार,समाजसेवी महिपाल ढांडा,पार्षद प्रतिनिधि एमपी मेहता, बीजेपी नेता सुनील बख्शी, सेवानिवृत डीएसपी आरके जागलान,एक्सईएन हरि देव काम्बोज, धर्मपाल धनखड़, कृष्ण कुमार शर्मा, रणधीर सैनी, रवि शर्मा रविन्द्र शर्मा, सतीश सैनी, राजवीर वत्स ने सेक्टर 2 में स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान की शपथ ली और सेक्टर को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए एक घंटा श्रमदान भी किया। डीएमसी अमन कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार और उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सेक्टर 2 में आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों के साथ मिलकर सेक्टर में साफ सफाई की गई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को केवल और केवल लोगों के सहयोग से ही सफल बनाया जा सकता है। इसलिए अधिक से अधिक लोग स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करे।

किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र की तरफ से दिया गया मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण

कुरुक्षेत्र, 12 सितंबर (सुदेश कुमार): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ समन्वक डा. बलजीत सिंह सहारण की देखरेख में पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन के ऊपर सामान्य प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के कोर्स कोऑर्डिनेटर डा. फतेह सिंह रहे। उन्होंने मशरूम में होने वाली विभिन्न प्रकार की कीट और बीमारियों के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ जिला विस्तार विषय विशेषज्ञ डा.मनोज कुमार सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किसानों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग के बारे में किसानों को बताया तथा साथ ही मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपना कर कैसे आत्मनिर्भर बन सकते हैं इसके बारे में संपूर्ण जानकारी किसानों से सांझा की। गृह विज्ञान जिला विस्तार विषय विशेषज्ञ डा. ललिता रानी ने मशरूम उत्पादन के मूल्य वर्धन के बारे में बात कर किसानों को जागरूक किया साथ ही मूल्य वर्धन उत्पाद की मार्केटिंग के बारे में भी संपूर्ण जानकारी किसानों से साझा की। कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विज्ञान के जिला विस्तार विषय विशेषज्ञ डा. कविता ने मशरूम उत्पादन के लिए बनने वाले स्थान व खाद के बारे में बताकर किसानों को जागरूक किया तथा मिट्टी की जांच के बारे में भी किसानों को जानकारी दी। मौसम विज्ञान विशेषज्ञ डा. ममता ने मौसम पूर्वानुमान और मशरूम उत्पादन में मौसम के महत्व के बारे में बात कर किसानों को जागरूक किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए नवीन परियोजनाओं पर जोर

नीलोखेड़ी, 12 सितंबर (सुरेश कुमार मिड्ढा): राज्य पंचायत संसाधन

केंद्र (एसपीआरसी) नीलोखेड़ी में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन 11 सितम्बर, गुरुवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय ग्राम पंचायतों द्वारा स्वयं के स्त्रोतों से राजस्व सृजन रहा। दूसरे दिन की शुरुआत सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ी चर्चाओं के साथ हुई, जिसमें पंचायतों की आय बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर विचार साझा किए गए। इस दौरान प्रतिभागियों को नवीन परियोजनाओं के वित्तीय विकल्प और योजना के महत्व पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में परियोजना प्रबंधन कौशल को विस्तार से समझाया गया। इसके पांच चरण योजना समिति, बजट समिति, क्रियान्वयन समिति, निगरानी एवं पारदर्शिता समिति और स्थायित्व व सामुदायिक सहभागिता समिति की भूमिकाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही समूह गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को यह अभ्यास कराया गया कि किस प्रकार पंचायतें स्वयं अपने राजस्व स्त्रोत तैयार कर सकती हैं। सत्र में प्रशिक्षकों ने यह बताया कि पंचायतें यदि अपनी वर्तमान स्थिति का व्यवस्थित मूल्यांकन करें तो वे नई संभावनाओं का लाभ उठाकर राजस्व सृजन में और मजबूत बन सकती हैं। साथ ही बताया गया कि पंचायतें अपनी ताकत और अवसरों को पहचानकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। दिनभर चले सत्रों में सामूहिक चर्चा, प्रश्नोत्तर और अनुभव साझा करने का दौर भी चला। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और स्थानीय स्तर पर राजस्व सृजन को लेकर ठोस सुझाव प्रस्तुत किए।

उत्तरी भारत के प्रमुख घोड़ा ज्योतिषी स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा को आज भी दिल से याद करते हैं लोग

सुपुत्र श्याम देव शर्मा बोले : हर बड़े राजनेता की सच्ची, भविष्यवाणी कर मनवाया अपनी आलौकिक प्रतिभा का लोहा

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला): आज से 33 वर्ष पहले 13 सितंबर 1992 को इस नश्वर संसार को अलविदा कहने वाले आलौकिक प्रतिभा के धनी स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा उर्फ घोड़ा ज्योतिषी आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके पावन सात्विक कर्म, और स्मृतियां उन सभी के दिलो दिमाग में हैं जिनका सरोकार उनसे या उनके परिवार से कभी रहा है। असल में उत्तरी भारत के प्रमुख घोड़ा ज्योतिषी के रूप में बड़ी और गहरी पहचान बनाने वाले स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा की ईश्वर के प्रति गहरी अन्नय साधना, कड़ी मेहनत, वेदों का पठन पाठन व उनकी आध्यात्मिक रूचि उन्हें दूसरों से अलग करती रहीं। असल में घोड़ा, शक्ति, गति, स्वतंत्रता और सफलता का प्रतीक माना जाता है, स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा इन सब गुणों में माहिर थे, जब देश के बड़े राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों को उनके रहस्यमयी, अनसुलझे सवालों के जवाब घोड़े की तेज गति से मिलने लगे तो उनका नाम एकाएक घोड़ा ज्योतिषी के रूप मे चर्चित हो गया। करनाल के स्टेट बैंक ऑफ पटियाला से बतौर प्रबंधक रिटायर हुए उनके सेवाभावी चौथे नंबर के सुपुत्र श्याम देव शर्मा अपने पिता की पुण्यतिथि पर भावभीने स्वर में कहते हैं कि बड़ी नामचीन हस्तियां जो गुमनाम हो गई हैं, आज की पीढ़ी उनके बारे में जाने, समझे , प्रेरणा ले, यही उनका प्रयास है। क्योंकि स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा जैसी विलक्षण् प्रतिभा के धनी लोग विरले ही दुनिया में पैदा होते हैं, उन समेत उनके आठों भाई बहन (5 भाई, 3 बहनें) बहुत भाग्यशाली हैं कि उनका जन्म ऐसे यशस्वी पिता के यहां हुआ। हालांकि अब सत्यदेव शर्मा जी के आठ में से दो भाई इस दुनिया में नहीं हैं। जाने माने शास्त्री व आयुर्वेदाचार्य स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा से उस समय पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व रक्षा मंत्री बाबू जगजीवन राम, पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल, पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो, पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल, पंजाब के पूर्व आईसीएस अधिकारी आरपी कपूर सहित अन्य बड़ी हस्तियां अपने राजनीतिक, पारिवारिक जीवन से जुड़े सवालों का जवाब पूछने आते थे। कैथल में सीएम बनने से पहले स. प्रताप सिंह कैरो को जब उन्होंने प्रश्नों को पर्ची पर लिखकर दिया कि वे मुख्यमंत्री इस तारीख को जरूर बन जाएंगे तो कैरों को अपने भाग्य पर यकीन नहीं हुआ लेकिन जब हुआ तो वे बस उनके ही होकर रह गए। सीएम कैरों और आरपी कपूर कभी घनिष्ट मित्र थे, लेकिन कुछ कारणों से जब शत्रू बने तो सीएम कैरो ने उन्हें निलंबित कर दिया तो कपूर साहब ने उन्हें कोर्ट में चुनौती दी केस के बाद जब आरपी कपूर को विजय व मुआवजा राशि सहित सम्मान मिला तो उन्होंने वह केस में जीती मुआवजा राशि पंडित बुद्धदेव शर्मा को देने की ठानी। पंडित जी के इन्कार के बाद एक अनाथालय और अस्पताल स्थापित करने की योजना बनी, आज लाखों लोगों का सहारा बने अर्पणा आश्रम मधुबन को बनवाने व स्थापित करने का श्रेय आरपी कपूर साहब और पंडित बुद्धदेव शर्मा के संयुक्त प्रयासों का फल है। इसी तरह चौधरी देवीलाल बनाम चौधरी भजनलाल (1982) चर्चित राजनीतिक बहुमत विवाद, जिसमे चौधरी देवीलाल के बहुमत के बावजूद पंडित पंडित जी की भविष्यवाणी अनुसार हरियाणा में चौधरी भजनलाल ने सरकार बनाई, उसके बाद चौधरी भजनलाल का पंडित बुद्धदेव शर्मा पर जीवन भर विश्वास रहा। इसी तरह महाराजा पटियाला सरदार यादवेंद्र सिंह के ज्योतिषीय गणना ना मानने के बावजूद पंडित जी की घोषणा कि जातक सरकारी नौकरी करेगा और इसका देहांत विदेश में होगा भी सच साबित हुई। कैप्टन अमरेंद्र सिंह को टिकट की घोषणा भी पंडित जी ने तब की थी जब पूर्व विदेश मंत्री की पत्नी हेमेंद्र कौर टिकट के लिए आश्वास्त थी। सुपुत्र श्याम देव शर्मा कहते हैं कि उनके पिता स्वर्गीय पंडित बुद्धदेव शर्मा की अनेकों भविष्वाणियों ने लोगों का जीवन बदला और उन्हें नई राह दिखाई, उनका परिवार उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें ह्रदय की गहराइयों से नमन, वंदन करता है जिन्होंने ताउम्र मोहमाया को खुद पर हावी नहीं होने दिया।

स्वच्छता अभियान के तहत नपा टीम ने चलाया जागरुकता अभियान

घरौंडा, 12 सितंबर (नरेंद्र लाठर) : हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत शुक्रवार को जीटी रोड़ पर स्थित एलटीटीएम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में घरौंडा नगर पालिका स्वच्छता टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें मुख्य वक्ता लाइब्रेरियन संदीप लोहट, मोटिवेटर रेनू भूषण, सफाई निरीक्षक राहुल बामनिया, स्कूल निदेशक मनीष गुप्ता, योगेंद्र कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत हम सब ने ठाना हैं घरौंडा को स्वच्छ बनाना है व जय स्वच्छता, जय जय स्वच्छता से बच्चों के साथ नारे बोलकर मुख्य वक्ता संदीप लोहट ने की। स्वच्छता के नारों से स्कूल प्रांगण गूँज उठा। उन्होंने विद्यार्थियों को पंच परिवर्तन परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी का उपयोग, नागरिक कर्तव्य को अपने जीवन मे अपनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हमारे शहर के विकास और हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपने वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए काम करना चाहिए। इसके लिए सभी विद्यार्थी अपने जन्मदिन पर एक-एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करेंऔर अपने परिवार व पड़ोसियों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करें। इस मौके पर विद्यार्थियों ने आश्वस्त किया कि हम अपना जन्मदिन एक पौधा लगाकर बनाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। विद्यार्थियों ने कहा कि न गंदगी करेंगे, न किसी को करने देंगे और अपने स्कूल, शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाएंगे। स्वच्छ भारत मिशन के मोटिवेटर रेनू भूषण ने सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताया और उन्हें इसके उपयोग को बंद करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि शहर में एस.यू.पी. बैन है, उसी प्रकार घर में इसका उपयोग न करें। एस.यू.पी. के बजाए नागरिकों को कपड़े और पेपर से बने उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। हर घर में गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करेंगे। स्कूल के निदेशक मनीष गुप्ता ने स्वच्छता टीम को स्कूल परिसर का निरीक्षण करवाया। इस दौरान स्वच्छता टीम द्वारा विद्यालय की साफ-सफाई, डस्टबिन का प्रयोग आदि बेहतर कार्य को लेकर विद्यालय प्रबंधन की सराहना भी की। कार्यक्रम में स्कूल विद्यार्थियों के साथ साथ स्कूल स्टाफ भी मौजूद रहा।

विधायक ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक को किया रवाना

सोनीपत, 12 सितंबर (विनोद) : राई से विधायक कृष्णा गहलावत ने शुक्रवार को पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक को बीसवां मिल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय सभी वर्गों को मानवता के नाते मिल-जुलकर एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पंजाब, हिमाचल तथा जम्मू कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए लगातार उनकी मदद कर रही हैं। नायब सरकार ने तीनों राज्यों को आर्थिक सहायता प्रदान की हैं। इसके अलावा हर रोज हरियाणा के सभी जिलों से राहत सामग्री भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि राहत सामग्री से भरे इस ट्रक में 3540 मेडिकल कीट तथा 1570 त्रिपाल सहित अन्य दैनिक वस्तुएं हैं, जो पंजाब के बठिंडा जिला में भेजी जा रही है। यह राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाकर जरूरतमंद परिवारों को वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पंजाब के लोगों के साथ खड़ा होना हमारा मानवीय कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर ही हम किसी भी विपत्ति का मुकाबला कर सकते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे भी आगे आकर राहत कार्यों में सहयोग करें ताकि बाढ़ पीड़ित परिवारों को समय पर आवश्यक मदद मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा और किसी भी जरूरतमंद को सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इस मौके पर नगर निगम पार्षद पुनीत राई, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व पार्षद नंदकिशोर चौहान, वेदपाल शास्त्री, डॉ राजपाल, शेखर आंतिल, कुलदीप नांगल, जेपी रेवली, जशपाल आंतिल, अनिल आंतिल, हवासिंह जोगी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राज्य सरकार सफाई, सीवर, फायर व दफ्तर के कर्मचारियों का शोषण बंद करे : शिवचरण

कैथल, 12 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा संबधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कमेटी के आह्वान पर आज ब्लॉक प्रधान महेंद्र कुमार बिड़लान की अध्यक्षता मे देवी लाल पार्क कुरूक्षेत्र रोड पर इकट्ठे होकर जोरदार प्रदर्शन करके कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला के आवास पर उनके नाम उनके चाचा सुदीप सुजेवाला को अपनी माँगो का ज्ञापन सोपा जिसका संचालन ब्लॉक सचिव विक्की टाँक ने किया। प्रदर्शन मे सफाई व फायर के महिला-पुरुष कर्मचारी भारी संख्या मे शमिल हुए कर्मचारियो को सम्बोधित करते हुए संध के राज्य मुख्य संगठन कर्ता व एसकेएस जिला प्रधान शिवचरण, एसकेएस जिला सचिव माशरामपाल शर्मा, फायर के राज्य प्रधान व नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य उपप्रधान राजेन्द्र सिणंद, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के राज्य प्रधान व सीटू के जिला प्रधान बसाऊ राम व नगर पालिका कर्मचारी संघ से जिला प्रधान गौरव टाँक ने कहा कि हरियाणा सरकार सफाई अभियान के नाम पर सफाई व दफ्तर के कर्मचारियों का भारी शोषण व उत्पीड़न कर रही है ओर इनसे 15-15 घंटे लगातार काम लिया जा रहा ह ओर उसके बदले ना तो रेस्ट दिया जा रहा ओर ना ही ओवर टाइम दिया जा रहा, शहर की सफाई व्यवस्था के लिए हाथ व रिक्सा रेहड़ी व सफाई के पूरे उपकरण भी नही दिए जा रहे, बरसात के मौसम मे रीन कोट भी कई बार मांग करने के बावजूद नही दिए गए और बरसात मे लगातार कार्य करने के कारण कई कर्मचारी बिमार हो चुके है जिसमे ज्यादा तर कच्चे कर्मचारी है जो कम वेतन पर कार्य कर है, दरोगाओ व कर्मचारियों को हाजिरी बीट ना होने के कारण सड़को पर बैठ कर हाजिरी लगानी पड़ती है। महिला-पुरुष कर्मचारियो को शौचालय ना होने के कारण खुले मे शोच करना पढ़ रहा ह जिसको लेकर 10 जून, 7 अगस्त व 28 अगस्त को कार्यकारी अधिकारी जिला अयुक्त व राज्य सरकार को मांगपत्र भेजकर इन्हे लागू करने की माँग कर चुके ह बावजूद इसके राज्य सरकार व उसका प्रसाशन माँगो की अनदेखी करके कर्मचारियो का शोषण व उत्पीड़न कर रहे है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की राज्य सरकार लगातार नगर पालिकाओ, नगर परिषदों, नगर निगमों व फायर के कर्मचारियो के साथ वादा खिलाफी कर रही है ओर संघ के साथ 7 अगस्त 2024 व 22 अक्टूबर 2022 ओर 2018 मे मानी गई मांगो के परिपत्र जारी नही किये जिसके कारण हमे बार-बार धरना-प्रदर्शन करना पड रहा है। उन्होंने कहा कि समझोते मे मानी गई माँगो मे सफाई व सीवरमैन को नियमित भर्ती प्रक्रिया के तहत पक्का करना, पोर्टल पर लगने वाली हाजरी पर रोक लगाना, जींद मे महर्षि वाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर माननीय मुख्यमन्त्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार शहरी व ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 27000 रूपये वेतन का लैटर जारी करना,फायर विभाग मे फयार आपरेटर की 2268 सैक्सन पदो पर 1327 पे रोल के कर्मचारियो को मर्ज करके समान काम-समान वेतन देना, नगर पालिकाओं नगर परिषदो व नगर निगमो व फायर विभाग मे खाली पदो पर स्थाई भर्ती करना आबादी व क्षेत्रफल के अनुसार राज्य मे 70 हजार सफाई कर्मचारियो व 10 हजार सीवर कर्मचारियो की स्थाई भर्ती करके बेरोजगार युवाओ को रोज़गार देना, गुरुग्राम, सोनीपत व अन्य छंटनी ग्रस्त कर्मचारियो को बहाल करना आदि मांगो के लिए आंदोलन जारी रहेगा और इसी कड़ी मे 26 सितंबर को सभी जिला हेडक्कार्टर पर हज़ारों की संख्या मे शहरी व ग्रामीण सफाई कर्मचारी प्रदर्शॅन करके मुख्य मंत्री के नाम अपायुको को ज्ञापन देगे, और 2 नवम्बर 2025 को हजारो की सख्या मे सफाई, दफ्तर व ग्रामीण सफाई कर्मचारी मुख्य मंत्री कैप कार्यालय पर प्रदर्शन करगे और अगर मांगो का समाधान नही हुआ तो उसी मोके पर राज्य स्तरीय बड़े आन्दोलन की धोषणा करगे जिसकी सारी जिम्मेदार राज्य सरकार की होगी। आज के प्रदर्शन मे महेन्द्र कुमार बिड़लान, राजकुमार मंचल, जगदीश कुमार, अमित कुमार क्योड़क, मुकेश कुमार, अमित कुमार जालन्धरी, सुमेश राणा, शीशपाल, विकास टाँक, फायर से सुरेन्द्र कुमार कैरो, सुल्तान सिंह, विधा रानी, वीना, रामदेव, सुेश कुमार, सन्नी कांगडा व सूरज कल्याण आदि मौजूद रहे।

बरसात के कारण खराब हुई सड़कों को नवंबर माह तक करवाया जाए रिपेयर : निखिल मदान

शहर की सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण की समस्या को दूर करने के लिए अधिकारी बरते सख्ती

बैठक में शहर की सड़कों की मरम्मत, टेंडर लगाना व खोलना व एनओसी से संबंधित विषयों पर हुई चर्चा

सोनीपत, 12 सितंबर (विनोद) : विधायक निखिल मदान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के कारण शहर खराब हुई सड़कों की मरम्मत से संबंधित कार्य को जल्द से जल्द शुरू करवाकर नवंबर माह तक पूरा करवाना सुनिश्चित करें ताकि शहरवासियों को जाम, जलभराव जैसी सड़कों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। विधायक निखिल मदान व उपायुक्त सुशील सारवान ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों की इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने शहर की सड़कों के मरम्त के कार्य, टेंडर लगाना, एनओसी व सडकों पर हो रहे अतिक्रमण के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान विशेष रूप से बहालगढ़ रोड, मुरथल रोड, देवड़ू रोड, मामा-भांजा चौक, ककरोई रोड़, महलाना रोड़ व अन्य सभी सडके पर चर्चा की गई और उनकी जल्द से जल्द मरम्मत करने की योजना बनाई गई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले वो ऐसी सभी सडकों के कार्य को पूरा करें, जिनके टेंडर लगाए जाने व जिनके टेंडर खोलने है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों निर्देश दिए कि वो आपसी तालमेल के साथ कार्य करें व एनओसी से संबंधित कार्य को जल्द पूरा कर संबंधित विभाग सडक को बनवाएं। इसके बाद उन्हें ककरोई रोड़ के कार्य को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा की और उन्हें निर्देश दिए कि इस कार्य को विभाग जल्द से जल्द शुरू करवाएं क्योंकि यह कार्य काफी समय से लंबित है, जिसको लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में उपायुक्त सुशील सारवान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो सड़कों की मरम्मत के कार्य को समयबद्ध तरीके से करवाएं और इसके लिए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। मरम्मत के बाद सडक टुटने पर संबंधित विभाग के अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर की सडकों पर हो रहे दुकान वालों व रहेड़ी वालों के अतिक्रमण को हटाने के लिए अधिकारी सख्ती बरतें व जल्द से जल्द इस समस्या से शहरवासियों को निजात दिलाए। उन्होंने कहा कि बहालगढ़ चैक पर इस अतिक्रमण की वजह से ट्रेफिक जाम की स्थिति अकसर बनी रहेती है। ऐसे ही सेक्टर 23, 14 व 15 पर भी अतिक्रमण के वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर निगम व अन्य सभी संबंधित विभागों को निर्देश दे दिए गए है, कि वो इस समस्या को जल्द से जल्द दूर करें। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों का यह नैतिक दायित्व है कि वो जिलवासियों को हो रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित करें। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, एसीयूटी योगेश दिल्हौर, सीटीएम डॉ. अनमोल, सयुक्त आयुक्त नगर निगम मीतू धनखड़, पीडब्ल्यूडी बीएडंआर से सभी एक्सीईन, एसडीओ, एचएसवीपी से एक्सीईन, इओ व सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने वाले जिला के विभिन्न गांवों के लाभार्थियों को 16 लाख 50 हजार रूपये अनुदान के रूप में चैक भेंट किए : पार्थ गुप्ता

यमुनानगर, 12 सितंबर (दिनेश कुमार) : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने आज खंड छछरौली के गांव मांडखेडी में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के 33 लाभार्थियों को 50-50 हजार रूपये के तौर पर 16 लाख 50 हजार रूपये के चैक वितरित किए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिला के 270 लाभार्थियों को अनुदान के रूप में हरियाणा सरकार द्वारा 1 करोड़ 35 लाख रुपये के चैक वितरित किए जा रहे हैं। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि देशभर में चल रहे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से देशवासियों को स्वच्छ व सस्ती ऊर्जा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा प्रदान की जा रही है जिससे उन्हें मुफ्त बिजली प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि इस स्कीम के तहत प्रति किलोवाट रूफटॉप सोलर लगवाने पर 30,000 रुपये सब्सिडी प्रदान की जाती है, 2 किलो वाट के लिए 60,000 रुपये और 3 किलो वाट या अधिक वाट के सोलर पैनल लगवाने पर 78,000 रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी ने इस स्कीम को और बढ़ावा देते हुए केन्द्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी देने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि जिले में मॉडल सोलर विलेज के तहत जिन गांवों की 5,000 हजार की आबादी वाले क्षेत्र है, उन 6 गांवों को लिया गया है जिसमें दामला, गधौली, जठलाना, कलावड़, खारवन, प्रतापनगर शामिल है। उन्होंने बताया कि खंड छछरौली के गांव परवालो, फतेहगढ, बाकरपुर, जयधर, हैदरपुर, जटहेडी, मांडखेडी, गनौली, तुगलकपुर, हरेवा, बरौली माजरा, कोटला काहन, दादुपुर, भूखडी, आदि गांवों के 33 लाभार्थियों को चैक वितरित किए। इस अवसर पर अंडर टेनिंग आइएएस सुमन यादव, एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता नरेन्द्र सिंह, जगाधरी के कार्यकारी अभियंता पवन छिक्कारा व पंकज देसवाल, सरपंच मांडखेडी रोशनी देवी, अजायब सिंह संधू, सतिन्द्र, नरेश कुमार, राजेश, विक्रम, रामदास, मास्टर तेजभान आदि उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ित किसानों को 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार : सेवा सिंह आर्य

असंध, 12 सितंबर (दलसिह मान) : भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक गुरुद्वारा डेहरा साहिब में हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया।

किसानों ने बैठक में अपनी मांगों को लेकर रोष जताया। बैठक में विशेष रूप से पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाढ़ से पंजाब व हरियाणा के कई जिलों में किसानों की फसलों का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ित किसानों को सरकार 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दे। किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिया जाए और किसान को कर्ज मुक्त किया जाए। ब्लॉक प्रधान जीवन सिंह ने कहा कि कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण न किया जाए और आवारा पशुओं का प्रबंध किया जाए। कुलवंत सिंह ने कहा कि अनाज मंडी किसान भवन का निर्माण किया जाए ताकि उसमें किसान आकर के आराम से बैठ सके। इस अवसर पर सुखवंत सिंह, मास्टर रामकुमार पीटीआई, कुलवंत सिंह, जसपाल सिंह, अंग्रेज सिंह, सोमपाल मूंड, राजेंद्र सिंह, भीम सिंह दादूपुर, शोभा सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अस्पृश्यता उन्मूलन विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों तथा समाज में समानता, भाईचारा, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना, विजेताओं को किया गया सम्मानित

बरवाला, 12 सितंबर (प्रवीन कुमार) : जिला कल्याण अधिकारी, पंचकूला द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव भरैली, ब्लॉक बरवाला, जिला पंचकुला में अस्पृश्यता उन्मूलन विषय पर वाद-विवाद संगोष्ठी योजना के अंर्तगत एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह योजना सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण व अन्तोदय (एस.ई.डब्लयू.ए), विभाग हरियाणा द्वारा चलाई जा रही है योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों तथा समाज में समानता, भाईचारा, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना तथा अस्पृश्यता और अन्य सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करना है। विद्यालय स्तर पर भाषण एवंम निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता प्रीति ने प्रथम स्थान, भारती द्वितीय और परमिंदर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में खुशी प्रथम, प्रीति द्वितीय और श्रुति तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को समाज में समानता, भाईचारे और अस्पृश्यता जैसी कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया गया है। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य एंव अध्यापकगण उपस्थित रहें और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

गांव बदरपुर में गन्ना फसल विचार गोष्ठी का आयोजन

करनाल, 12 सितंबर (सोनी दुआ) : करनाल शुगर मिल की तरफ से गांव बदरपुर में शुक्रवार को गन्ना फसल विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में गांव बदरपुर कलसौरा, बियानी व डबकौली के किसानों ने भाग लिया। गन्ना फसल विचार गोष्ठी में करनाल मिल की प्रबन्ध निदेशक अदिति सहित करनाल मिल के अधिकारी व मिल के अन्य स्टाफ ने भाग लिया। गन्ना विचार गोष्ठी में प्रबन्ध निदेशक अदिति ने किसानों को अक्टूबर महीने में गन्ने की फसल की बिजाई ट्रेंच व चार फुट और उसके साथ अंतः फसलें जैसे सरसों, लहसुन, चना, मेथी, धनिया, गेहूं की फसल की बिजाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने मिल में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की और सीजन चलने से पहले किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने मिल में 238 किस्म का रकबा कम करने का अनुरोध भी किया और इसके स्थान पर नई गन्ना किस्मों का रकबा बढ़ाने के लिए गन्ना शोध संस्थान से किसानों को बीज उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि गन्ने के सर्वे की लिस्ट मिल के प्रत्येक गांव में चस्पा कर दी जायेगी। अगर किसी किसान को अपने गन्ने के बारे में शिकायत है तो 21 सितम्बर तक लिखित रूप में दे सकता है। गन्ना निरीक्षक ने गन्ने की फसल की बिजाई की नई विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गन्ने की फसल में सिंचाई व यूरिया कम प्रयोग करने का सुझाव दिया। गन्ने की फसल में यूरिया खाद का प्रयोग 30 जून से पहले करने का भी अनुरोध किया। इफको की तरफ से आये हुए अधिकारी निरंजन यादव ने किसानों को यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया व नैनो डी-ए-पी का प्रयोग गन्ना फसल में करने की सलाह दी। इस किसान गोष्ठी में लगभग 100 किसानों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से व्यापारी वर्ग हो रहा लाभान्वित : प्रमोद सिंगला

बोले : औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है हरियाणा, विदेशों में भी भारत की एक अलग पहचान

तरावड़ी, 12 सितंबर (छाया शर्मा) : श्रीराम फूड्स तरावड़ी के मैनेजिंग डायरैक्टर प्रमोद सिंगला ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज नई ऊँचाइयों को छू रहा है। भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है और विदेशों में भी भारत की एक अलग पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनाएं लागू कर रही है, जिनका सीधा लाभ आम जनता और व्यापारी वर्ग को मिल रहा है। प्रमोद सिंगला ने बताया कि जीएसटी प्रणाली में लगातार सुधार किए जा रहे हैं, जिससे व्यापारियों को पारदर्शिता और सरलता मिली है। छोटे व मध्यम व्यापारियों के लिए जीएसटी फाइलिंग प्रक्रिया को आसान बनाना, ऑनलाइन पोर्टल की सुविधाएं बढ़ाना और समय-समय पर राहत देने वाले संशोधन मोदी सरकार की व्यापारी हितैषी सोच को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा क्रेडिट गारंटी स्कीम, पीएम स्वनिधि योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया मिशन जैसी योजनाएं व्यापार जगत के लिए बड़ी सौगात साबित हुई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से न केवल व्यापारियों को आसान ऋण उपलब्ध हो रहा है, बल्कि नए व्यापारियों और युवाओं को भी रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। इस मौके पर उद्योगपति साहिल सिंगला और रजत सिंगला ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने व्यापारियों का विश्वास जीतने का काम किया है। प्रदेश सरकार की नीतियों के चलते हरियाणा आज औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है। उन्होंने कहा कि तरावड़ी जैसे कस्बों में भी व्यापारी वर्ग को सरकार की योजनाओं से सीधे लाभ मिल रहे हैं। भविष्य में और भी नई नीतियां लागू होंगी, जिससे व्यापार और उद्योग का विस्तार होगा।

अवैध शराब की तस्करी के तीन मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार

कब्जे से 91 बोतल अवैध देसी शराब की बरामद

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला) : अवैध शराब की तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने अलग-अलग तीन मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 91 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। इस मामले में एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज उप निरीक्षक हिम्मत सिंह ने बताया कि टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध देशी शराब की तस्करी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पहले मामले में टीम द्वारा घरौंडा के एरिया से आरोपी भाग सिंह निवासी गांव स्टोंडी, करनाल को 34 बोतल अवैध देशी शराब सहित काबू किया गया। दूसरे मामले में टीम द्वारा घरौंडा से दो आरोपी जिनमें विकी व राजू निवासी बाली कालोनी घरौंडा से 24 बोतल देसी शराब सहित काबू किया गया। दोनों मामलों में थाना घरौंडा में आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा तीसरे मामले में टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार सेक्टर 32/33 के एरिया से आरोपी मोहित निवासी दुर्गा कॉलोनी, करनाल को 33 बोतल अवैध देसी शराब सहित काबू किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 32/33 में आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन तीनों मामलों में चारों आरोपियों को न्यायालय के सम्मुख पेश किया गया।

दिन में कम से कम दो बार व दो मिनट तक ब्रश करना बेहद जरूरी : डॉ. शालिनी

कमालपुर, चुरनी में मौखिक स्वास्थ्य व दंत जांच शिविर आयोजित

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला) : पीएचसी रम्बा के अधीन राजकीय माध्यमिक विद्यालय कमालपुर रोड़ान, चुरनी और दरड़ में शुक्रवार को मौखिक स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर लगाया गया। यह शिविर पीएचसी इंचार्ज डॉ. प्रगति के आदेशानुसार दंत चिकित्सक डॉ. शालिनी, नर्सिंग ऑफिसर संदीप कौर और हैल्थ इंस्पेक्टर राजेश पिचौलिया की देखरेख में आयोजित हुआ। डॉ. शालिनी ने विद्यार्थियों को मौखिक स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया और बताया कि दिन में कम से कम दो बार फ्लोराइड टूथपेस्ट से दो मिनट तक ब्रश करना चाहिए। साथ ही जीभ की सफाई और फ्लॉसिंग की आदत अपनाना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सही आदतों से दांतों की सड़न और मसूड़ों की बीमारियों से बचा जा सकता है। शिविर में विद्यार्थियों के दांतों की जांच की गई और उन्हें दंत देखभाल संबंधी उपयोगी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने अहम भूमिका निभाई।

हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष :

पात्र लाभार्थियों को जल्द से जल्द मिले इलाज की की राशि : मोनिका शर्मा

करनाल, 12 सितंबर (सोनी दुआ) : करनाल की सीटीएम मोनिका शर्मा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष से जुड़ी समीक्षा बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष के पात्र लाभार्थियों को जल्द से जल्द इलाज की राशि मिले। इसमें अधिकारी किसी तरह की कोताही न बरतें। संबंधित विभाग समय से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि लाभार्थियों को समय पर राशि मिल सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों को सरल पोर्टल पर आवेदन की सुविधा प्रदान की गई है। यह प्रक्रिया सरल और आसान है। मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। आवेदक अपनी पीपीपी यानी परिवार पहचान पत्र आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए आवेदकों को चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल आदि संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पानी बचाएं, क्योंकि पानी की हर बूंद में है जीवन : नेहा शर्मा

जल बचाना आज हमारी आवश्यकता भी है और बेहतर कल के लिए हमारी जिम्मेदारी भी

निसिंग, 12 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : गांव मोहद्दीनपुर के सरपंच सुधीर की अध्यक्षता में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की मीटिंग व जल चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग कि तरफ से चीफ केमिस्ट अमित राणा जिला सलाहकार नेहा शर्मा व कनिष्ठ अभियंता भगवान मौजूद रहे।इस अवसर पर जिला सलाहकार नेहा रानी द्वारा जल संरक्षण, खाली चल रहे नलों पर टूंटी लगवाने,पीने के पानी के उचित रख रखाव, अशुद्ध जल पिने से होने वाली बीमारियों बारे, पानी की शुद्धता एवम गुणवत्ता की जाँच बारे,पानी समिति की जिम्मेदारियां तथा कर्तव्य बारे जानकारी व एसएचजी सदस्यों की कमेटी में जिम्मेदारी व भागीदारी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ विभाग के चीफ केमिस्ट अमित राणा ने क्लोरीन की जांच की पूरी विधि ग्रामीणों को बताई और दूषित जल से जनित रोग एवं उसके उपचार भी बताएं। जल घर का डोजर भी चेक किया गया जो सही था। सभी को जल संरक्षण की शपथ भी दिलवाई गई और पानी की गुणवत्ता भी चेक की गई। जिला सलाहकार नेहा शर्मा ने कहा कि जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें देश के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए जल की एक एक बूंद को बचाना जरूरी हैं। नेहा शर्मा ने बताया कि हर संभव तरीके से जल का संरक्षण करें क्योंकि जल की प्रत्येक बूँद में जीवन है, अमृत है। इसकी प्रत्येक बूँद में हमारा सुनहरा भविष्य निहित है। जल बचाना आज हमारी आवश्यकता भी है और बेहतर कल के लिए हमारी ज़िम्मेदारी भी। आज बचाया गया जल ही सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेगा। जल बचाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज, हर वर्ग और हर व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है। अगर हम आज जल बचाएँगे, तभी हमारा भविष्य बेहतर होगा। उन्होनें जल से संबंधित शिकायत निवारण हेतु विभाग द्वारा जारी ट्रोल फ्री न. 1800 180 5678 के बारे मे भी बताया।

जाट महासभा करनाल की आम सभा की बैठक 14 सितंबर को

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला) : जाट महासभा करनाल की आम सभा की बैठक 14 सितंबर को बुलाई गई है। यह बैठक जाट धर्मशाला सेक्टर 12 में सुबह 11 बजे शुरू होगी। जाट महासभा के प्रधान भूपिंद्र लाठर भुप्पी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मीटिंग में कई एजेंडों पर चर्चा की जाएगी। पिछली वार्षिक आम सभा की पुष्टि की जाएगी। इसके बाद वर्ष 2024-25 की ऑडिट बैलेंस शीट पर विचार विमर्श करने के बाद सबकी स्वीकृति ली जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटीज करनाल व स्टेट रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटीज हरियाणा एक्टर 2012 के तहत कुछ सदस्यों की समीक्षा बैठक में की जाएगी। वर्ष के दौरान कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ भावी योजनाओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कोलिजियम व समाज के व्यक्तियों से आह्वान किया कि मीटिंग में पहुंचकर अपने सुझाव रखें। जाट महासभा की सदस्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करें।

सर्किट हाउस के चारों तरफ ग्रीन बेल्ट को विकसित कर किया जाएगा सौंदर्यीकरण : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 12 सिंतबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सर्किट हाउस के चारों तरफ ग्रीन बेल्ट को जल्द से जल्द विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। इतना ही नहीं स्वच्छता अभियान के दौरान कोर्ट परिसर, नए लघु सचिवालय के परिसर व पटवार खाना के आस-पास गंदगी मिलने पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाएगा और स्वच्छता के मामले में लापरवाही बरतने पर नप के 3 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को सुबह जिला प्रशासन और लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर 9 आरडब्ल्यूए के तत्वाधान में सर्किट हाउस व आस-पास के क्षेत्र में चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, डीएमसी अमन कुमार, जिला परिषद सीईओ शम्भू राठी, नगराधीश आशीष कुमार, डीआईपीआरओ डा. नरेन्द्र सिंह,डीएफओ ऋषिराज, लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर 9 आरडब्लयूए के प्रधान सुखविन्द्र सिंह, अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी, सेवानिवृत डीएसओ यशवीर सिंह, समाजसेवी बलराज ग्रेवाल सहित वरिष्ठ नागरिकों,खेल विभाग के प्रशिक्षक चांद राम, सोहन लाल व पूनम सहित उनके खिलाडियों ने 2 घंटे शहर को स्वच्छ बनाने के लिए श्रमदान दिया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के साथ-साथ सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने सर्किट हाउस के चारों तरफ गंदगी और कचरे को उठाया और सर्किट हाउस के चारों तरफ गंदगी के लिए जिम्मेवार सर्किट हाउस के माली को फटकार लगाई। इसके उपरांत पटवार खाना में कांग्रेस घास, नए लघु सचिवालय के परिसर के अंदर और बाहर लगे गंदगी के ढेरों को लेकर नप कर्मचारियों और कैंटीन संचालक को भी फटकार लगाते हुए सारी गंदगी को तुरंत साफ करने के निर्देश दिए है। इतना ही नहीं उपायुक्त सहित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने करीब 4 से ज्यादा डम्पर कचरे के उठाए। उन्होंने आरडब्ल्यूए सेक्टर 9 के प्रधान और सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि अपने सेक्टर के अलावा शहर को स्वच्छ बनाने में श्रमदान दिया है। इससे दूसरी संस्थाओं को भी प्रेरणा लेकर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए आगे आना चाहिए।

लघु सचिवालय के आस-पास पेड़ों की ट्रिमिंग करने और सौंदर्यीकरण के लिए दिए निर्देश

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने वन विभाग के अधिकारी और एचएसवीपी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लघु सचिवालय के आस-पास के पेड़ों की ट्रीमिंग करवाई जाए। इसके साथ ही लघु सचिवालय के आस-पास सडक् के किनारे अच्छे पेड़ पौधे लगाकर सौन्दर्यकरण का कार्य किया जाए। सभी अधिकारी इस विषय को गंभीरता से ले और शहर को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे।

सर्किट हाउस के आस-पास रेहडियों के खड़ा होने पर लगाई पाबंदी

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने सर्किट हाउस के आस-पास फल फ्रूट वाली रेहड़ियों के खड़ा होने पर पाबंदी लगाने के निर्देश दिए है। इन रेहड़ी संचालकों ने सर्किट हाउस के आस-पास गंदगी के ढेर लगाए हुए थे। उन्होंने रेहड़ी संचालकों को मौके पर समझाया और चेतावनी दी कि भविष्य में रेहड़ी लगाकर गंदगी फैलाने का प्रयास किया तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाना भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गर्व की बात : भारत भूषण कपूर

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला) : भाजपा शहरी मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाए जाने की तैयारियों को अंतिम रूप देना था। बैठक में मंडल के पदाधिकारियों के साथ-साथ शक्ति केंद्रों के प्रमुखों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण कपूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा खुद को देश की जनता का सेवक माना है और राष्ट्र की सेवा को सर्वोपरि रखा है। उनका पूरा जीवन समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित को समर्पित है। ऐसे में उनके जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। कपूर ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा पखवाड़े के दौरान होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और सहयोग की भावना को पहुंचाए। इस अवसर पर शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी एवं मंडल प्रभारी नवीन कुमार ने कार्यकर्ताओं को सेवा पखवाड़े के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इसमें स्वास्थ्य जांच शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, जरूरतमंदों को वस्त्र एवं भोजन वितरण, वृद्धाश्रम व अनाथालयों में सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण अभियान जैसे कई सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के मूल मंत्र को जन-जन तक पहुंचाऐंगे। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में इस सेवा पखवाड़े को ऐतिहासिक और सफल बनाने का संकल्प लिया। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने शक्ति केंद्रों पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ेंगे। इस अवसर पर विशेष रूप से मंडल प्रभारी नवीन कुमार, शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी, अमित आहूजा, ललित चौधरी, महामंत्री मोनू शर्मा, विशाल चैनालिया, राहुल भटनागर, राजेश कथूरिया, अशोक जैन, अनुज जायसवाल, गुलशन जौहर, शुभम चौहान, नवदीप चांवरिया, अमित पॉल, सोमपाल, सन्नी कुमार, मनोज वैद, मनोज कुमार, कृष्ण नायक, नीटू कश्यप सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम राहुल ने आगजनी की घटनाएं रोकने के लिए गठित टीमों को दिए निर्देश

पराली जलाने की घटनाएं असंध क्षेत्र में हो शून्य, संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी गंभीरतापूर्वक करें अपनी ड्यूटी

असंध, 12 सितंबर (दलसिह मान) : एसडीएम राहुल (आईएएस) ने शुक्रवार को फसल कटाई के बाद पराली ना जलाने को लेकर बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में असंध उपमंडल से संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि असंध क्षेत्र में धान की कटाई के पश्चात कोई भी किसान फसल अवशेष (पराली) में आग न लगाए। बैठक में एसडीएम ने आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए गठित टीमों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में यह प्रयास करें कि आगजनी की घटना शून्य हो। टीम से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पराली आगजनी को लेकर आगामी एक माह अत्यंत संवेदनशील हैं। इस दौरान कोई भी अधिकारी व कर्मचारी अवकाश पर नहीं रहेगा और ना ही अपना फोन बंद रखेगा। सभी अपने-अपने क्षेत्र में रहकर आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण रखेंगे और वाट्स ऐप ग्रुप बनाकर उसे अपडेट रखेंगे। उन्होंने संबंधित एसएचओ और टीम 112 को भी किसी शिकायत बारे में तुरंत एक्शन लेने तथा अपने क्षेत्र में निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी गांवों के सरपंच, ग्राम सचिव, पंच एवं नंबरदार खेतों में आगजनी न करने की सूचना को गांव के गुरूद्वारा, मंदिरों, मस्जिदों में एनाउसमेंट करवाकर या स्कूलों में विद्यार्थियों के माध्यम से प्रसारित करवाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा सके और आगजनी की घटनाओं को रोका जा सके। इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी आगजनी की घटना से संबंधित सूचना को तुरंत उपमंडल प्रशासन को दें। इसके लिए एसडीएम कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उन्होंने फायर ब्रिगेड टीम को भी निर्देश दिए कि आगजनी क्षेत्र में जल्द से जल्द पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। एसडीएम ने कहा कि सभी अपनी ड्यूटी को गंभीरतापूर्वक करे, ड्यूटी में कोताही बरतने वाले आधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी किसान खेतों में पराली ना जलाए, यदि कोई ऐसा करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार उचित कार्यवाही अमल में लाएं और इसकी सूचना एसडीएम कार्यालय में दें। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन यानी पराली प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार द्वारा प्रति एकड़ 1200 रूपये की जो प्रोत्साहन राशि दी जाएगी उसका लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए और उन्हें पोर्टल पर पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित करें।

एसडीएम ने किसानों से अपील की कि वे फसल अवशेषों का समुचित प्रबंधन करने के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करें, कहीं पर भी खेतों में फसल अवशेष न जलाएं। इससे जमीन की सेहत और पर्यावरण दोनों बिगड़ते हैं और भी कईं तरह की बीमारियां फैलने का अंदेशा बना रहता है। किसानों को चाहिए कि वे अवशेषों का प्रबंधन कर अपनी आमदनी व जमीन की उर्वरता शक्ति बढ़ाए। इस मौके पर एएससीओ सुरेन्द्र टामक, खंड कृषि अधिकारी डॉ बलदेव सिंह व कृषि विकास अधिकारी डॉ श्याम सिंह ने सभी को बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन कैसे किया जाए और इस पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर तहसीलदार नवजीत कौर बराड़, नायब तहसीलदार राधेश्याम, विशाल गोयत, सुरेन्द्र कुमार सहित पटवारी, ग्राम सचिव, जेई, वीएलडीए, एनिमल अटैंडेंट व कृषि विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जल की हर बूंद अमृत समान, करें समझदारी से इस्तेमाल

गांव-गांव जाकर दी जाएगी वर्षा जल संचयन और साफ पानी की जानकारी

यमुनानगर, 12 सितंबर (संजीव कुमार) : जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन की ओर से शुक्रवार को ग्राम पंचायत शेरपुर में एक विशेष जागरूकता बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच जगमाल सिंह ने की, जबकि जिला सलाहकार रजनी गोयल ने ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जल अनमोल है, इसकी एक-एक बूंद अमृत समान है। अगर अभी से नहीं संभले तो भविष्य में पानी की बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। बैठक में वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) को अपनाने की अपील की गई। रजनी गोयल ने कहा कि बरसात के मौसम में बारिश का पानी सबसे शुद्ध होता है। अगर गांव इसे सहेजेगा तो आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ पानी मिलेगा। उन्होंने ग्रामीणों को आगाह किया कि डायरिया, हैजा, उल्टी-दस्त जैसी 80 प्रतिशत बीमारियां दूषित पानी से फैलती हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में पानी को हमेशा उबालकर पिएं, पाइप लाइन को नाली से दूर रखें और घरों में पानी खुला न छोड़ें। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं हर महीने 25 दिन तक क्लोरीन टेस्ट करेंगी। 1 दिन में पानी के तीन सैंपल की जांच की जाएगी प्रति सैंपल जांच के लिए विभाग उन्हें 10 देगा। इस अवसर पर विभाग की टीम ने गांव में डोर-टू-डोर जाकर टूंटियां चेक कीं और ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया। ट्यूबवेल का डोजर और क्लोरीन की जांच भी की गई, जो सही पाई गई। बैठक में एसडीओ गुरदीप सिंह, केमिस्ट नीरज मेहता, लैब सहायक सुखविंदर सिंह, जूनियर इंजीनियर धर्मवीर राठी, भरत सिंह, बीआरसी विजय कुमार, सतीश कुमार, दिनेश सिंह, मुनीश कुमार, पंप ऑपरेटर सुलेख चंद, आंगनवाड़ी वर्कर कमलेश कुमारी, आशा वर्कर गीता देवी, पंच बलबीर सिंह, अमरनाथ समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गीता भवन सहित 17 संस्थाओं ने पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत की अगुवाई में पंजाब में बाढ़ राहत के लिए दी सात लाख रुपये की राशि

कैथल, 12 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : हैफेड के पूर्व चेयरमैन एवं गीता भवन मंदिर के प्रधान कैलाश भगत की अगुवाई में गीता भवन सहित 17 संस्थाओं ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एकत्रित किए गए सात लाख रुपये जिला प्रशासन के माध्यम से भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी को सौंपे। इस मौके पर जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश विशेषरूप से मौजूद रहे। सहायता राशि के लिए भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी तथा सीईओ सुरेश राविश ने सभी संस्थाओं का धन्यवाद व्यक्त किया और आमजन से आह्वान किया कि वे पंजाब में आई प्राकृतिक आपदा में मदद के लिए आगे आएं। जिला प्रशासन के साथ तालमेल करते हुए राहत सामग्री पहुंचाएं। भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी ने कहा कि आज हैफेड पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत की अगुवाई में विभिन्न संस्थाओं ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए सात लाख रुपये दिए हैं। इसके लिए हम इनका तह दिल से धन्यवाद करते हैं। पहले भी प्रशासन व पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से एक ट्रक राहत सामग्री भेजी जा चुकी है। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने इस आपदा में बढ़चढ़ कर सहयोग किया है और आगे भी सहयोग के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब में बाढ़ राहत के लिए सौलह सौ करोड़ रुपये व जम्मू एवं कश्मीर में पंद्रह सौ करोड़ रुपये का राहत पैकेज दिया है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पांच-पांच करोड़ रुपये की राशि आपदा राहत के लिए दे चुके हैं। वहीं पूरे प्रदेश से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में पंजाब में बाढ़ राहत के लिए राहत सामग्री में राशन, मेडिकल किट, चारा सहित तमाम वे चीजें भेजी जा रही हैं, जिनकी पंजाब में इस समय पीड़ित लोगों को आवश्यकता है। मुख्यमंत्री राहत कार्य पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हैफेड के पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल में प्राकृतिक आपदा की वजह से लोगों की फसलें खराब हो गई। लोगों की जान चली गई। उसी संबंध में पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए गीता भवन सहित 17 संस्थाओं ने मिलकर राहत कोष में सात लाख रुपये बीजेपी अध्यक्ष ज्योति सैनी के माध्यम से जिला प्रशासन को दिए हैं। इस प्राकृतिक आपदा में सभी संस्थाएं एकजुट हैं। जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश ने कहा कि जैसा की विदित है कि पंजाब में जो बाढ़ आई है। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रशासन ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर एक मुहिम चलाई है। जिसमें पंजाब में राहत सामग्री भेजी जा रही है। इसमें खाद्य पदार्थ, आहार, मच्छरदानी, सैनिट्री पैड, मशीन, फोगिंग मशीन व तिरपाल आदि भेजी जा रही है। इसी कड़ी में वीरवार को पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत जी की अगुवाई में गीता भवन सहित विभिन्न संस्थाओं ने सात लाख रुपये की राशि सहायता के तौर पर दी है। इससे पहले सांसद नवीन जिंदल जी ने पांच लाख तथा बीजेपी कार्यालय की ओर से 3.5 लाख रुपये का सहयोग गया था। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एक क्लस्टर बनाया गया है, इसमें कैथल, सिरसा, फतेहाबाद तथा फरीदाबाद जिला शामिल हैं। इन चारों जिलों को मिलकर पंजाब के फाजिल्का और फिरोजपुर बाढ़ पीड़ितों की मदद की जिम्मेदारी दी गई है। पहले भी कैथल की ओर से एक ट्रक राहत सामग्री का भिजवाया जा चुका है। इस अवसर पर बीजेपी जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, हैफेड के पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत, शिव शंकर पाहवा, सुरेश संधू, मनीष शर्मा, बलविंद्र जांगड़ा, नरेंद्र निझावन, राम किशन डिगानी, वीके चावला, धन सचदेवा, सुभाष कथूरिया, सुषम कपूर, महेश धमीजा, राकेश मल्होत्रा, प्रदर्शन परूथी, अशोक आर्य, सुभाष नारंग, तुलसी मदान, अरविंद चावला, ब्रह्म खुराना, दर्शन भट्ठला, वरुण मदान, महेश दुआ, ज्ञान प्रकाश कुमार, अर्जुन गेरा, रानी भगत, डॉ जयंती शर्मा, ईशा भगत, निधि भटला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस सहायता राशि में श्री गीता भवन मंदिर सभा कैथल, पंजाबी वेलफेयर सभा, सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी, पंजाबी सेवा सदन, श्री सिद्धपीठ शिव वाटिका, श्री राम कुटिया प्रताप गेट कैथल, सिरयाकी परिवार, लायंस क्लब कैथल, जनता मार्केट एसोसिएशन, सेवा संघ कैथल, सब्जी मंडी एसोसिएशन, ईगल क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट, श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति कैथल, कपड़ा मार्किट एसोसिएशन, कृपाल आश्रम, गुड मॉर्निंग क्लब कैथल, आर एसोसिएशन कैथल का सहयोग रहा।

मंडियों में पारदर्शिता के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाएगी सरकार : बहादुर मेहला

मंडियों में किसानों को आने वाली दिक्कतों को लेकर सरकार के उच्च अधिकारियों से मिला था किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा

करनाल, 12 सितंबर (रविन्द्र मलिक) : हरियाणा की मंडियों में किसानों को आने वाली दिक्कतों को लेकर हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ में सरकार के उच्च अधिकारियों से मिला था। इस वार्ता में कई मांगों पर सहमति बनी थी। प्रदेश सरकार की ओर से एक आदेश जारी कर कई मांगों को पूरा करने का काम किया गया है। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम के प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने कहा कि कुछ मांगें पूरी हुई हैं। सरकार के साथ ही हुई बैठक में एक मुख्य मांग थी कि अनाज मंडियों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे का प्रबंध किया जाए। सरकार ने लेटर जारी करके इलेक्ट्रॉनिक कांटें रखने का आदेश जारी कर दिया है। पिछले गेहूं के सीजन में कुरुक्षेत्र, करनाल समेत हरियाणा की कई मंडियों में 10-15 किलो प्रति बोरी तक गेहूं फालतू तोला गया था। इलेक्ट्रॉनिक कांटों से बड़े पैमाने पर पारदर्शिता आएगी और तोल में गड़बड़ी बंद होगी। उन्होंने कहा कि दूसरा गेट पास क्यूआर स्कैनर कोड और मोबाइल ऐप से डाउनलोड कर सकेंगे ताकि मंडी गेट पर ट्रैक्टरों की लंबी-लंबी लाइन न लगे। तीसरा दुकानों पर मोईसचर मीटर भी डिजिटल होगा और प्रत्येक दुकान पर पांच डिजिटल मोईसचर मीटर रखने के आदेश जारी किए गए हैं। बहादुर मेहला ने कहा कि सरकार के आदेश मंडियों में लागू होंगे तो किसानों के लिए कुछ राहत की बात होगी। यूनियन को उम्मीद है कि चंडीगढ़ में अधिकारियों के साथ वार्ता में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उन सभी को शीघ्र पूरा करते हुए आदेश जारी किए जाएंगे।

शीशगंज गुरुद्वारे में गूंजा सतनाम वाहेगुरु नाम सिमरन जाप, कार्यक्रम के समापन पर उमड़ा जनसैलाब

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने की थी धर्म और मानवता की रक्षा : बीबी कपूर कौर

तरावड़ी, 12 सितंबर (छाया शर्मा) : श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम को समर्पित सतनाम वाहेगुरु नाम सिमरन जाप का आज तरावड़ी के ऐतिहासिक नौवीं पातशाही शीशगंज गुरुद्वारा साहिब में भावपूर्ण समापन हुआ। यह आयोजन 1 सितम्बर से आरंभ होकर 11 सितम्बर तक श्रद्धा और आस्था के साथ निरंतर चला। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में संगत गुरुद्वारे साहिब पहुंची। वातावरण में गूंजते वाहेगुरु नाम और गुरबाणी ने संगत को आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा प्रदान की। समागम में पहुंचे महान कथावाचकों ने गुरमत संदेश और गुरबाणी की

व्याख्या कर संगत को निहाल किया। यह आयोजन हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की सदस्य बीबी कपूर कौर सौंकड़ा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपने प्राण न्यौछावर कर धर्म और मानवता की रक्षा की थी। उनका जीवन हमें साहस, त्याग और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम की विशेष देखरेख कार सेवा दिल्ली वाले बाबा बच्चन सिंह और जत्थेदार बाबा जोगा सिंह द्वारा की गई।

बाबा जोगा सिंह ने कहा कि नाम सिमरन मनुष्य को न केवल आध्यात्मिक शक्ति देता है बल्कि समाज में भाईचारा और प्रेम भी बढ़ाता है। समापन समारोह में सिख समुदाय से जुड़े कई गणमान्य लोग, समाजसेवी, धार्मिक नेता और संगतें शामिल हुईं। सरपंच एसोसिएशन नीलोखेड़ी के प्रधान भूपेंद्र सिंह लाडी ने कहा कि गुरु साहिब का जीवन और बलिदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और यह आयोजन समाज में एकता व सद्भावना का संदेश देता है। इस अवसर पर पूर्व सरपंच लखविंद्र सिंह, मैनेजर परमजीत सिंह, गुरप्रताप सिंह, रिंकू खुराना, कंवल खुल्लर, सननी कालड़ा, सर्बजीत संधू, वरिंद्र नकल, अमरजीत पूजम, ओंकार गामड़ी समेत क्षेत्रभर से पहुंची संगत मौजूद रही।

बाबू मूलचंद एक समर्पित राजनेता और कुशल प्रशासक रहे : अनिल शर्मा

कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता सैनानी बाबू मूल चंद जैन की पुण्य तिथि पर दी उन्हें श्रद्धांजलि

करनाल, 12 सितंबर (संदीप रोहिला) : कांग्रेस सेवादल की ओर से स्वतंत्रता सैनानी बाबू मूल चंद जैन की पुण्य तिथि के अवसर पर उन्हें

श्रद्धांजलि दी गई। आईटीआई में उनकी प्रतिमा पर पुष्पमालाएं अर्पित कर नमन किया गया। जिला प्रधान अनिल शर्मा व सलाहकार अशोक जैन ने कहा कि बाबू मूलचंद एक समर्पित राजनेता और कुशल प्रशासक रहे। वह आजादी से पहले स्वतंत्रता सेनानी तथा उसके बाद सांसद, विधायक, मंत्री और कई पदों पर रहे। इस संस्थान का नाम बाबूजी के नाम पर रखना बड़े गर्व का विषय है। उनकी यादें हमेशा रास्ता दिखाती रहेंगी।

सत्ता के विभिन्न पदों पर होने के बावजूद बाबू मूलचंद जैन ने निजी स्वार्थों को परे रखा और समाज हित के लिए कार्य किया। इस अवसर पर ग्रामीण जिला प्रधान मदन राणा पूर्व विधायक लहरी सिंह, तरूण चौहान, सलाहकार अशोक जैन, प्रदेश सचिव बलजीत चौहान, प्रदेश संगठन सचिव ईशम सिंह, प्रदेश महासचिव जितेंद्र पांचाल, जिला प्रवक्ता दीपक चौधरी, महासचिव गुरमीत सिंह, जिला कोर्डिनेटर जयनारायण, इंद्री ब्लॉक प्रधान श्रवण प्रधान, मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा, सचिव सतपाल चौहान, अशोक कुमार, विकास कांबोज, रणधीर नरवाल, सुरेंद्र डाकवाल व नवजोत चौधरी मौजूद रहे।

अधिकारी तत्परता से करें जन शिकायतों का निवारण : डीसी

करनाल, 12 सितंबर (सुनील कुमार) : डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि समाधान शिविर में आई जन शिकायतों का तत्परता से समाधान किया जाए। किसी भी विभाग में ज्यादा दिन तक कोई शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। अधिकारी स्वयं यह निगरानी रखें कि उनके पास समाधान शिविर या अन्य किसी माध्यम से आई शिकायत को आए कितना समय हो गया है। डीसी उत्तम सिंह शुक्रवार को समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय चंडीगढ़ द्वारा वीसी के माध्यम से सभी जिलों के समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा की गई। इस दौरान करनाल द्वारा भेजी जा रही रिपोर्ट की सराहना की गई। वीसी के दौरान डीसी ने बताया कि समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। प्रत्येक शिविर में दर्ज शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है और विभागवार कार्रवाई की स्थिति सीएम कार्यालय को अवगत कराई जा रही है। बैठक में डीसी उत्तम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का समय पर समाधान किया जाए ताकि उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 60 दिनों से अधिक पुरानी शिकायतों व लंबित तथा रि-ओपन शिकायतों का त्वरित गति से समाधान किया जाए ताकि आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिला व उपमंडल स्तर पर लगाए जा रहे शिविरों को अधिकारी गंभीरता से लें ताकि नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। बैठक में एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, सीटीएम मोनिका, डीडीपीओ कंचनलता, डीएसपी राजीव सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान की प्रवृत्ति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं : नीलम सैनी

लाडवा, 12 सितंबर (राम गोपाल) : ब्लॉक स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी नीलम सैनी के मार्गदर्शन में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस प्रदर्शनी में ब्लॉक के सभी राजकीय विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का मुख्य विषय पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास रखा गया था। विद्यार्थियों ने सौर एवं पवन ऊर्जा, जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, हरित भवन, सतत् कृषि पद्धतियाँ, जैव विविधता संरक्षण, नवीन तकनीकें आदि विषयों पर आकर्षक मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों में नवीनता, उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी नीलम सैनी ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान की प्रवृत्ति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

इस मौके पर प्रियंका कम्बोज, कोमल देसवाल, राजन धीमान, विद्यालय मुखिया बलबीर, शिश पाल तथा क्षेत्र

के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं विद्यालयों के अध्यापक-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने बच्चों के मॉडलों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। अंत में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

10 क्लस्टर में बांटकर किया जाएगा शहर का सौंदर्यीकरण, पार्षद की भूमिका होगी अहम : सुमन बहमनी

यमुनानगर, 12 सितंबर (ब्यूरो) : हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत शहर के सौंदर्यीकरण व सफाई के लिए नगर निगम क्षेत्र के 22 वार्डों को 10 क्लस्टर में बांटा गया है। एक क्लस्टर में दो या तीन वार्डों को शामिल किया गया है। प्रत्येक क्लस्टर में एक नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। जो अपने क्लस्टर की सुंदरता व सफाई व्यवस्था बेहतर बनाएगा। इस अभियान में प्रत्येक पार्षद का योगदान अहम है। पार्षद अपने वार्ड के सभी लोगों को इस अभियान से जोड़े और उन्हें सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने और गंदगी न फैलाने के लिए समझाएं। मेरा वार्ड सबसे सुंदर वार्ड बनाने का हर पार्षद प्रयास करें। सबसे सुंदर वार्ड के पार्षद व नोडल अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा। यह बात मेयर सुमन बहमनी ने शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के साथ सभी निगम पार्षदों की बैठक लेने के दौरान कही। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि प्रत्येक पार्षद अपने अपने क्षेत्र में ऐसे प्वाइंट चिन्हित करें, जहां गंदगी अधिक जमा होती है। खुले में कचरा कहां कहां पड़ा है। अभियान के तहत इन प्वाइंट को साफ किया जाएगा। पार्षद अपने वार्ड के लोगों को इन प्वाइंट पर दोबारा कचरा न डालने के बारे समझाएं। अपने वार्ड के प्रत्येक गली, मोहल्ला, कॉलोनी के लोगों को अभियान से जोड़े। वार्ड की धार्मिक संस्था, मंदिर कमेटी, समाजसेवी संस्था व अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं को अभियान से जोड़े और 25 सितंबर को सभी मिलकर अपने वार्ड में स्पेशल ड्राइव चलाकर शहर को साफ करने में सहयोग करें। अपने वार्ड को जीरो वेस्ट बनाए। निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने पार्षदों से आह्वान किया कि वे स्वच्छता अभियान में ट्रैक्टर ट्रॉली व अन्य संसाधन दें। अतिक्रमण, अवैध कब्जा करने वालों को समझाएं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक गली, सड़क व कॉलोनी से ईंट, पत्थर, रोडे, कचरा साफ किया जाएगा। अधिक से

अधिक लोग इस अभियान में भाग लें। उन्होंने कहा कि जल्द ही डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की सुविधा बेहतर होगी।

अगले सप्ताह तक सभी टिप्पर पूरे होंगे। जिससे बाद कचरा कलेक्शन की समस्या खत्म हो जाएगी। शहर के कचरा प्वाइंट खत्म होंगे। फिर यदि कोई भी खुले में कचरा डालेगा तो उस पर कार्रवाई होगी। इस दौरान पार्षदों ने अपनी समस्याएं रखी। जिनका मौके पर समाधान किया गया। मेयर सुमन बहमनी व निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने आमजन से अपील की कि वे शहर को स्वच्छ बनाने में निगम का सहयोग करें। खुले में कचरा न डाले। सूखा व गीला कचरा अलग अलग करके निगम के वाहनों में डाले। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें। सरकार द्वारा चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। मौके पर विशेष अधिकारी सफाई अनिल कुमार यादव, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक, मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन, मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल व सभी पार्षद व मनोनित पार्षद मौजूद रहें।

निक्षय मित्र योजना के तहत 64 टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण सामग्री की गई वितरित

सीटीएम मोनिका शर्मा तथा एडीए आरती वशिष्ठ ने लिया एक-एक टीबी मरीज को गोद

करनाल, 12 सितंबर (परमजीत कौर) : सिविल सर्जन डॉ पूनम चौधरी ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र योजना चलाई जा रही है।

इसके तहत शुक्रवार को गणमान्य व्यक्तियों व संस्थाओं द्वारा 64 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण सामग्री वितरित की गई। उन्होंने बताया कि सीटीएम मोनिका शर्मा द्वारा एक, एडीए आरती वशिष्ठ द्वारा एक, अग्रवाल सभा सेक्टर-7 के प्रेसिडेंट नीरज अग्रवाल द्वारा 11, सरकारी कर्मचारी फार्मेसी एसोसिएशन के प्रेसिडेंट राजेश सिंगला द्वारा 10, सेल्स टैक्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट भीम सिंह द्वारा 5, पवनांजलि अस्पताल पानीपत से डा. अंजलि बंसल द्वारा 20, रोक्स जिम सैक्टर-4 के मालिक मनोज द्वारा 10 तथा डा0 मोनिका सिंघी द्वारा 6 टी0बी0 के मरीजों को गोद लिया गया और उन्हें पोषण सामग्री वितरित की गई। सिविल सर्जन ने बताया कि इस समय करनाल जिले में 2700 टी.बी. के मरीजों का इलाज चल रहा है जिनको गोद लेकर प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ वितरित किये जाने हैं, जिसके लिए समाजसेवी संस्थाओं से अपील है कि वह इस मुहिम में अपना योगदान दें ताकि टी.बी. मुक्त भारत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। भारत में विश्व के सबसे अधिक टीबी के मरीज हैं। यदि किसी व्यक्ति में टीबी के लक्षण पाए जाते हैं तो वह नजदीक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच व ईलाज करवाएं। सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीबी से सम्बंधित जांच व इलाज मुफ्त किया जाता है। इसलिए मरीजों को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा टीबी को नोटिफाइबल डिजीज घोषित किया गया है, जिसके अंतर्गत सभी प्राइवेट अस्पताल/क्लीनिक एवं लैब को टीबी के केस को रिपोर्ट करना आवश्यक है। उप-सिविल सर्जन (टीबी) डॉ. सिम्मी कपूर द्वारा बताया गया कि टी.बी. एक संक्रामक रोग है जो शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है, मगर मुख्यत: यह फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने एवं थूकने से फैलती है। यदि समय पर जांच एवं इलाज शुरू न किया जाये तो एक टीबी का मरीज 10-15 व्यक्तियों को टीबी की बीमारी दे सकता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए वर्ष 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिला करनाल में 9 क्षय रोग केन्द्र हैं तथा 23 जगह बलगम के जांच केन्द्र हैं जहां पर मरीजों के बलगम की निशुल्क जांच की जाती है। भारत सरकार द्वारा निक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत टीबी मरीजों को पोषण हेतु 1000 रुपये प्रतिमाह देने का प्रावधान किया गया है। एनटीईपी के अन्तर्गत नये टीबी मरीजों की सूचना देने तथा उनकी बलगम की जांच करवाने उपरान्त टीबी पाये जाने पर सूचना देने वाले को 500 रुपये प्रति मरीज देने का प्रावधान है।

इंडोनेशिया में 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज

दुनिया के कल्याण के लिए है गीता : स्वामी ज्ञानानंद महाराज

- गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में इस बार 40 देशों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा विदेश मंत्रालय : डा. नीना मल्होत्रा

कुरुक्षेत्र, 12 सितंबर (सुदेश कुमार) : इंडोनेशिया के बाली संसद सभागार में तीन दिवसीय छठे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज हुआ। इंडोनेशिया के बाली में शुक्रवार को श्रीमद्भगवद् गीता को विराजित किया गया ।इसी के साथ गीता महिमा और भारत-इंडोनेशिया के प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए विचार मंथन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बाली के वाइस चेयरमैन (डीपीआरडी)के वाइस गवर्नर नोवासेवी पुत्रा, मुख्य वक्ता गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज,मुख्यातिथि हरियाणा के पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा,विदेश मंत्रालय दक्षिण क्षेत्र की सचिव डा.नीना मल्होत्रा,बाली विधायक प्रोफेसर सोमवीर,बाली में भारत के सीजीआई शशांक विक्रम,बाली के विधायक बुद्धि उत्तमा, विधायक राकी, विधायक मेदू पार्ता मौजूद रहे। बाली में भारतीय दूतावास के अधिकारी लवलेश के अलावा,इंग्लैंड,ऑस्ट्रेलिया,स्पेन और अन्य देशों से आए प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि

गीता का उपदेश किसी एक देश,एक भाषा,एक समुदाय,एक जाति या एक धर्म के लिए नहीं,बल्कि संपूर्ण मानव जगत के लिए उपयोगी है। गीता से दुनिया को जीवन जीने की कला और सद्भाव एवं शांति का मंत्र मिलता और यह सामंजस्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गीता की साधना से विश्व को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। पांच हजार साल पहले यह शाश्वत संदेश भारत की पवित्र भूमि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की धरा से निकला और विश्व की अनेक प्रख्यात हस्तियों ने इसके संदेश को मानव मूल्यों के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि गीता के मूल मंत्र से ही विश्व का कल्याण संभव है। इस मौके पर हरियाणा के पर्यटन मंत्री श्री अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूरी दुनिया में गीता के प्रचार प्रसार में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गीता मनीषी जी ने जो दुनियाभर में गीता के प्रचार प्रसार को लेकर जो मुहिम चलाई है,वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गीता के प्रचार प्रसार को ओर तेज गति से करेगी ताकि जन जन को कर्म का संदेश मिले। कार्यक्रम के दौरान बाली के विधायक एवं कमेटी वन के चेयरमैन प्रोफेसर डा.सोमवीर ने धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में भूखंड देने का आग्रह किया जिस पर अरविंद शर्मा ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस भूखंड पर इंडोनेशिया द्वारा गेस्ट हाऊस और सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसी प्रकार सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की ओर से भी बाली (इंडोनेशिया) में सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने के लिए सहयोग का प्रस्ताव किया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की सचिव डा.नीना मल्होत्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के आयोजन में विदेश मंत्रालय हमेशा एक सहयोगी भूमिका में रहा है। इस बार एक कदम आगे बढ़ाते हुए कुरुक्षेत्र में होने वाले उत्सव के लिए 40 देशों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास है। इसी के साथ 25 देशों के स्कालर गीता सेमीनार में भाग लेंगे।

इस मौके पर हरियाणा महिला आयोग की चेयरमैन रेणु भाटिया, चेयरमैन सुषमा गुप्ता, करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल,48 कोस मानिटरिंग कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा,गीता महोत्सव अथॉरिटी के सदस्य डा.प्रीतम सिंह एवं विजय नरुला, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के पूर्व सदस्य राजेश शांडिल्य,एमके मौदगिल, अशोक रोशा, ऋषिपाल मथाना, जीओ गीता यूके के महासचिव मनीत कपूर, केशव शरण, जीओ गीता स्पेन के महासचिव कृष्ण कुमार सैनी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की परिकल्पना से तहसील कार्यालयों में पेपरलेस होंगे रजिस्ट्री कार्य : विश्राम कुमार मीणा

लाडवा, 12 सितंबर (राम गोपाल) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की परिकल्पना तहसील कार्यालयों में रजिस्ट्री कार्य पेपरलेस करना है, जिसको लेकर जिला की तहसीलों में तैयारियों को शुरू कर दिया है। इस कार्य की अधिकारियों कर्मचारियों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पेपर वर्क कम होगा और साथ में काम भी आसान होगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को लाडवा के उपमंडल कार्यालय, तहसील कार्यालय और बीडीपीओ कार्यालयों का निरीक्षण के लिए पहुंचे। उपायुक्त ने रजिस्ट्री वर्क की व्यवस्था को देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

लाडवा सचिवालय के लिए इसी महीने होगा टेंडर, नवंबर तक शिलान्यास संभावित

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश से तहसील कार्यालय परिसर की जगह पर सचिवालय बनाया जाना है। इस महीने में सचिवालय के लिए टेंडर प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि नवंबर माह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सचिवालय का शिलान्यास करवाया जाए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अब जल्द ही तहसील कार्यालय को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। इस दौरान नागरिकों के किसी भी काम में रुकावट नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए जल्द ही जगह भी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालयों में जमीन रजिस्ट्री, इंतकाल, जमाबंदी, फर्द, लोन सहित अन्य कामों की व्यवस्था है, जिसे पेपरलेस किया जाना है।

बॉक्स

सभी अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में सफाई अभियान चलाने के दिए निर्देश

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर पूरे प्रदेश 11 सप्ताह के लिए हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान 2025 चलाया गया है। जिसको आगे बढ़ाते हुए कुरुक्षेत्र में मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान, हर संस्थान को स्वच्छ किया जा रहा है। उपायुक्त ने लाडवा उपमंडल के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपने-अपने कार्यालय में इस अभियान को चलाएं। पूरे स्टाफ को अभियान में शामिल करते हुए साफ-सफाई करें। साथ ही शपथ लें कि वो शहर को स्वच्छ बनाने में पूरा सहयोग देंगे, ना तो कचरा फैलाएंगे और ना ही दूसरों को फैलाने देंगे। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी, डीआईओ विनोद सिंगला, तहसीलदार नवम धानिया, नायब तहसीलदार बलकार सिंह, एएसआर राकेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

25 सितंबर को रोहतक में होने वाली रैली होगी ऐतिहासिक : धर्मवीर पाढ़ा

असंध, 12 सितंबर (दलसिह मान) : आगामी 25 सितंबर को जननायक ताऊ देवीलाल के जन्मदिवस पर रोहतक में होने वाली रैली ऐतिहासिक होगी। रैली में असंध विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेगें।

इनेलो ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें सभी वर्गों के हित सुरक्षित है। उपरोक्त विचार इनेलो के राष्ट्रीय सचिव एवं हल्का प्रभारी धर्मवीर पाढ़ा ने अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान हल्के के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को रैली का न्यौता देते हुए कहे। किसान सैल के प्रदेशाध्यक्ष फूल सिंह मंजूरा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखते हुए रैली पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगी। उन्होंने ग्रामीणों से रैली में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की। जिलाध्यक्ष सुरजीत शामगढ़ ने कहा कि रैली में प्रदेश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेगें। सम्मान दिवस रैली केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि यह किसानों, मजदूरों और आमजन की आवाज है। हल्का प्रधान मेहर सिंह जुण्डला ने कहा कि कार्यकर्ता अपने-अपने वाहनों से ढोल नगाड़े के साथ जोश व उत्साह के साथ रैली में बढ़ चढ़कर भाग लेगें। इस अवसर पर इनेलो किसान सैल के जिलाध्यक्ष नरेश रंगरुटीखेड़ा, नसीब सिंह, राजेश बजीदा, अनिल नरवाल, हरमीत सिंह, अमीर सिंह गिल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगरपालिका की टीम ने तरावड़ी के बाजार से अतिक्रमण हटाया, सामान जब्त

अतिक्रमण पर नपा सचिव अजीत कुमार की सख्ती, हलवाई समेत कई दुकानदारों पर गिरी गाज

तरावड़ी, 12 सितंबर (छाया शर्मा) : नगरपालिका तरावड़ी ने शहर के मुख्य बाजार में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नपा सचिव अजीत कुमार व चेयरमैन वीरेंद्र बंसल के आदेश पर चले अभियान में फुटपाथों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों से अवैध कब्जे हटाए गए। अभियान के दौरान करनाली गेट स्थित एक हलवाई की दुकान से लगातार लगने वाले जाम को देखते हुए उसका सामान भी जब्त किया गया। टीम में सेनेटरी इंस्पेक्टर नवरत्न, क्लर्क जोहन, विक्रम कुमार व सफाई कर्मचारी शामिल रहे।

कई दुकानदारों ने स्वयं ही अतिक्रमण हटाया, जबकि कुछ मामलों में बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ी। नगरपालिका सचिव अजीत कुमार ने कहा कि यह कदम नागरिकों की सुविधा और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए उठाया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान सफाई कर्मी अनिल, अक्षय, अशोक, जयभगवान, गुरमेल व अमित भी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया और कहा कि अब बाजार में आवागमन पहले से आसान हो गया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी अन्तयोदय के सपने को साकार कर रहे : डा. गणेश दत्त

लाडवा, 12 सितंबर (राम गोपाल) : भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा. गणेश दत्त ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसान, मजदूर, गरीब व जरूरतमंदों के सपनो को साकार कर रहे है। सरकार की कथनी व करनी समान है। जो वायदा किया उसे पूरा किया। महिलाओं को 2100/- रूपये देने का वायदा पूरा किया जिससे प्रदेश की महिलाओं में मुख्यमंत्री के प्रति भारी उत्साह उभरा। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित प्रदेश के सभी जिलो में जहां भी बाढ़ से नुकसान हुआ तत्काल राहत देने के लिए प्रशासन व भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे। शहर में अमर मार्किट में दुकानदारों से बातचीत करते हुए डा. गणेश दत्त ने कहा कि सरकार के क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 2897 गावं के 169738 किसानों ने 996701 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया। इसके साथ ही सभी पीड़ित जरूरतमदों को सहयोग करने का मुख्यमंत्री ने आदेश दिया। उन्होनें कहा कि आपदा में प्रदेश के 12 लोगों की जान गई । शोक संतप्त परिवारों को 48 लाख रूपये की सहयोग राशि जारी की गई । मुख्यमंत्री के आदेशानुसार पंजाब, जम्मू कशमीर व हिमाचल प्रदेश में भी 5-5 करोड़ रूपये की सहायता राशि भेजी गई और मुख्यमंत्री की अगवाई में पंजाब में 600 से ज्यादा ट्रक सामग्री लेकर रवाना किये। डाश गणेश दत्त ने कहा कि सरकार की नियत समदर्शी है। हर एक जरूरतमदों के लिए मुख्यमंत्री हर समय तैयार रहते है। सतं कबीर कुटीर में कोई भी व्यक्ति किसी भी समय जाकर के मुख्यमंत्री से जाकर मिल सकता है। हजारों लोग प्रतिदिन मिलकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाते है। इस अवसर पर गुलाब सिंह, नरेश कुमार, सोमचन्द, सुशील कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भाजपा रतिया विधानसभा की सेवा पखवाड़ा कार्यशाला आयोजित

रतिया, 12 सितंबर (अमन सेठी) : भारतीय जनता पार्टी रतिया विधानसभा द्वारा आज सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला तीन सत्रों में संपन्न हुई, जिसमें पंच प्रवर्तन के महत्वपूर्ण विषय पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने विस्तार से चर्चा की।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अपने संबोधन में कहा कि पंच प्रवर्तन के माध्यम से हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और लोगों के जीवन में सुधार कर सकते हैं। कार्यशाला की प्रस्तावना अंकित सिंगला शहरी मंडल अध्यक्ष ने रखी,जिसमें उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान हम सबको समाज सेवा के लिए आगे आना चाहिए और लोगों की मदद करनी चाहिए। जिला महामंत्री विकास लालोदा ने शताब्दी वर्ष जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से संबोधन किया और कहा कि हमें अपने संगठन को मजबूत बनाने और समाज सेवा के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। पूर्व जिला अध्यक्ष स.बलदेव सिंह ग्रोहा ने सेवा पखवाड़ा के उद्देश्यों और महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और कहा कि यह आयोजन हमें समाज सेवा के लिए प्रेरित करेगा और हम सबको साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान करेगा। कार्यशाला में वरिष्ठ पदाधिकारीगण, अतिथिगण और सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सेवा पखवाड़ा के दौरान समाज सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विज्ञान सागर बाघला, निर्मल सिंह नागपुर,संदीप तनेजा, लखविंदर सिंह, संदीप भिरड़ाना, दवेंद्र ग्रोवर आदि भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

हिंदी दिवस के उपलक्ष में प्रतियोगिता का आयोजन

असंध, 12 सितंबर (दलसिह मान) : राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में नारा- लेखन, काव्य-पाठ, भाषण, कहानी लेखन तथा निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 9 से 12 की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। नारा-लेखन में मोनू, नवदीप कौर व उमंग ने क्रमश: प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य पाठ में साक्षी, पायल तथा संगीता ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया। भाषण में सोनी, रीटा व मुस्कान ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। कहानी लेखन में राधा, हिना व बतेरी ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में राधिका, गुरलीन व राखी ने क्रमश प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने छात्राओं को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सभी विद्यार्थियों को हिंदी के महत्व के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर गौतम नायक, मदनलाल, डॉ. भूपेंद्र सिंह, राजेश, जयद्रथ, राजेंद्र, प्रकाश व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए सोनीपत से राहत सामग्री रवाना

सोनीपत 12 सितंबर (विनोद) : सोनीपत में एक सराहनीय पहल के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल बड़ौली और खरखोदा से विधायक पवन खरखोदा ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री पंजाब के पठानकोट जिले में बाढ़ पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जाएगी। इस ट्रक में 20 किलोग्राम वजन के 500 पैकेट शामिल हैं, जिनमें आटा, दाल, चावल, हल्दी, नमक, मिर्च, मैगी, मसाले, प्याज, आलू और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल है। यह सामग्री बाढ़ प्रभावित परिवारों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए भेजी गई है। इस अवसर पर मोहनलाल बडोली ने कहा, पंजाब के बाढ़ पीड़ित हमारे अपने परिवार का हिस्सा हैं। संकट की इस घड़ी में उनकी मदद करना हमारा कर्तव्य है। यह राहत सामग्री उनके लिए कुछ राहत प्रदान करेगी, और हम भविष्य में भी हरसंभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं। खरखोदा विधायक पवन खरखोदा ने इस पहल पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह राहत सामग्री 500 परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। हमारी कोशिश है कि बाढ़ पीड़ितों तक जल्द से जल्द सहायता पहुंचे और उनकी मुश्किलें कम हों। इस मानवीय प्रयास में स्थानीय कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। सोनीपत की जनता की एकजुटता और संवेदनशीलता इस पहल को और सशक्त बनाती है। इस मौके पर खरखोदा नगर पालिका के अध्यक्ष हीरा लाल इंदौरा, एसडीएम डॉ निर्मल नागर, बीडीपीओ सुरेंद्र, मुकेश सैनी, मुकेश पाराशर, आजाद, कृष्ण, हैप्पी, आकाश, विजय, बाल किशन, सुशील पाराशर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मारकंडा के आसपास लगते गांवों को जल भराव से बचाने के लिए तैयार होगा मास्टर प्लान : सांसद नवीन जिन्दल

शाहाबाद मारकंडा, 12 सितंबर (रूबी) : सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि मारकंडा के आसपास लगते गांवों में पानी से हुए नुकसान की भरपाई को लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है कि ग्राम वासियों से बैठक करके भविष्य के लिए इस समस्या का स्थाई समाधान निकाला जाए ताकि आने वाले समय में गांवों में पानी घुसने जैसी स्थिति पैदा ना हो। सांसद नवीन जिन्दल शुक्रवार को गांव नलवी, तंगौर, झरौली खुर्द, मुगल माजरा,कठवा और कलसाना आदि का दौरा करके जल भराव से हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि मारकंडा के तटबंधों को मजबूत करने के दिशा में तेजी से काम किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीणों के सहयोग की भी आवश्यकता पड़ेगी। सांसद ने कहा कि नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी केंद्र देश पर क्षतिपूर्ति पोर्टल किसानों के लिए खोला गया है जिसमें उन्हें अपने नुकसान का ब्यौरा देना होगा। इसके बाद मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा को रोकना किसी के हाथ में नहीं है। लेकिन उससे बचने के लिए पुख्ता प्रबंध समय रहते किए जा सकते हैं।

प्रभावित लोगों की मदद के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके अलावा भी उनसे व्यक्तिगत रूप से जो सहयोग होगा। वे अपने लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर बुलाकर पूरा प्लान समझा। सांसद ने बारीकी से जाना कि आखिर हर बार मारकंडा का पानी ओवरफ्लो कैसे होता है। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी स्थिति से निपटने के लिए मास्टर प्लान तैयार करें। सरकार से इस प्लान को पूरा करवाने में वे हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर उनके साथ भाजपा नेता सुभाष कलसाना, सर्वजीत कलसानी, सुपार्श्व जैन,यादविन्दर राणा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नरेश बंसल 11वीं बार बने राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के प्रधान

नाथीराम गुप्ता को सरंक्षक की जिम्मेदारी, राकेश हंस को मिली महासचिव की कमान, तरावड़ी के 100 से अधिक राइस मिलर्स की सर्वसम्मति

तरावड़ी, 12 सितंबर (छाया शर्मा) : उद्योगपति नरेश बंसल को लगातार 11वीं बार राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन का प्रधान चुना गया है। यह फैसला शहर के एक निजी होटल में आयोजित अहम मीटिंग के दौरान सर्वसम्मति से लिया गया। इसी बैठक में राकेश हंस को उनकी बेहतर कार्यशैली और ईमानदार छवि को देखते हुए महासचिव चुना गया।

राकेश हंस लंबे समय से एसोसिएशन में सक्रिय रहते हुए व्यापारियों की समस्याओं को न केवल उठाते रहे हैं, बल्कि उनके समाधान में भी अग्रणी भूमिका निभाते आए हैं। इसके साथ ही नाथीराम गुप्ता को संरक्षक नियुक्त किया गया। इस मौके पर शहर और आसपास के 100 से अधिक राइस मिलर्स व उद्योगपति मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से रमेश गुप्ता, बृजभूषण गोयल, तिलकराज मक्कड़, रविंद्र सिंगला, प्रमोद सिंगला, राकेश गुप्ता, प्रमोद बंसल, विनीत बंसल, संजीव मित्तल, अभिषेक गोयल, प्रवीण गर्ग, नरेश गर्ग, सुभाष गुप्ता, शीशपाल गुप्ता, रितेश नागपाल, राजीव नारंग, गौरव बंसल, राजीव सिंगला समेत अनेक गणमान्य शामिल रहे। नरेश बंसल ने पदभार संभालते हुए कहा कि राइस उद्योग से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। सभी मिलर्स और डीलर्स को एकजुट करके तरावड़ी के व्यापार को और मजबूती देंगे। गौरतलब है कि नरेश बंसल के कार्यकाल में राइस उद्योग से जुड़ी कई अहम समस्याओं का समाधान हुआ है। उद्योगपतियों की मांगों को सरकार तक पहुँचाना और चावल व्यापारियों की आवाज बुलंद करना उनकी पहचान बन चुकी है। शायद यही वजह है कि उन्हें रिकॉर्ड 11वीं बार एसोसिएशन की कमान सौंपी गई। सर्वसम्मति से महासचिव चुने गए राकेश हंस लंबे समय से एसोसिएशन में सक्रिय रहते हुए न केवल व्यापारियों की समस्याओं को उठाते आए हैं, बल्कि समाधान में भी अहम भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी साफ-सुथरी छवि और मेहनती स्वभाव की चर्चा हर व्यापारी की जुबान पर है। नवनियुक्त प्रधान और महासचिव को व्यापारियों, आढ़ती एसोसिएशन प्रधान सुभाष गुप्ता समेत कई उद्योगपतियों और गणमान्य व्यक्तियों ने हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अब जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जिसमें हर वर्ग के उद्योगपतियों और व्यापारियों को प्रतिनिधित्व मिलेगा।

कृषि में विविधीकरण पर एक विस्तार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

यमुनानगर, 12 सितंबर (दिनेश कुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र दामला द्वारा उप निदेशक कृषि यमुनानगर डॉ. आदित्य डबास की अध्यक्षता में कृषि विभाग के कार्यालय जगाधरी में तिलहन के माध्यम से कृषि में विविधीकरण पर एक विस्तार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र दामला के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. संदीप रावल ने धान की फसल में कीटों और बीमारियों से संबंधित क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे अधिक पैदावार लेने के लिए हरी खादों का प्रयोग करें। यूरिया खाद का इस्तेमाल कम से कम करें। कृषि में विविधीकरण पर विस्तार प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. आराधना बाली ने कर्मचारियों को सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा अनुशंसित तिलहन के लिए सभी प्रथाओं को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने तिलहन फसलों की विभिन्न किस्मों, बीज दर, उर्वरक खुराक और कीटों पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में विषय वस्तु विशेषज्ञ, एडीओ, बीईएओ और कृषि विभाग के अन्य अधिकारी प्रशिक्षण में भाग लिया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से डॉ. एन.के.गोयल संकाय सलाहकार ने तिलहन फसलों के साथ-साथ अन्य फसलों की तकनीकी जानकारी किसानों के साथ साझा की। उप-मंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय नरवाल ने तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि कर्मचारियों के साथ विकसित भारत यात्रा योजना पर भी चर्चा की।

केवीके दामला के समन्वयक ने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे किसानों को 17 व 18 सितंबर, 2025 को सीसीएस एचएयू हिसार में आयोजित होने वाले कृषि मेले में आने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान किसानों को गेहूँ, सरसों और अन्य रबी फसलों की नवीनतम किस्मों के बीज उपलब्ध कराए जाएँगे। इस प्रशिक्षण में लगभग 30 कृषि विकास अधिकारी एटीएम, बीटीएम और बीईओ ने भाग लिया।

डीसी ने ली जिला स्तरीय केबल टीवी नेटवर्क निगरानी समिति की बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कैथल, 12 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : डीसी प्रीति ने लघु सचिवालय सभागार में जिला स्तरीय केबल टीवी नेटवर्क निगरानी समिति तथा जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने लोकल केबल आपरेटर को निर्देश जारी किए कि वे केबल टीवी नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम की सभी हिदायतों का पालन सुनिश्चित करें। साथ ही समिति के सदस्य अधिकारी अधिनियम के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करवाएं। डीसी प्रीति ने केबल से संबंधित शिकायतों के निपटान के लिए सीटीएम गुरविंद्र सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया। डीसी प्रीति ने बिजली विभाग और स्थानीय निकाय विभाग को निर्देश दिए कि अगर कोई केबल ऑपरेटरों उनके खंभों का इस्तेमाल कर रहा है तो उन्हें नोटिस जारी करते हुए परमिशन लेने के निर्देश जारी करें। इसके बाद भी अगर कोई ऑपरेटर आदेशों की उल्लंघना करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करें। उप काराधान आयुक्त मल्टी सर्विस ऑपरेटर तथा लोकल केबल आपरेटरों से नियमानुसार टैक्स या जीएसटी लेना सुनिश्चित करें। वर्ष 2017 से अब तक कितना टैक्स जमा हुआ है, उसकी जानकारी उपायुक्त कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे केबल आपरेटरों से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करें। उन्होने सभी केबल आपरेटर को निर्देश जारी किए कि वे पंजीकरण के बाद ही संबंधित क्षेत्र में केबल का प्रसारण करें। साथ ही सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार संबंधित पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं। अगर बिजली विभाग या निकाय विभाग के खंभों का इस्तेमाल किया जा रहा है तो इसकी संबंधित विभाग से अनुमति लें और निर्धारित फीस जमा करवाएं। डीआईपीआरओ नसीब सैनी ने बैठक में पहुंचे सदस्यों का अभिनंदन किया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार नवीन मल्होत्रा ने दूरदर्शन से संबंधित चैनलों के प्रसारण बारे अपने विचार रखे। इस अवसर पर डीएमसी कपिल कुमार, एसडीएम अजय सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, डीआईओ दीपक खुराना, एक्सईएन मनीष कुमार, एक्सईएन वरुण कंसल, आईजी कॉलेज प्रिंसिपल डा. आरती गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार नवीन मल्होत्रा, डाक विभाग से तरूण भट्ट, कलायत नगर पालिका सचिव पवन शर्मा, राजौंद नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा सहित सभी नगर पालिका सचिव तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में भव्य विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

निसिंग, 12 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल में हिन्दी-विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने की। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी संस्कृति, सभ्यता और पहचान की आत्मा है। राजभाषा हिन्दी के बिना राष्ट्रीय एकता की कल्पना अधूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे हिन्दी को केवल अध्ययन की भाषा तक सीमित न रखकर व्यवहार, अनुसंधान और रोजगार के क्षेत्र में भी अपनाएं। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे प्रो.डॉ लालचन्द गुप्त च्मंगलज्, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हिन्दी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि राजभाषा के रूप में भारतीय संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय स्वाभिमान की धरोहर है। उन्होंने यह भी बताया कि आज हिन्दी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैश्विक संचार की भाषा बनने की ओर अग्रसर है। युवाओं का कर्तव्य है कि वे हिन्दी के प्रयोग को अपने जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बनाएं। विशेष उल्लेखनीय है कि डॉ. लालचन्द गुप्त मंगल, प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के शिक्षक रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. ऋषिपाल ने अपने गुरु को कॉलेज में मुख्य वक्ता के रूप में पाकर आत्मीय संतोष और गर्व की अनुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह अवसर महाविद्यालय परिवार के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में स्टाफ सेक्रेटरी डॉ. राधिका खन्ना, वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. कुसुम, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. दीपचन्द सहित सभी अध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. नैन्सी गुलाटी, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) एवं कार्यक्रम अधिकारी, एन.एस.एस द्वारा किया गया।

होटल एवं इवेंट मैनेजमेंट में लगातार बढ़ रहे अवसर

होटल मैनेजमेंट
यह भी एक ऐसा कोर्स है, जिसे करने के तुरंत बाद आप होटल या हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। आप चाहें तो तीन साल का डिग्री कोर्स कर सकते हैं या फिर एक से दो साल के डिप्लोमा कोर्स करना भी एक अच्छा विचार है।

इवेंट मैनेजमेंट
यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें छात्रों के स्किल को निखारा जाता है और कोर्स के तुरंत बाद आप अपने करियर की राहें बना सकते हैं। अगर आप इवेंट मैनेजमेंट का डिग्री कोर्स करते हैं, तो यह लगभग तीन साल का होगा। वहीं आप चाहें तो इसमें डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करके आगे कदम बढ़ा सकते हैं।

आर्ट्स के स्टूडेंट 12वीं के बाद बैचलर ऑफ आर्ट्स का तीन साल का कोर्स कर सकते हैं। आप चाहें तो कई विषयों जैसे साहित्य, इतिहास, भूगोल, राजनीतिक विज्ञान आदि में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। वैसे तो यह ग्रेजुएशन कोर्स है, लेकिन इस कोर्स को करने का लाभ यह है कि इसके बाद आपके लिए सरकारी नौकरी के रास्ते खुलते हैं। वहीं आप निजी क्षेत्र के लिए भी आसानी से आवेदन कर सकते हैं। बी.ए करने के बाद अगर आप अपनी शैक्षणिक योग्यता में इजाफा करना चाहते हैं तो एम.ए किया जा सकता है।

बीबीए
बीबीए अर्थात बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन तीन साल का कोर्स है, जिसे करने के बाद आप प्रबंधन की दुनिया में पूरे आत्मविश्वास के साथ कदम रख सकते हैं। बीबीए कोर्स के दौरान छात्रों को फाइनेंशियल मैनेजमेंट से लेकर बिजनेस कम्युनिकेशन व अकाउंटिंग आदि के बारे में सिखाया जाता है। बीबीए करने के बाद छात्रों के लिए कारपोरेट हाउसेज और बिजनेस फर्म्स में जॉब के रास्ते खुलते हैं। 12वीं में आर्ट्स के स्टूडेंट्स के लिए इसे एक अच्छा विकल्प माना जाता है।

बीएफए--बीएफए अर्थात बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स बीए की तरह ही तीन साल का कोर्स है। अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड जैसे पेंटिंग, स्कल्पटिंग, नृत्य या फोटोग्राफी में अपना भविष्य देख रहे हैं तो यह कोर्स करना आपके लिए अच्छा रहेगा। कई निजी व सरकारी संस्थान बीएफए का कोर्स करवाते हैं।

मास कम्युनिकेशन
यह एक जॉब ओरिएंटिड कोर्स है, जो काफी डिमांड में है। अगर आप मीडिया के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं तो इस कोर्स को कर सकते हैं। कोर्स करने के बाद आप प्रिंट, इलेक्टानिक और ऑनलाइन मीडिया कहीं पर भी रास्ते बना सकते हैं। मास कम्युनिकेशन में आप डिग्री, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। जहां डिग्री कोर्स तीन साल का होता है, वहीं डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स एक से दो साल तक का हो सकता है।

फैशन डिजाइनिंग–अगर आप क्रिएटिव हैं और फैशन की दुनिया में अपना भविष्य देखते हैं तो फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करना आपके लिए ज्यादा अच्छा रहेगा। फैशन डिजाइनिंग में बैचलर डिग्री प्रोग्राम करीबन चार साल का होता है और इस दौरान छात्रों को थ्योरी व प्रैक्टिकल दोनों की नॉलेज दी जाती है।

ग्राफिक डिजाइन -ग्राफिक
डिजाइनिंग के क्षेत्र में आपको कई तरह के कोर्सेस मिलेंगे। आप अपनी इच्छानुसार उनमें से चुन सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एनिमेशन से लेकर ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं। अगर आप ग्राफिक डिजाइनिंग में बैचलर डिग्री लेते हैं तो इसकी अवधि तीन से चार साल की होगी। वहीं इस फील्ड एक से दो साल के डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं।

टीचर ट्रेनिंग कोर्सेज
12वीं के बाद टीचर ट्रेनिंग कोर्स एक बेहतरीन कॅरियर ऑप्शन माना जाता है। यह टीचर ट्रेनिंग कोर्स करने के बाद आप स्कूल में जॉब कर सकते हैं और बेहतरीन भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। टीचर ट्रेनिंग कोर्स में आप बीएड, बीपीएड यानी बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन, बीएलएड अर्थात् बैचलर ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन या डीएलएड मतलब डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन कर सकते हैं। इसके अलावा नर्सरी स्तर का टीचर ट्रेनिंग कोर्स भी मौजूद है। यह टीचर ट्रेनिंग कोर्स करने के बाद आप छोटे बच्चों को आसानी से पढ़ा सकते हैं।

किताबें पढ़ना एवं मन की बात डायरी में लिखना भी शानदार करियर

अगर आपको किताबें पढ़ना और अपने मन की बात को डायरी में लिखना पसंद है तो आप लेखन में भी अच्छा करियर बना सकते हैं, और खूब सारे पैसे भी कमा सकते हैं। लेखन में करियर बनाना चाहते हैं तो बस इन तीन बातों को अपने दिमाग में रख लें।

क्रिएटिव बने --लेखन के लिए क्रिएटिव दिमाग का होना बहुत जरूरी है। जिसे किसी भी राइटिंग कोर्स के जरिए सीखा नहीं जा सकता जिस भाषा में आप लिखना चाहते हैं उसमें पकड़ लाने के लिए आपको अखबार, नॉवल, कहानियों को लगातार पढ़ते रहना होगा तभी आप लिखने में महारत प्राप्त कर पाएंगे। एक बाद याद रखें कोई भी लेखन लिखते वक्त जितनी बढ़िया वर्तनी होगी उतना ही मजबूत आपका लेख होगा. । सीधे तरीके से लिखे--अक्सर पाठक घुमावदार तरीके से लिखे हुए लेखन को पढ़ने से बचते हैं। उन्हें वहीं पढ़ना पसंद है जिसमें बात साफ और सीधे तरीके से लिखी गई हो। इसलिए प्वाइंट टू प्वाइंट लिखने की आदत डालें, ताकि आप कम वाक्य में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें सकें। एक लेखक को सफलता तभी मिलती है जब वह ताजा मामलों पर लिखता है। ऐसा ना हो कि देश और दुनिया में कुछ और बात चल रही है और आप अपने पाठकों को कोई और बात परोस रहे हैं। दुनिया में क्या चल रहा है इसके लिए आपको सोशल मीडिया पर अपडेट रहना होगा। ताकि आप वही लिखें जो पाठक पढ़ना चाहतें हैं।

देश में गणित के बेहतरीन विश्वविद्यालय
भारत में गणित के लिए बेहतरीन विश्वविद्यालय उपलब्ध हैं। भारत में लगभग 135 से ज्यादा विश्वविद्यालायों में गणित की शिक्षा दी जाती है। ज्यादातर विश्वविद्यालायों में गणित और कंप्यूटर साइंस के लिए एक ही विभाग होता है जबकि कुछ विश्वविद्यालय में मैथमेटिक्स और एप्लाइड मैथमेटिक्स की शिक्षा अलग-अलग दी जाती है।

इंटिग्रेटेड एमएससी- पीएचडी डिग्री के लिए भी भारत में काफी अच्छे विश्वविद्यालय हैं। इसलिए कोर्स के अनुसार स्टूडेंट्स अपनी
इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट
चैन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेटल रिसर्च
द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंस चेन्नई
द हरीश चंद्र रिसर्च इंस्टीट्यूट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस
एनआईटी
हैदराबाद यूनिवर्सिटी
बिट्स पिलानी
दिल्ली यूनिवर्सिटी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
अंबेडकर यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च**
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च

गेट के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आरंभ आवेदन 28 सितम्बर तक आमंत्रित

ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु हो गयी है। इसके लिए आवेदन 28 सितंबर 2025 तक किया जा सकता है। आवेदन के इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अधिसूचना देख सकते हैं। वहीं उम्मीदवार लेट फीस के साथ 09 अक्तूबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं।

गेट परीक्षा--आईआईटी गुवाहाटी की तरफ से जानकारी दी गई है कि गेट 2026 परीक्षा 7, 8, 14 और 15 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित की जाएगी। जिसमें पहली पाली की परीक्षा 09:30 बजे से 12:30 बजे तक फिर दोपहर में 02:30 बजे से 05:30 बजे तक आयोजित होगी। वहीं 02 जनवरी 2026 को प्रवेश पत्र डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे। गेट 2026 का रिजल्ट 19 मार्च 2026 को जारी किया जाएगा। वहीं कैंडिडेट्स स्कोर बोर्ड 27 मार्च से 31 मई 2026 तक डाउनलोड कर सकेंगे।

30 विषयों में होगी परीक्षा-इस बार साल 2026 गेट करीब 30 सब्जेक्ट्स के लिए आयोजित की जाएगी। जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, सिविल, मैकेनिकल समेत कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा इस साल इंजीनियरिंग साइंसेज पेपर में एनर्जी साइंस का सेक्शन जोड़ा गया है।

आवेदन शुल्क--गेट 2026 का पूरा आवेदन प्रोसेस ऑनलाइन किया जाएगा। जिसमें फॉर्म भरना, आवेदन शुल्क का भुगतान करना और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करना शामिल है। बता दें कि आवेदन फीस श्रेणी के हिसाब से अलग-अलग तय किया गया है। महिला उम्मीदवारों, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के लिए 1000 रुपए शुल्क और 1500 रुपए है। वहीं अन्य सभी कैंडिडेट्स के लिए आवेदन शुल्क नियमित अवधि तक 2,000 रुपए और विस्तारित अवधि में 2,500 रुपए रखा गया है।

एसीएमई सोलर को एफडीआरई परियोजना के लिए वित्त पोषण मिला

कंपनी के बयान के अनुसार, यह वित्तपोषण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कंपनी को मिला सबसे बड़ा वित्तपोषण है और साथ ही, एसीएमई की एफडीआरई परियोजनाओं में एसबीआई का पहला वित्तपोषण भी है। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसीएमई वीनस ऊर्जा ने 400 मेगावाट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के विकास और निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 3,892 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक परियोजना वित्तपोषण प्राप्त किया है।

कौन सा सांप है बड़ा, टाइटनोबोआ या अनाकोंडा?
एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इसका पुनर्भुगतान 19 साल में किया जाएगा। एफडीआरई परियोजना राजस्थान के बाड़मेर में विकसित की जा रही है और एनएचपीसी के साथ 4.64 रुपये प्रति यूनिट की दर पर अनुबंधित है। इस परियोजना में आपूर्ति दायित्वों को पूरा करने और बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की शर्तों के अनुसार बेहतर डिस्पैच क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सौर और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करना भी शामिल है।कंपनी के बयान के अनुसार, यह वित्तपोषण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कंपनी को मिला सबसे बड़ा वित्तपोषण है और साथ ही, एसीएमई की एफडीआरई परियोजनाओं में एसबीआई का पहला वित्तपोषण भी है।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स एक अग्रणी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है, जिसके पास सौर, पवन, भंडारण, एफडीआरई और हाइब्रिड समाधानो का विविध पोर्टफोलियो है और इसकी परिचालन क्षमता 2,890 मेगावाट है।

परिवहन मंत्रालय बस संचालकों को लाभ पहुंचाने के लिए टोल नीति पर काम कर रहा है-गडकरी
चिन्हित राजमार्ग खंडों में ग्रेटर नोएडा-दिल्ली-आगरा, भुवनेश्वर-पुरी-कोणार्क, अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत, साहिबाबाद-फरीदाबाद-दिल्ली, जमशेदपुर-कलिंगनगर, तिरुवनंतपुरम-कोच्चि और जामनगर-अहमदाबाद आदि शामिल हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले राज्य और निजी बस संचालकों को लाभ देने के लिए एक टोल नीति पर काम कर रहा है।सरकार ने राजमार्ग पर परेशानी मुक्त यात्रा की दिशा में एक कदम उठाते हुए गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए फास्टैग आधारित वार्षिक पास की शुरुआत कर दी है, जिसकी कीमत 3,000 रुपये है। यह पास 15 अगस्त से प्रभावी है। यह पास सक्रिय होने की तारीख से एक वर्ष या 200 यात्राओं (जो पहले हो) तक वैध होगा। यह पास विशेष रूप से गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए बनाया गया है। गडकरी ने बीओसीआई के भारत प्रवास पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''हम राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले राज्य और निजी बस संचालकों को लाभ प्रदान करने के लिए एक टोल नीति पर काम कर रहे हैं।''उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से हरित हाइड्रोजन चालित ट्रकों के संचालन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में 10 राजमार्ग खंडों की पहचान की है। गडकरी ने कहा कि इन खंडों पर इंडिया ऑयल और रिलायंस पेट्रोलियम द्वारा हाइड्रोजन फिलिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड और वोल्वो ने पहले ही हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रक बनाना शुरू कर दिया है।चिन्हित राजमार्ग खंडों में ग्रेटर नोएडा-दिल्ली-आगरा, भुवनेश्वर-पुरी-कोणार्क, अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत, साहिबाबाद-फरीदाबाद-दिल्ली, जमशेदपुर-कलिंगनगर, तिरुवनंतपुरम-कोच्चि और जाम नगर-अहमदाबाद आदि शामिल हैं। गडकरी ने यह भी कहा कि एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे निजी भूमि पर 750 सुविधाएं बना रहा है।

अनुसंधान संस्थान में तकनीकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

- संजय गोस्वामी

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ञ्रद्व जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अत: यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अत: अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अत: आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरुआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय।

डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अत: हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है।

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान।।

इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी।

इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है।

पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था ।वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है ।साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं।

फसल अवशेषों में आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिये गठित की गई ग्राम स्तरीय टीमें : अशोक मुंजाल

इंद्री, 12 सितंबर (बिशपाल राणा) : एसडीएम अशोक मुंजाल ने कहा कि धान की फसल की कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। अक्सर किसान फसल कटाई के बाद बचे फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं, जिससे वायु प्रदूषण होने के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति भी कम होती है। संबंधित सभी अधिकारी व कर्मचारी किसानों को फसल अवशेष न जलाने के बारे में जागरूक करें ताकि आगजनी की घटनाओं को रोका जा सके। सभी सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी आपसी तालमेल व समन्वय के साथ अपनी डयूटी निर्वहन पूरी ईमानदारी, लगन व निष्ठा से करे। एसडीएम अशोक मुंजाल शुक्रवार को बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में फसल अवशेष प्रबन्धन डयूटी से सम्बन्धित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की आयोजित मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे थे। मीटिंग के दौरान ने एसडीएम अशोक मुंजाल ने कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की ग्राम स्तरीय टीमे गठित कर गांवों की जिम्मेदारियां सौंपी गई है। यह टीमें अपने-अपने क्षेत्र/गांव में निगरानी करेंगी। उन्होंने कहा कि सितम्बर से नवम्बर का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण है तथा फसल कटाई का कार्य शुरू हो चुका है, इसलिये सभी सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी आपसी तालमेल व समन्वय के साथ अपनी डयूटी को पूरी ईमानदारी, लगन व निष्ठा के साथ निभाएं। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिये कि वे अपनी डयूटी में किसी प्रकार की कौताही व लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष न जलाने बारे तथा इसके उचित प्रबन्धन बारे जागरूक करें। आगजनी की घटनाओं की निगरानी के लिये इस बार सेटेलाइट 24 घंटे निरंतर कार्य करेगा। यदि कोई किसान अपनी फसलों के अवशेष

में आग लगाता है तो नियमानुसार उस पर 30 हजार रुपये तक का जुर्माना व एफआईआर के साथ-साथ रेड एन्ट्री का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि अगर कोई किसान फसल अवशेषों में आग लगाते हुए पाया जाता है तो वह दो वर्ष के लिये अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर नही करवा पाएगा, जिस कारण अगले दो वर्ष तक वह अपनी फसल मंडी में नहीं बेच पाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन(इन सीटू/एक्स सीटू) करने वाले किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान राशि का भी प्रावधान किया गया है।

किसान फसल अवशेषों में आग न लगाकर करें उचित प्रबंधन : एसडीएम ने किसानों से भी अपील की कि वे खेतों में फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं, बल्कि उनका खेत में ही आधुनिक उपकरणों द्वारा उसका समुचित प्रबंधन करें। विभाग द्वारा आधुनिक कृषि यंत्र जैसे सुपर सीडर, बैलर्स, रोटावेटर्स, हैप्पी सीडर, एमबी प्लो, जीरो टिल सीड ड्रिल आदि सभी गांवों में उपलब्ध करवाए गये हैं। किसान इन आधुनिक यंत्रों का प्रयोग करके फसल अवशेषों का सही तरीके से प्रबन्धन कर सकते हैं।

अधिकारी/कर्मचारी फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर किसानों को करें जागरूक : कृषि उपनिदेशक डॉ वजीर ने कहा कि ग्राम स्तरीय टीमों में कृषि, राजस्व, पंचायत, बागवानी, बिजली, पशुपालन, जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को डयूटियां सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि जिन भी अधिकारियों की कर्मचारियों की डयूटी फिल्ड में लगाई गई है, वे सभी अपने-अपने आबंटित गांवों में जाकर सरपंच, नम्बरदार, चौकीदार, गांव के मौजित लोगों वे किसानों से मिलकर फसल अवशेष प्रबन्धन बारे जागरूक करें। गांवों में स्थित मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों व अन्य सार्वजनिक स्थलों के माध्यम से इस बारे नियमित रूप से मुनादी भी करवाएं। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशानुसार कम्बाइन हारवेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस प्रणाली) लगाना अनिवार्य किया गया है। यह यंत्र कम्बाइन हारवेस्टर के साथ अटैच करके कम्बाइन द्वारा काटी गई धान की फसल के अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में करके खेतों में एक समान बिखेर देता है। इससे धान की फसल अवशेषों को आसानी से मिट्टी में मिलाया जा सकता खंड कृषि अधिकारी डा. अश्वनी कुमार ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हमारा वातावरण दूषित होता है जिसकी वजह से हम सभी को कई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से शत-प्रतिशत नाइट्रोजन व काफी मात्रा में सल्फर का नुकसान होता है तथा इसके साथ-साथ जैविक पदार्थ, मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड, राख, मीथेन व अन्य अशुद्धियाँ उत्पन्न होती है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है।

घट रहे लिंगानुपात के बारे में बैठक आयोजित

मूनक, 12 सितंबर (जय भगवान) : बल्ला सीएससी के द्वारा गांव गोल्ली लिंगानुपात के बारे में मीटिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान एसएमओ डॉक्टर चांद बाला ने मीटिंग में बताया कि लड़का लड़की में कोई फर्क नहीं है। हमें लड़कियों की घटती संख्या चिंता का विषय है। इस पर हमें सोच विचार करना चाहिए। आज बेटियां भी अपने माता-पिता व गांव का नाम रोशन कर रही है। खेलकूदों में अनेक पदक दिलाए व पढ़ाई लिखाई में भी पीछे नहीं है। इस दौरान डॉक्टर नीरज कुमार, सरपंच उम्मेद सिंह ,बाघ सिंह व एएनएम, आशा वर्कर ग्रामीण महिलाएं मौजूद रही।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

नरवाना, 12 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : भारत विकास परिषद शाखा नरवाना द्वारा जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 14 सितंबर रविवार को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक महावीर जैन हाई स्कूल, पतराम नगर, नरवाना में आयोजित होगा।शाखा अध्यक्ष पुनीत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कैंप परिषद के सहयोग से तथा सिग्नस हॉस्पिटल कैथल की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा संचालित किया जाएगा। इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनिकोलॉजिस्ट), आहार विशेषज्ञ सहित कई सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे।शिविर में आने वाले मरीजों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आवश्यक टेस्ट व दवाइयां भी पूर्णत: निशुल्क प्रदान की जाएंगी। परिषद की इस पहल का उद्देश्य आमजन को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराना है विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सकते।पुनीत जैन ने शहरवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर का लाभ उठाएं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। यह शिविर परिषद की सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

मधुर गोयल बने अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई के हरियाणा प्रदेश संगठन मंत्री

- समाजजनों में खुशी की लहर नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नरवाना, 12 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए मधुर गोयल को हरियाणा प्रदेश का संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक बुवानीवाला एवं युवा इकाई के महासचिव अक्षत केसरिया, हिमांशु गोयल व मुकेश बंसल द्वारा संयुक्त रूप से की गई। नवनियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री मधुर गोयल ने इस विश्वास और जिम्मेदारी के लिए समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो दायित्व सौंपा है उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को संगठन से जोड़ना सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना और सेवा कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता में रहेगा। मधुर गोयल की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर समाज में हर्ष का माहौल है। महिला विंग की प्रदेश सचिव सोनिया मित्तल नरवाना विधानसभा अध्यक्ष अर्जुन गोयल, कैलाश सिंगला, दीपक सिंगला, विकास मित्तल, पवन मित्तल, राहुल गर्ग, मनोज गर्ग सहित अनेक समाजसेवियों ने मधुर गोयल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समाज जनों का मानना है कि मधुर गोयल का संगठन में सक्रिय अनुभव और उनकी कार्यशैली संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। उनकी नियुक्ति से युवाओं में भी नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

सामाजिक कार्यों से जीवित रहती है स्व. लाला जयकुमार गर्ग की विरासत

सेवाभाव और समाजसेवा की अनमोल मिसाल

तरावड़ी, 12 सितंबर (छाया शर्मा) : महावीर राइस मिल तरावड़ी के संस्थापक स्वर्गीय लाला जयकुमार गर्ग समाजहित और सेवाभाव के कार्यों के लिए हमेशा याद किए जाते हैं। जीवनकाल में उन्होंने समाजसेवा को ही अपना ध्येय बनाया और आज भी उनकी पुण्य स्मृति समाजहित के कार्यों से जीवंत बनी हुई है। हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सेवा और जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी के अध्यक्ष योगेश मिड्डा और महासचिव राकेश हंस ने बताया कि स्व. लाला जयकुमार गर्ग का जीवन दूसरों की भलाई के लिए समर्पित रहा। उनकी प्रेरणा से समय-समय पर रक्तदान शिविर, निशुल्क मेडिकल कैंप, पौधारोपण अभियान, सिलाई केंद्र, जागरूकता कार्यक्रम और अन्य सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का कहना है कि लाला जयकुमार गर्ग केवल एक सफल उद्योगपति ही नहीं बल्कि समाजहित के सच्चे सेवक थे। उनकी स्मृति में निरंतर किए जा रहे सेवाभाव के कार्य आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

महिलाओं को पशुपालन के बारे में दी जानकारी

मूनक, 12 सितंबर(जय भगवान) : खंड मूनक के गांव पाढ़ा में महिलाओं को अपना रोजगार के लिए पशुपालन के बारे में जानकारी डेयरी अनुसाधन संस्थान के द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया। वैज्ञानिक डॉक्टर संजीत मतसी के नेतृत्व में हरियाणा विज्ञान मंच के सहयोग से किया। उन्होंने बताया कि उनको अपने जीवन में पहली बार पशुपालन के बारे में इतना अच्छा ज्ञान मिला है। जिसमें वैज्ञानिक पशुपालन से जुड़े हर विषय के बारे में हर प्रकार की शंका को दूर करते हैं तथा समझाने के लिए चार्ट की बोर्ड का प्रयोग करते हैं। कई महिलाओं ने अपने पशुपालन में प्रयोग करने की जानकारी दी। प्रतिभागी महिलाओं द्वारा सोशल नेटवर्क के माध्यम से आसपास के गांव की महिलाओं को उपरोक्त मीटिंग की जानकारी दी जा रही है। हरियाणा प्रदेश में गांव में पशुपालन की जिम्मेदारी पुरुषों के मुकाबले महिलाएं कंधों पर सबसे अधिक है। हरियाणा प्रदेश में पशुपालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भर बनाने की संभावनाएं अन्य कारोबारों के मुकाबले सबसे अधिक है। हरियाणा विज्ञान मंच का प्रतिनिधि मंडल जल्दी ही निर्देशक राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल से संपर्क करके आसपास के गांव से महिलाओं जानकारी ले सकते है।

नागरिक सुविधा केंद्र में जल्द शुरू होगी टोकन प्रणाली, समय पर होगा कार्य : महाबीर प्रसाद

कार्यालय आने वाले हर शहरवासी का समयबद्ध तरीके से काम करें कर्मचारी, आयुक्त ने किया नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण, जांचा रिकॉर्ड, हर कर्मचारी की जानकारी कार्यप्रणाली

यमुनानगर, 12 सितंबर (दिनेश कुमार) : नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद (आईएएस) ने शुक्रवार सुबह नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निगम की हर शाखा की व्यवस्था को जांचा और हर कर्मचारी से उसकी कार्यप्रणाली पूछी। कई शाखाओं में एक-एक फाइल के रिकॉर्ड की जांच की। उन्होंने निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय आने, जनता के कार्यों का प्राथमिकता से निपटान करने और फील्ड में जाने से पूर्व मूवमेंट रजिस्टर में अपनी जानकारी भरने और हर रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद सबसे पहले

क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अजय वालिया के साथ जन्म एवं मृत्यु शाखा में पहुंचे। यहां उन्होंने पुराने रिकॉर्ड की जांच की। इसके बाद विवाह पंजीकरण शाखा पहुंचे। यहां विवाह पंजीकरण करने की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। यहां से निगम आयुक्त किराया शाखा पहुंचे। उन्होंने दुकानों के किराए और स्वामित्व योजना के तहत आने वाली दुकानों का रिकॉर्ड जांचा। कौन सी दुकान कब से किराए पर दी गई। अब तक उस दुकान के किराए में कितनी बढ़ोतरी हुई। इसके लिए पुरानी फाइलों के रिकॉर्ड की जांच की। इसके बाद उन्होंने टैक्स ब्रांच, नागरिक सुविधा केंद्र, शिकायत कक्ष, स्थापना शाखा, आईटी लैब, सफाई शाखा, स्ट्रीट लाइट शिकायत कक्ष समेत विभिन्न शाखाओं का जायजा लिया और वहां की व्यवस्था जांची। टैक्स ब्रांच के कर्मचारियों व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बिना किसी ठोस कारण के प्रॉपर्टी आईडी के ऑब्जेक्शन को रिवर्ट न किया जाए। लंबित ऑब्जेक्शन का जल्द से जल्द निपटान करें। नागरिक सुविधा केंद्र में बंद पड़ी टोकन प्रणाली को दोबारा शुरू करने के लिए आईडी सेल को निर्देश दिए, ताकि आमजन को प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने, प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटियां दुरुस्त कराने, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने व अन्य कार्यों के लिए अधिक समय तक इंतजार न करना पड़े। इस दौरान निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कार्यालय में आए शहरवासियों से बातचीत की और संबंधित अधिकारियों को उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। वहीं, अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शहरवासी को अपने काम के लिए बार बार भटकना न पड़े। न ही उन्हें कार्यालय के चक्कर लगाने पड़े। इसलिए कर्मचारी उनका कार्य समयबद्ध तरीके से करें। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय पर कार्यालय आए और निष्पक्ष व ईमानदारी से कार्य करें। अपना काम निर्धारित समय पर सुचारू ढंग से करें। कार्यालय में आने वाली हर शिकायत को गंभीरता से लेकर उसका समय पर समाधान करें। पेंडिग पड़ी शिकायतों और कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। यदि कोई कर्मचारी या अधिकारी किसी कार्य से क्षेत्र में जा रहा है तो वह मूवमेंट रजिस्टर में अपनी मूवमेंट भरकर जाए। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर लंबित शिकायतों का भी त्वरित समाधान हों। उन्होंने निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनहित में किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता दें। निगम कार्यालय में शिकायत लेकर आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का समय पर समाधान करें।

सांसद नवीन जिंदल ने किया जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, किसानों की सुनी समस्याएं

कैथल, गुहला-चीका, 12 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। घग्गर के जल स्तर बढ़ने से किसानों की फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसके लिए ई-क्षति पूर्ति पोर्टल खोला गया है। किसान अपनी खराब हुई फसल का पंजीकरण करवाएं, ताकि जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। केंद्र व राज्य सरकार बाढ़ से प्रभावित हुए क्षेत्रों की पूरी निगरानी कर रही है और हर संभव मदद कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है। प्रत्येक नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। इसको लेकर अलग अलग कटेगरी बनाई गई है। सांसद नवीन जिंदल वीरवार को कैथल-पटियाला रोड पर स्थित टटियाणा गेज का निरीक्षण किया और अधिकारियों से पूर्ण फीडबैक ली। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने मैप के जरिए क्षेत्र की विस्तृत जानकारी हासिल की। इसके बाद सांसद घग्गर सरोला साईफन पर पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनी। किसानों ने सांसद से मांग की कि घग्गर साईफन की समय पर सफाई कराईं जाए। बिना सफाई के कारण पानी अवरूध होता है। उन्होंने तुरंत अधिकारियों से घग्गर साईफन के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन के अनुसार करीब 6 हजार एकड़ फसल में जलभराव हुआ था। प्रशासन द्वारा पूरी मुस्तैदी से बाढ़ प्रबंधन का कार्य किया और स्थिति पर पूरी निगरानी की। अब स्थिति कंट्रोल में है और घग्गर का जल स्तर पर भी निरंतर कम हो रहा है। टटियाणा घग्गर गेज के अनुसार जल स्तर 23 फुट दर्ज किया गया है और धीरे-धीरे जल स्तर कम हो रहा

है। जिन फसलों में पानी भर गया था, वह भी कम हो रहा है। सांसद नवीन जिंदल ने इसके बाद गुहला लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए कि गए हैं कि हांसी-बुटाना नहर को क्रॉस के लिए घग्गर साइफन बना हुआ है, जिसकी वजह से पानी अवरूद्ध होता है और जल भराव का कारण बनता है। किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारियों को कहा कि इसका अध्ययन करके मास्टर प्लान तैयार करवाएंगे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति इस क्षेत्र में उत्पन्न न हो। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश व प्रदेश को विकसित राष्ट्र और विकसित राज्य बनाने की दिशा में बेहत्तरीन कार्य कर रहे हैं। हर वर्ग के कल्याण हेतू नित नई-नई योजनाओं को क्रियान्वयन कर रहे हैं। बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए भी हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बारिश के बाद सड़कों का निर्माण शुरू करवाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है, प्रदेश की हर सड़कें चकाचक होंगी।

जीएसटी की दरों में संशोधन क्रांतिकारी कदम

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूतीकरण के लिए जीएसटी की दरों में संशोधन करके क्रांतिकारी कदम उठाया है। इससे रोजमर्रा की वस्तुओं पर लोगों को राहत दी है। इससे आम लोगों को काफी लाभ होगा और यह 22 सितंबर से शुरू होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी सामान को अहमियत देनी है और उसका उपयोग करना है। वोकल फॉर लोकल को हमें प्राथमिकता देनी है। हमें अपने राष्ट्र को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में लाकर खड़ा करना है और इसमें हम सबकी भागीदारी होगी।

कैथल में भी बनाया जाएगा स्किल सैंटर

उन्होंने स्किल सैंटर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लाड़वा व कुरूक्षेत्र में स्किल सैंटर शुरू किए गए हैं और जल्द ही कैथल में भी इसको शुरू किया जाएगा। सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। मैं भी स्वयं खिलाड़ी रहा हूं और हमें बढ़चढ़ कर खेलों में भाग लेना चाहिए। खेलों में भाग लेने से युवाओं का ध्यान नशे की तरफ नहीं जाएगा और हम भारत के मजबूत नागरिक होंगे। जिम का सामान दिया गया है तथा स्टेडियमों की सुविधाओं में सुधार लाया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, रवि तारांवाली, सुरेश संधु, मनीष शर्मा, सुनील मित्तल, मांगे राम जिंदल, शैली मुंजाल, बलविंद्र जांगड़ा, संत छविदास, राजेश शर्मा उर्फ पिंटू, डॉ. ओमता राम के अलावा पदाधिकारी, प्रशासन की ओर से एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, एसडीओ अमजमेर सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

25 सितंबर को एक साथ मिलकर शहर को करेंगे साफ-धार्मिक व शिक्षण संस्थाओं के स्वयंसेवी भी करेंगे श्रमदान : महाबीर प्रसाद

यमुनानगर, 12 सितंबर (दिनेश कुमार) : हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत 25 सितंबर को एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शहर की विभिन्न धार्मिक संस्थाएं, शिक्षण संस्थान, सामाजिक संस्थाएं और अन्य स्वयंसेवी संस्थाएं निगम के साथ मिलकर शहर की सफाई करेंगे और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने संत निरंकारी मिशन, राधा स्वामी, डेरा सच्चा सौदा व शहर के विभिन्न स्कूल, कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में निगम आयुक्त ने सभी से 25 सितंबर को दो घंटे नगर निगम के साथ मिलकर विशेष सफाई अभियान में सहयोग करने की अपील की। तीनों धार्मिक संस्थाओं ने उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श कर सफाई अभियान में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। वहीं, स्कूल, कॉलेज व शिक्षण संस्थाओं ने भी इस अभियान में एनसीसी, एनएसएस से संबंधित विद्यार्थियों व अन्य विद्यार्थियों के साथ मिलकर सफाई अभियान में भाग लेने का समर्थन किया। बैठक के दौरान संत निरंकारी मिशन के स्थानीय प्रतिनिधि क्षेत्रीय संचालक विक्रम गांधी ने 1500, राधा स्वामी के स्थानीय प्रधान सेवा सिंह व क्षेत्रीय सहायक राजेश अरोड़ा ने 3000 और डेरा सच्चा सौदा के प्रतिनिधि जरनैल सिंह ने डेरा प्रतिनिधियों से विचार विमर्श कर अनुयायियों द्वारा श्रमदान कार्यक्रम में सफाई करने का आश्वासन दिया। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के बीच सरकार द्वारा सेवा पखवाड़ा भी शुरू किया है। जिसका उद्देश्य शहर को सौंदर्यीकरण, हर वार्ड को कचरा मुक्त व स्वच्छ बनाना है। क्लस्टर वाइज अभियान चलाकर शहर को स्वच्छ बनाने का कार्य किया जाएगा। 25 सितंबर को एक घंटा श्रमदान कार्यक्रम में शहर की सभी धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण

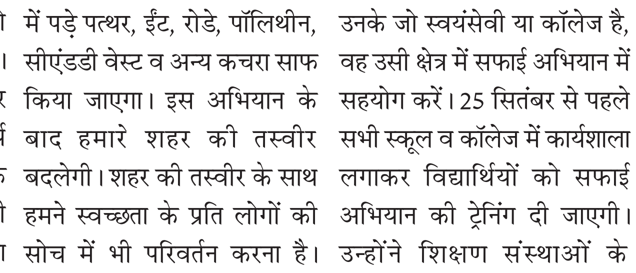

व अन्य स्वयं सेवी संस्थाएं शामिल भाग लेगी। श्रमदान कार्यक्रम में प्रत्येक वार्ड की प्रत्येक कॉलोनी, मोहल्ला की हर गली, हर सड़क में सफाई की जाएगी। सड़क व गलियों में पड़े पत्थर, ईंट, रोडे, पॉलिथीन, सीएंडडी वेस्ट व अन्य कचरा साफ किया जाएगा। इस अभियान के बाद हमारे शहर की तस्वीर बदलेगी। शहर की तस्वीर के साथ हमने स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच में भी परिवर्तन करना है। आमजन को रोजमर्रा की जिंदगी में स्वच्छता को अपनाना है। उन्होंने धार्मिक संस्थाओं व शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों से अपील की कि वे जिस क्लस्टर में उनके जो स्वयंसेवी या कॉलेज है, वह उसी क्षेत्र में सफाई अभियान में सहयोग करें। 25 सितंबर से पहले सभी स्कूल व कॉलेज में कार्यशाला लगाकर विद्यार्थियों को सफाई अभियान की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्कूल, कॉलेज व शिक्षण संस्थान में 50 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न होता है। वह बीडब्ल्यूजी की श्रेणी में आते है। इसलिए वे गीले कचरे का कंपोस्ट पिट के माध्यम से खाद तैयार करें। प्लास्टिक की बोतल, कांच के सामान, गत्ते आदि को कबाड़ी को बेचे। बैठक में विशेष अधिकारी सफाई अनिल कुमार यादव, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक, मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन, मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, धार्मिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए जल्द भर्ती किए जाएंगे करीब 500 डॉक्टर:आरती सिंह राव

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एलएनजेपी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, निर्माण कार्य को एक-एक चरण में जल्द से जल्द पूरा करने के दिए निर्देश, स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की सफाई व्यवस्था

कुरुक्षेत्र, 12 सिंतबर (सुदेश कुमार) : हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री सिंह आरती राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार की तरफ से जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इन चिकित्सकों की भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और सरकार से अनुमति मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव शुक्रवार को एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एलएनजेपी अस्पताल की फार्मेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फार्मेसी में सभी दवाईयां पर्याप्त मात्रा में मिली। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। यहां पर सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाईयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से फीडबैक भी दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में पूरा करने के निर्देश दिए है ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को भी परेशानी का सामना ना करना पडे। इस अस्पताल की फार्मेसी का निरीक्षण किया और यहां पर मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध थी। इस अस्पताल में स्वच्छता को लेकर काफी कमियां पाई गई है और अस्पताल को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इस अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए है और सभी शौचालयों को बेहतर करने के आदेश दिए गए है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण हरियाणा प्रदेश के कई जिले प्रभावित हुए है, ऐसे समय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे है और निशुल्क दवाईयां वितरित कर रहे है और इसके साथ ही फॉगिंग का कार्य भी कर रहे है। इस आने वाले सीजन में डेंगू,मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतु सरकार द्वारा तमाम प्रबंध पूरे किए गए है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आम नागरिकों को सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कुरुक्षेत्र में मलेरिया को लेकर किए गए कार्यों की सराहना करने पर बधाई दी है। इस मौके पर सीएमओ डा. सुखबीर सिंह, पीएमओ डा. सारा अग्रवाल, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश सभ्रवाल, एक्सईएन ऋषि सचदेवा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सर्वसम्मति से बहादुर सिंह को चुना गया नीलोखेड़ी ब्लॉक प्रधान

नई कार्यकारिणी ने ईमानदार और निष्ठा के साथ संगठन के लिए काम करने की ली शपथ

करनाल, 12 सितम्बर (संदीप रोहिला): सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक स्तरीय चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हो गई है। सभी छह ब्लॉकों में कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। शुक्रवार को नीलोखेड़ी ब्लॉक का चुनाव गोल मार्केट में सम्पन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक की भूमिका एसकेएस के जिला प्रधान सुशील गुर्जर, जिला सचिव सेवाराम बड़सर, उपप्रधान राजपाल व जिला कमेटी सदस्य शिव कुमार ने अदा की। ब्लॉक नीलोखेड़ी के सभी कर्मचारी मौजूद रहे। सर्वसम्मति से बहादुर सिंह को नीलोखेड़ी ब्लॉक प्रधान चुना गया। राजेश कुमार को सचिव, ऋषि शर्मा को कैशियर, नरेश कुमार को वरिष्ठ उपप्रधान की जिम्मेवारी मिली। इसी प्रकार राजकुमार व प्रतिभा देवी को उपप्रधान, योगेंद्र राठी को सह सचिव, राजेश को प्रेस सचिव, कृष्ण लाल को संगठन सचिव व धर्मेंद्र को ऑडिटर बनाया गया। आमंत्रित सदस्यों में सरिता और सुरेश कुमार को शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी ने ईमानदार और निष्ठा के साथ संगठन के लिए काम करने की शपथ ली। जिला प्रधान सुशील गुर्जर व जिला सचिव सेवाराम बड़सर ने कहा कि कर्मचारियों की आवाज उठाने और उनकी मांगों को लागू करवाने के मामले में सर्व कर्मचारी संघ सबसे मजबूत संगठन है। यह तभी संभव हुआ है जब कर्मचारी नेता सभी कर्मचारियों के संपर्क में रहते हैं और उन्हें हमेशा साथ लेकर चलते हैं। इस अवसर पर दिनेश मलिक, पवन शर्मा, सुरेश कुमार, धीरज पटवारी, करमवीर, मीना व तेज पाल राणा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमों के लिए लोक अदालत आयोजित

करनाल, 12 सितंबर (सोनी दुआ): जिला व सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के

मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमों के लिए लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का आयोजन स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष ऐ.के जैन. व सदस्य मीनाक्षी द्वारा किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने उपस्थित बैंक व इंश्योरेंस कम्पनी के मैनेजरों से बातचीत की और उन्हे इस लोक अदालत के जरिए अधिकतम प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमों का निपटारा करने के बारे में बताया। लोक अदालत मे 1860 मुकदमे रखे गए जिसमे से 650 मुकदमों का निपटारा बाद दोपहर तक हो चुका था। इसके अलावा सीजेएम डा. इरम हसन ने न्यायिक परिसर में स्थापित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हैल्पडैस्क पर उपस्थित जन साधारण को 13 सितम्बर को लगने वाली नेशनल लोक अदालत बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार, डा. सविता कुमारी ,रामअवतार पारीक व सुधीर कुमार, ए. सी. जे एम, राकेश कुमार, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) विनीत कौर सौखी, अमृतबीर कौर, उदय प्रताप, गौरांग शर्मा का बैंच बनाया गया है। उन्होने जन साधारण से अपील की कि वे लोक अदालत के माध्यम से जिला न्यायालय, में लंबित मुकदमों का निपटारा करे। जिससे लोक अदालत में मुकदमे का निपटारा होने से भाईचारे की भावना को बल मिलता है और दोनो पार्टियों की जीत होती है। लोक अदालत में निपटारा हुए मुकदमों की अपील नहीं होती। इससे समय व धन की भी बचत होती है।

शिविर केवल औपचारिकता न बनें अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखें- आयुक्त एवं सचिव आसिमा बराड़

पानीपत, 12 सितंबर (हरप्रीत छत्तवाल) सहकारिता विभाग की आयुक्त एवं सचिव तथा हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम की प्रबंध निदेशक आशिमा बराड़ ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेशभर में आयोजित समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुक्रवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी जिलों और उप मंडलों में आयोजित शिविरों में दर्ज शिकायतों की वर्तमान स्थिति जानी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त-सचिव ने उपायुक्तों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का वास्तविक लाभ जनता तक पहुंच रहा है या नहीं, यह गंभीरता से परखा जाए। उन्होंने जोर दिया कि समाधान शिविरों का मूल उद्देश्य केवल शिकायतें दर्ज करना नहीं बल्कि उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत का समाधान अपेक्षित समय में नहीं हो पा रहा है तो संबंधित विभाग प्रमुख स्वयं जिम्मेदारी लें और स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करें। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी ने बैठक में आश्वस्त किया कि जिले में प्राप्त शिकायतों पर विभाग सक्रियता से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ शिकायतें ऐसी हैं जिन पर और अधिक गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है, लेकिन समग्र रूप से जिला शिकायतों के निस्तारण की स्थिति में बेहतर है। उन्होंने कहा कि भविष्य में और मजबूती के साथ इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे ताकि जनता को शीघ्र और पारदर्शी समाधान मिल सके।बैठक के उपरांत विवेक चौधरी ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक भी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि मार्च माह तक लंबित सभी शिकायतों का निपटारा आगामी शुक्रवार से पहले कर दिया जाए। इसके बाद अन्य महीनों की शिकायतों पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि पेंडिंग और री-ओपन दोनों कैटेगरी की शिकायतों की विभागवार समीक्षा होनी चाहिए और किसी भी समस्या को हल्के में नहीं लिया जाए।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायतों की निगरानी और समाधान की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा। हर शिकायत की स्थिति समय-समय पर अपडेट की जाएगी ताकि आमजन यह देख सकें कि उनकी समस्या पर क्या प्रगति हो रही है। आयुक्त-सचिव आशिमा बराड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर केवल औपचारिकता न बनें, बल्कि जनता को यह महसूस होना चाहिए कि उनकी आवाज सीधे सरकार तक पहुच रही है और उसका असर भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि विभागों को जनता से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में और सजग रहना होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन विभागों में शिकायतें अपेक्षाकृत अधिक आ रही हैं, वहां विशेष समीक्षा की जाएगी। साथ ही उन विभागों के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। लगभग एक घंटे से 'यादा समय तक चली वर्चुअल समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समाधान शिविरों में दर्ज शिकायतों की विस्तृत जानकारी साझा की।इस अवसर पर एसडीएम मनदीप कुमार, जिला परिषद सीईओ डॉ. किरण, निगम संयुक्त आयुक्त डॉ संजय, नगराधीश टीनू पोसवाल, डीएसपी सतीश वत्स, सीएमओ डॉ. विजय मलिक, डीडीपीओ राजेश शर्मा, डीएचओ शार्दुल शंकर, पशुपालन विभाग के एसडीओ श्री भगवान सहित अन्य कई विभागों से अधिकारी मौजूद रहे।

25 सितम्बर को ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' श्रमदान गतिविधि का होगा आयोजन - डॉक्टर पंकज यादव

पानीपत, 12 सितंबर (हरप्रीत छत्तवाल) हरियाणा सरकार व पेयजल एवं स्व' छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के आदेशो की अनुपालना में डीसी डॉक्टर पंकज यादव के मार्गदर्शन में स्व' छ भारत मिशन- ग्रामीण के अन्तर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक 'सेवा पखवाड़ा' और 'स्व' छता ही सेवा' 2025 अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सामूहिक नागरिक कार्रवाई और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सेवा और स्व' छता की भावना को सुदृढ़ करना है। इस अभियान का एक प्रमुख आकर्षण 25 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' नामक राष्ट्रव्यापी श्रमदान गतिविधि है, जो नागरिकों से स्व' छता के लिए एक घंटे की स्वैं' छक सेवा के लिए एकजुट होने का आह्वान करती है।उन्होने बताया कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक 'सेवा पखवाड़ा और स्व' छता ही सेवा'' का आयोजन सभी ग्राम पंचायतो में भी किया जाएगा प्रत्येक जिले से पांच ग्राम पंचायतों को स्वयं को स्वें' छ से प्लास्टिक मुक्त घोषित करना। इस अभियान के दौरान जो जिले की तीन ग्राम पंचायत सबसे स्व' छ एवं सुंदर होगी उन्हे जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

पूंडरी और डांड के प्रतिनिधियों ने सुल्तानपुर गांव के विकास कार्यों का जायजा लिया

नीलोखेड़ी, 12 सितंबर (सुरेश कुमार मिड्ढा): नीलोखेड़ी ब्लॉक की सुल्तानपुर पंचायत सुशासन का बेहतर उदाहरण बनकर सामने आई है। यहाँ आयोजित अध्ययन भ्रमण में आए पंचायत प्रतिनिधियों ने गाँव में किए गए विकास कार्यों को देखकर प्रशंसा की।भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सलाहकार श्री अभिषेक सिंह ने कहा सुशासन की असली ताकत गाँव स्तर पर किए गए नवाचार और सामूहिक प्रयास में है। सुल्तानपुर गाँव की गतिविधियाँ अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। अध्ययन भ्रमण का आयोजन राज्य पंचायत संसाधन केंद्र और विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा सरकार ने 11 सितम्बर 2025 को किया। इसमें कैथल जिले के पुंडरी और ढांड ब्लॉक के करीब 20 सरपंच और 5 ग्राम सचिवों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने यहाँ पंचायत लर्निंग सेंटर का दौरा किया और आपसी अनुभव साझा किए। गाँव में बने पार्क और तालाब का सौंदर्यीकरण, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता की व्यवस्था देखकर सभी सरपंच प्रभावित हुए। प्रतिभागियों ने माना कि सुल्तानपुर पंचायत का यह मॉडल उनके लिए सीखने और अपनाने योग्य है।सुल्तानपुर पंचायत आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचे वाली पंचायत है, जहाँ जल संरक्षण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। गाँव के सरपंच जसमेर चौहान रोज़ाना मशहूर फाइव पाउंड जोहड़ की सफाई करते हैं। इस अवसर पर भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सलाहकार श्री अभिषेक सिंह, मीनू रेधू (राज्य परियोजना प्रबंधक, आरजीएसए), सुल्तानपुर के सरपंच जसमेर सिंह, शुभम भार्गव (क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण विशेषज्ञ) सहित कई अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शहीद ओमप्रकाश शर्मा के शहीदी दिवस पर गांव बतौड में श्रद्धांजलि सभा

बरवाला, 12 सितम्बर (प्रवीन कुमार): गांव बतौड के पंचायती जंजघर में वीर शहीद ओमप्रकाश शर्मा के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शहीद ओमप्रकाश शर्मा ने 12 सितम्बर 1967 को नाथूला बॉर्डर (सिक्किम) पर चीन के साथ सीमा विवाद के दौरान बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। कार्यक्रम में गांववासियों ने शहीद की प्रतिमा और चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और शहीद ओमप्रकाश शर्मा अमर रहे, भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मातरम जैसे गगनभेदी नारे लगाए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि शहीद ओमप्रकाश शर्मा का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनकी शहादत पर पूरा गांव गर्व करता है। सभा में पूर्व सरपंच व समाजसेवी लक्ष्मण बतौड, कैप्टन सतपाल सिंह राणा, गुलाब सिंह राणा, महिपाल रंगा, मुकेश, रामपाल राणा, महेशा पंडित, पंच राम कुमार, राहुल शर्मा, सतवीर शर्मा, पुष्पिंदर शर्मा, वेदप्रकाश, सुभाष पंडित, मैनपाल, सुशील, शुभकरण सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड ने बताया कि शहीद ओमप्रकाश शर्मा का जन्म 3 अप्रैल 1944 को गांव बतौड में हुआ था। वे भारतीय सेना के जांबाज सैनिक थे। सीमा पर चीन से मुठभेड़ के दौरान उन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहादत प्राप्त की। उनकी वीरता को देखते हुए उनका नाम आज भी दिल्ली के इंडिया गेट पर अंकित है, जो देश के लिए उनके बलिदान का अमर प्रतीक है। उन्होंने अफसोस जताया कि आज तक शहीद ओमप्रकाश शर्मा के नाम से न तो गांव में स्वागत द्वार बनाया गया है और न ही किसी सार्वजनिक स्थान या संस्था को उनके नाम से जोड़ा गया है। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन को चाहिए कि शहीद की स्मृति में गांव बतौड में स्वागत गेट और एक लाइब्रेरी का निर्माण करवाया जाए, ताकि नई पीढ़ी शहीदों के बलिदान से प्रेरणा ले सके। साथ ही शहीद परिवार को सरकारी नौकरी दी जाए, जिससे परिवार को सम्मान और सहयोग मिल सके। गांव के लोगों ने एक स्वर में कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों की शहादत का सम्मान करना हर नागरिक और सरकार का पहला कर्तव्य है। यदि सरकार जल्द ही इस ओर ठोस कदम नहीं उठाती तो ग्रामीण आंदोलन का रास्ता भी अपनाएंगे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और शहीदों को नमन के नारों के साथ हुआ।